रवि-तेज

2023-2025

स्वाध्यायात् मा प्रमदः

पंडित चिरंजी लाल शर्मा राजकीय महाविद्यालय करनाल

Editorial Board

STAFF EDITORS:
Sitting (L to R)

Dr. Pradeep Kumar (Job Oriented), Dr. Sunil Dutt (Hindi), Dr. Rakha Rani (Punjabi), Dr. Navpreet Kaur (Science), Dr. Nitika Arora (General), Sarita Arya (Chief Editor), Dr. Rekha Tyagi (Principal), Dr. Sunita Chopra (Commerce), Dr. Nutan Garg and Mrs. Mona Batra (English), Sh. Sanjiv Kumar (Sanskrit)

STUDENT EDITORS:
Sitting (L to R)

Aarti (Job Oriented), Hari Om (Hindi), Saurabh (Punjabi), Nancy Sharma (Science), Keshav Kaushik (General), Abhishek (Commerce), Lovesh Madaan (Sanskrit)

प्राचार्या की कलम से

प्रिय विद्यार्थियों, विद्वान शिक्षकों एवं आदरणीय पाठकों

सप्रेम नमस्कार।

यह अत्यंत गर्व और प्रसन्नता का विषय है कि हमारे महाविद्यालय की वार्षिक पत्रिका **"रवि – तेज"** का यह नवीनतम अंक प्रकाशित हो रहा है। यह पत्रिका केवल एक प्रकाशन नहीं, बल्कि हमारे विद्यार्थियों की सृजनशीलता, अंतर्दृष्टि और शैक्षणिक तथा सांस्कृतिक उपलब्धियों का जीवंत प्रतिबिंब है।

वर्तमान समय में शिक्षा का स्वरूप केवल पुस्तकों और विज्ञान की सूचनाओं तक सीमित नहीं है। यह व्यक्तित्व निर्माण, नैतिक मूल्यों की स्थापना तथा रचनात्मक अभिव्यक्ति की दिशा में हमें उन्मुख करती है। यह पत्रिका हमारे विद्यार्थियों के भीतर छिपे उस रचनात्मक स्रोत की पहचान है, जो केवल कक्षा और परीक्षा तक सीमित न होकर, समाज निर्माण में भी सक्रिय भूमिका निभा सकता है।

"कलम की नोक से जब विचार बहते हैं,

तो मौन पन्नों पर भी स्वर गूंजते हैं।"

इस अंक की हर रचना – चाहे वह कविता हो, लघु कथा, लेख या चित्रांकन – विद्यार्थियों की अंतर्दृष्टि, संवेदनशीलता और विचारों की उड़ान की परिचायक है। इन्हीं प्रयासों से यह सिद्ध होता है कि हमारी युवा पीढ़ी में कल्पना और विवेक दोनों का अद्‌भुत संतुलन है।

"रवि – तेज" हमारे विद्यार्थियों को वह मंच प्रदान करती है जहाँ वे न केवल अपने विचारों को अभिव्यक्त करते हैं, बल्कि समाज को नई दिशा देने में भी समर्थ बनते हैं।

"ज्ञान वह दीप है जो स्वयं जलकर,

दूसरों के अंधकार को आलोकित करता है।"

यह पत्रिका उसी ज्ञानदीप की एक लौ है, जो हमारे विद्यार्थियों के भीतर छिपे प्रकाश को बाहर लाने का माध्यम बनती है।

मैं इस अवसर पर उन सभी विद्यार्थियों को हार्दिक बधाई देती हूँ जिन्होंने अपने साहित्यिक, कलात्मक एवं वैचारिक योगदान से इस अंक को गरिमा प्रदान की। साथ ही, संपादकीय टीम एवं मार्गदर्शक शिक्षकों को भी हृदय से धन्यवाद करती हूँ, जिनके परिश्रम एवं समर्पण से इस पत्रिका का प्रकाशन सम्भव हो सका।

मेरी शुभकामनाएँ हैं कि आप सभी विद्यार्थी ज्ञान, संस्कार और सृजन के पथ पर निरन्तर अग्रसर रहें।

"जहाँ सोच ऊँची हो और संकल्प अडिग –

वहीं से भविष्य के निर्माता जन्म लेते हैं।"

सदैव उज्ज्वल भविष्य की कामना सहित,

डॉ. रेखा त्यागी

प्राचार्या

मुख्य संपादिका की कलम से

"वही ज्ञान, जो समाज के अंधकार को आलोकित करे,
कल्पना, जो यथार्थ को छू सके।"

सम्माननीय पाठकगण, विद्वान शिक्षकगण, सहयोगी कर्मचारीगण एवं प्रिय छात्र – छात्राओं – सादर वंदन।

महाविद्यालय जीवन केवल पाठ्यक्रम, परीक्षाओं और डिग्री की सीमाओं में बंधा हुआ नहीं होता। यह वह कालखंड होता है जहाँ एक छात्र अपने व्यक्तित्व की नींव रखता है – सोचने, समझने, और स्वयं को अभिव्यक्त करने का साहस अर्जित करता है। यह काल केवल अकादमिक उन्नति का नहीं, बल्कि बौद्धिक, नैतिक और सामाजिक जागरूकता के निर्माण का होता है।

आज शिक्षा का स्वरूप केवल पाठ्यपुस्तकों और अंकों तक सीमित नहीं रह गया है। अब वह एक व्यापक मंच बन चुका है जहाँ विद्यार्थी विचारशीलता, संवेदनशीलता और सृजनात्मकता के माध्यम से समाज को दिशा देने की सामर्थ्य प्राप्त करते हैं। **"रवि तेज"** जैसी साहित्यिक पत्रिकाएँ छात्रों की मौन रचनात्मकता को स्वर देते हुए एक ऐसा मंच प्रदान करती है जो परीक्षा कक्षों से बाहर भी सोचने, लिखने और बदलने की शक्ति प्रदान करता है।

जब कोई छात्र अपने अनुभवों को शब्दों में ढालता है तो वह केवल अभिव्यक्ति नहीं करता, बल्कि एक विचार यात्रा पर निकलता है। वह अपनी दृष्टि को समाज के समक्ष रखता है, संवाद करता है, और अपने भीतर की जागरूकता को साझा करता है। यही रचनात्मक प्रयास विद्यार्थियों को सशक्त सजग और संवेदनशील नागरिक बनने की दिशा में प्रेरित करता है।

ऐसे में **"रवि तेज"** महज एक पत्रिका नहीं, बल्कि एक जीवंत मंच है – जहाँ विचारों को दिशा मिलती है, कल्पनाओं को पंख, और शब्दों को समाज से संवाद करने की शक्ति। इसमें प्रकाशित रचनाएँ विद्यार्थियों के आत्मविश्वास का परिचायक होती हैं, और यह उनके लिए एक सृजनात्मक गौरव की अनुभूति का अवसर भी है। यह न केवल उनकी प्रतिभा की मान्यता है, बल्कि उन्हें प्रोत्साहित करने वाला आत्मसम्मान भी है।

महाविद्यालय की पत्रिका में प्रकाशित होना प्रत्येक छात्र के लिए एक महत्त्वपूर्ण उपलब्धि है, जो न केवल उन्हें सृजनशीलता के प्रति प्रेरित करती है, बल्कि उनके अंदर सामाजिक उत्तरदायित्व का भाव भी उत्पन्न करती है।

आज के तेज़ रफ्तार समय में, जहाँ संवेदना और विचार की जगह कम होती जा रही है, ऐसे रचनात्मक मंच युवाओं को ठहरकर सोचने, गहराई से समझने और सार्थक लेखन के माध्यम से जुड़ने का अवसर प्रदान करते हैं। जब छात्र – छात्राएँ महाविद्यालय पत्रिका में प्रकाशित होते हैं, तो वे स्वयं को उस परंपरा का हिस्सा पाते हैं जो विचारशीलता, संवाद और समाज निर्माण के मूल्यों को आगे बढ़ाती है। हमें विश्वास है कि आने वाले वर्षों में और अधिक विद्यार्थी इस रचनात्मक प्रयास से जुड़ेंगे और इस गौरवशाली परंपरा को समृद्ध करेंगे।

इस अवसर पर हम उन सभी प्रतिभाशाली छात्र – छात्राओं को हार्दिक बधाई देते हैं, जिन्होंने इस पत्रिका के निर्माण में अपनी रचनाओं से योगदान दिया। साथ ही, संपादक मंडल की समर्पित टीम का विशेष आभार, जिनकी सूक्ष्म दृष्टि और सतत परिश्रम से यह अंक साकार हो सका। हम प्राचार्या महोदया के प्रति भी कृतज्ञ हैं, जिनके प्रोत्साहन, मार्गदर्शन और विश्वास ने इस रचनात्मक पहल को सच्चे अर्थों में स्वरूप प्रदान किया।

आइए, इस यात्रा को आगे बढ़ाएँ – जहाँ शब्द, विचार और संवेदना के साथ हम समाज को नई दिशा दे सकें।

सरिता आर्य

मुख्य संपादिका

हिन्दी अनुभाग

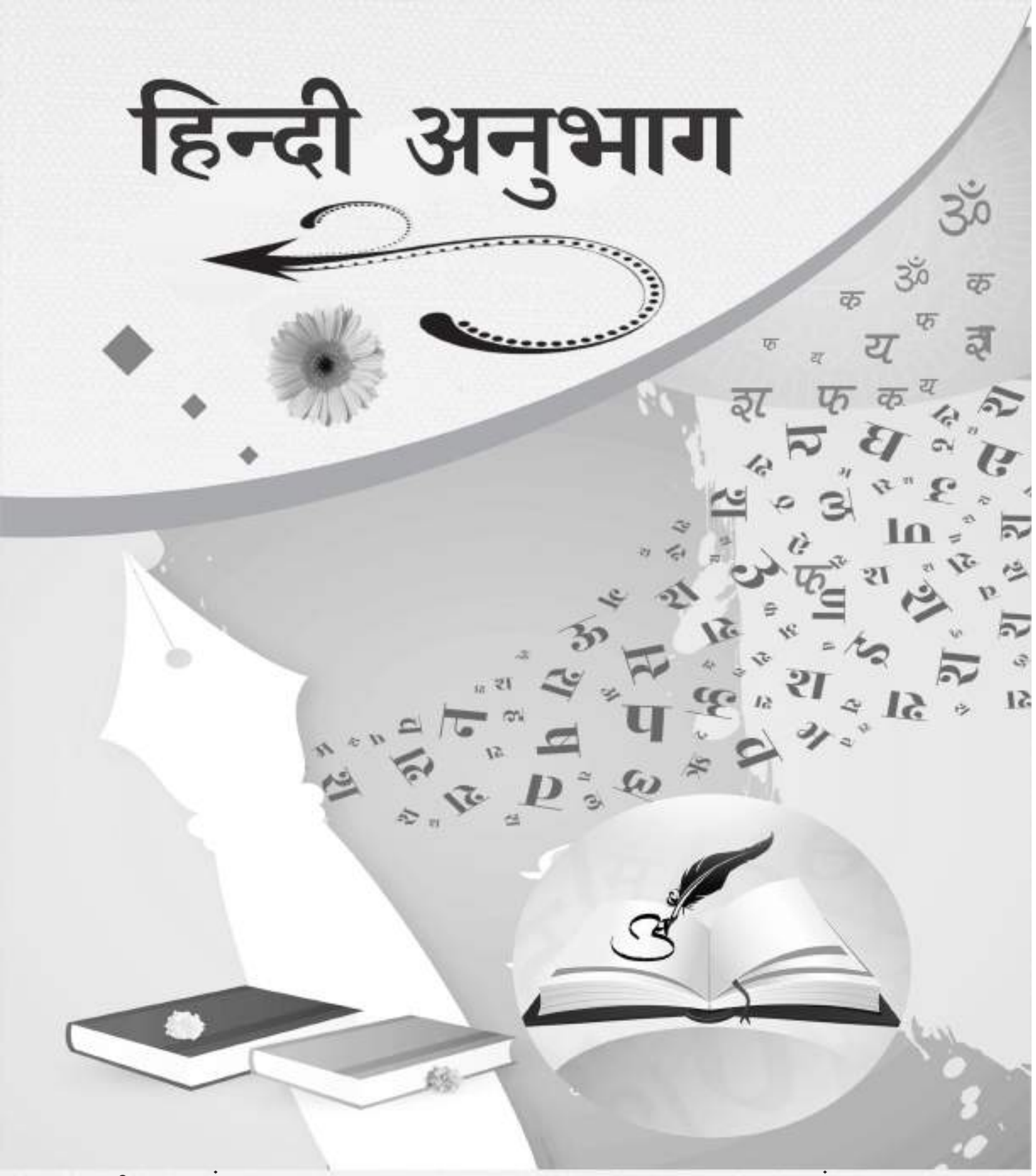

प्राध्यापक – संपादक
डॉ. सुनील दत्त

छात्र – संपादक
हरिओम (स्नातक – तृतीय वर्ष)

अनुक्रमणिका

क्रम सं.	रचना	रचयिता	पृष्ठ संख्या
1.	सम्पादकीय	डॉ. सुनील दत्त	3
2.	छात्र-संपादक	हरिओम (स्नातक-तृतीय वर्ष)	3
3.	माँ	साहिल (बी.ए.)	4
4.	माँ-बाप ही भगवान हैं	साहिल (बी.ए.)	4
5.	ये दुनिया कहीं नहीं	साहिल (बी.ए.)	4
6.	ए उम्र तू बतलादे अब है मुझे जाना कहाँ	खुशबु (बी.ए.-द्वितीय वर्ष)	4
7.	बेटी	कामना (बी.ए.-द्वितीय वर्ष)	4
8.	कलम	शीतल गड़तान (बी.ए.-द्वितीय वर्ष)	5
9.	क्या यही वो हिंदुस्तान है	अंकित कुमार (बी.ए-चतुर्थ सेमेस्टर)	5
10.	सपने	नीरू (बी.ए.-तृतीय वर्ष)	5
11.	संकल्प	लीना कांसल (बी.ए.-द्वितीय वर्ष)	5
12.	वृक्ष की दास्ताँ	अंकित कुमार (बी.ए-चतुर्थ सेमेस्टर)	6
13.	वृक्ष और मैं	नीरू (बी.ए.-तृतीय वर्ष)	6
14.	पर क्यों	नीरू (बी.ए.-तृतीय वर्ष)	6
15.	ईमानदारी अभी जिंदा है	अंकित कुमार (बी.ए.-द्वितीय वर्ष)	7
16.	सफल लोगों की चार बातें	ईशिका गड़तान (बी.ए.-द्वितीय वर्ष)	7
17.	जीवन का आदर्श	चिराग मेहरा (बी.ए.-द्वितीय वर्ष)	8

सम्पादकीय

प्रिय मित्रों, छोटे भाइयों बहनों एवं साथियों,

आखिरकार, लंबे इंतज़ार और बहुत से उतार-चढ़ावों के बाद हम आपके सामने **"रवि-तेज"** पत्रिका का यह दो वर्षों का संयुक्त विशेषांक लेकर आ ही गए। यह केवल पन्नों का संग्रह नहीं, बल्कि आपके अपने कॉलेज के जीवन, अनुभवों, जिज्ञासाओं और उन भावनाओं का दस्तावेज़ है जो हमने साथ जिए हैं। इसे बनाना आसान नहीं था, लेकिन हर बार जब लगा कि अब नहीं हो पाएगा, तो आपकी कल्पनाओं और कुछ चुनिंदा विद्यार्थियों की लेखनी ने इसे आगे बढ़ाया। यह अंक उसी रचनात्मक आत्मा को समर्पित है, जो हम सबके भीतर कहीं न कहीं मौजूद है, बस उसे जगाने की ज़रूरत है।

मेरे प्रिय विद्यार्थियों,

जब मैं स्वयं महाविद्यालय का छात्र था, तब यह कल्पना करना ही सुखद होता था कि महाविद्यालय की पत्रिका प्रकाशित हो रही है और उसमें मेरी कोई रचना प्रकाशित हो जाए, चाहे जैसे-तैसे ही सही। उस समय यह एक सपना सा लगता था, पर आज वह सपना आप सबके लिए साकार करने का अवसर है।

पिछले कुछ वर्षों से मैं लगातार कक्षाओं में आपसे यह आग्रह करता आ रहा हूँ कि हमारी **"रवि-तेज"** पत्रिका के लिए अपनी रचनाएं भेजें। मैं यह भी बताता हूँ कि किस प्रकार की रचनाएँ दी जा सकती हैं, किस भाषा-शैली में लिखी जा सकती है। परंतु दुःख इस बात का है कि अपेक्षित सहभागिता नहीं मिलती। यह मेरा व्यक्तिगत नहीं, एक शिक्षक का शैक्षणिक व भावनात्मक दुःख है, जो अपने विद्यार्थियों में संभावनाएं तो देखता है, परंतु उनकी निष्क्रियता से खिन्न होता है।

लेखन केवल शब्दों की सजावट नहीं, आत्मा की अभिव्यक्ति है। यह वह माध्यम है जिसके द्वारा आप अपने अनुभवों, विचारों और भावनाओं को कालजयी बना सकते हैं। एक अच्छी रचना न केवल पाठक को प्रभावित करती है, बल्कि लेखक को भी आत्मचिंतन का अवसर देती है। जब आप लिखते हैं, तो आप समाज से संवाद करते हैं, और जब आप प्रकाशित होते हैं, तो आपके शब्दों को एक पहचान मिलती है। इसलिए मैं आप सभी से आग्रह करता हूँ कि इस मंच को हल्के में न लें। यह पत्रिका केवल परीक्षा अंक नहीं, बल्कि आपके भीतर की उस रचनात्मक चेतना का उत्सव है जिसे जगाने की आवश्यकता है।

अब जब यह विशेषांक आपके हाथों में है, तो मेरी आशा है कि आने वाले समय में आप सब अपनी रचनात्मकता का परिचय अवश्य देंगे। मेरी आपसे अपेक्षा है कि आप वर्ष भर में कोई न कोई रचना तैयार करें, चाहे वह कविता हो, लेख हो, अनुभव हो या कोई विचार। मैं उसे पढ़ूंगा, आवश्यक सुझाव दूंगा और मार्गदर्शन करता रहूंगा।

इन्हीं शुभकामनाओं के साथ, आपको **"रवि-तेज"** का यह अंक समर्पित।

डॉ. सुनील दत्त
प्राध्यापक-संपादक (हिन्दी विभाग)

छात्र संपादक

प्रिय सहपाठियों, शिक्षकों और सम्माननीय पाठकों,

सादर नमस्कार।

महाविद्यालय पत्रिका "रवि-तेज" का यह विशेष अंक आपके सामने प्रस्तुत करते हुए मुझे अत्यंत गर्व और प्रसन्नता हो रही है। एक विद्यार्थी के रूप में सम्पादकीय जिम्मेदारी निभाना मेरे लिए न केवल एक अवसर रहा बल्कि यह एक सीखने और अनुभवों से समृद्ध होने की यात्रा भी रही।

इस अंक को तैयार करने में हमने महाविद्यालय के विद्यार्थियों की विविध प्रतिभाओं, विचारों और भावनाओं को स्वर देने का प्रयास किया है। लेख, कविताएँ, लेखनी से सजी यह पत्रिका हमारे अंदर छिपे कलाकार, विचारक और समाजबोध रखने वाले युवा की पहचान है।

हमारा उद्देश्य केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि प्रोत्साहन और प्रेरणा देना भी है-कि हर छात्र अपनी अभिव्यक्ति को स्थान दे, निडर होकर सोच सके और अपने विचारों को समाज के साथ साझा कर सके। इस प्रक्रिया में मुझे यह समझ आया कि हर रचना के पीछे एक संवेदनशील मन और एक गहरी सोच होती है, जिसे पढ़कर हम सभी कुछ न कुछ सीख सकते हैं।

इस यात्रा में मार्गदर्शन देने वाले हमारे शिक्षकगण, लेख प्रस्तुत करने वाले सहपाठी, और सम्पादकीय टीम का मैं हृदय से आभार प्रकट करता हूँ। आशा करता हूँ कि यह अंक आपको पसंद आएगा, सोचने पर मजबूर करेगा और अगले संस्करण के लिए आपकी रचनात्मकता को प्रेरित करेगा।

आपके सुझाव और प्रतिक्रियाएं हमें बेहतर बनाने में मदद करेंगी। सदैव रचनात्मकता के साथ,

छात्र संपादक (हिन्दी-विभाग)
हरिओम (स्नातक, तृतीय वर्ष)

माँ

जिन्दगी देने वाली है वो माँ,
हम पर अपना सब कुछ लुटाने वाली है वो माँ ।
आप खुद दु:ख में रोती है वो माँ पर,
हमें हसाने वाली है वो माँ।
बदले में कुछ भी नहीं माँगती है वो माँ,
जिन्दगी देने वाली है वो माँ।

तुम्हे हमेशा खुश रंखूँ ये कोशिश रहेगी,
तुम्हे कभी दु:खी न होने दुँगा ओ माँ।
तुम्हे हमेशा खुश और हँसती हुई देखना,
चाहता हूँ ओ माँ।

माँ की ममता प्यार तब पूरी होती है जब बच्चा उसकी,
ममता प्यार भावना की कदर करता है।
माँ तो बच्चों के लिए जान भी दे सकती है,
माँ चाहे अनपढ़ हो पर हमारी भावनाओं को,
बिना कहे-ही समझ लेती है।
जितना हम अपने बारे में जानते हैं,
उससे कई गुना ज़्यादा माँ हमारे बारे में जानती है।
माँ की ममता वास्तविक होती है,
न कि काल्पनिक।।

साहिल (बी.ए.)

माँ-बाप ही भगवान हैं

काला साया जिन्दगी में उजाला करती है माँ,
उगँली पकड़कर चलना सिखाती है माँ।
कदम-से कदम मिलाकर चलना सिखाती है माँ,

खुद दु:ख में रोती है पर हमें हँसाती है माँ।
माँ के साथ बाप भी सपनों के शिखर पर ले जाता है,
सपनों को साकार करने में बाप भी अहम भूमिका निभाता है।

साहिल (बी.ए.)

ये दुनिया कहीं नहीं

ये दुनिया आज यहाँ नहीं, कल वहाँ नहीं।
ये दुनिया अब बस कहीं नहीं,
ये दुनिया आज न मंदिर न मस्जिद,

बस कहीं और ही ये दुनिया बसी,
इस दुनिया में आज वो भी और कल मैं भी नहीं,
इस दुनिया में आज अपना ही अपना नहीं बस अकेला हो सही,
ये दुनिया आज यहाँ नहीं कल वहाँ भी नहीं।

साहिल (बी.ए.)

ए उम्र तू बतलादे अब है मुझे जाना कहाँ

मैं जीवन के सफर में पंछी सा भटक हूँ रहा,
आया ऐसा सवाल मन में, कि ये लम्हा थम सा गया,
पूछा दिल ने समय से तेरा ठिकाना है कहाँ,
ए उम्र तू बतलादे अब मुझे जाना है कहाँ,
क्यों इस उम्र की दौड़ में है मुझे सबसे प्यारा लम्हा गवाना पड़ा,
ए उम्र लौटादे मुझे मेरा बचपन था जो सुहाना बड़ा,
कहा गए वे शौंक मेरे वो खिलौनों का पिटारा कहाँ,
ए उम्र तू बतलादे अब है मुझे जाना कहाँ।
उम्र ने कहा-
नादान है तू अभी, इसलिए उम्र के खेल को समझ नहीं पाया,
खुशियाँ केवल बचपन में ही थी, है तू ये ख्याल कहाँ से लाया,
उम्र के हर पड़ाव में समय ने तुझे बहुत कुछ है सिखलाया,
पूरा जीवन है खुशियों से भरा तू क्यों समझ ना पाया,
हर नया सवेरा था बहोत से मौके तेरे लिए लाया,
फिर भी तू इन खुशियों के पिटारे को खोज न पाया,
चल चुन ले अपनी राह देख नया सवेरा है आया
इस जीवन के सफर में सबने बहुत कुछ है पाया।।

खुशबू (बी.ए.-द्वितीय वर्ष)

बेटी

छोटी सी वो गुड़िया, छोटे-से उसके हाथ,

नन्हीं-सी जान वो न करती परेशान,
कहती है, हूँ मैं मेरे बापू की शान।
दु:ख का बादल कब छा जाये, कोई बता नहीं सकता,
छोटी-सी जान के लिए, कब किसकी नियत बदल जाए,
कोई बता नहीं सकता।
छोटी-सी वो परी चलती, अपने सपनों की ओर,
सामाजिकता का पत्थर उसको रोकता चारों ओर,
सपना पूरा होता है उसका, खुश बहुत होती है।
वह संघर्ष कर अपनी, कामयाबी की ओर बढ़ती है,
जो करता न कोई बेटा, बेटी माँ-बाप के लिए वो करती है,
फिर भी न जाने ये दुनिया, बेटी पाने से क्यों डरती हैं।

कामना (बी.ए.-द्वितीय वर्ष)

कलम

वक़्त की सियाही में,
तुम्हारी रोशनी को भरकर
समय की नोक पर रखके
शब्दों के कागज पर
कदम-कदम चलना।

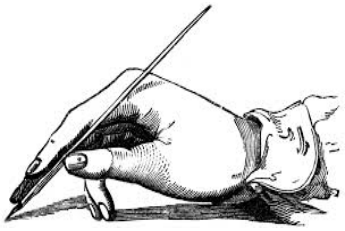

एक नए वज़ूद को,
मेरी कोख़ में रखकर
माहिर है कितना इस कलम का
मेरी उंगलियों से मिलकर
तुम्हारे साथ-साथ यूँ सुलग-सुलग चलना....

इस कलम से जो लिखा है
वह मेरे ही जीवन का अंग है
इसे बार-बार पढ़ना
और पढ़कर फिर से लिखना
मुझे ज़रा अच्छा लगता है।
ए कलम मेरे साथ यू ही चलना है.....

शीतल गड़तान (बी.ए.-द्वितीय वर्ष)

क्या यही वो हिंदुस्तान है?

मत करो हम पर जुल्म इतने,
क्या हम जीने के लायक नहीं?
हर रोज होता अपमान हमारा,
क्या हम इज्जत के लायक नहीं।।
माँ, बहन और बेटियाँ,
घर से निकलने को कतराती।
कई बहनों की 'जिन्दगी' तो,
चार दीवारी में बीत जाती।।
सभी बहनें एक समान,
किसी में कोई भेदभाव नहीं,
जिस संसार में हो अपमान इनका,
वो मानवता का संसार नहीं।।
फिर किस मुँह से कहूँ
भारत हमारा आज़ाद है
जिस देश में होते नारी पर अत्याचार इतने
क्या यही वो हिंदुस्तान है?

अंकित कुमार (बी.ए-चतुर्थ सेमेस्टर)

सपने

छोटी ही सही, पर मुझे मेरी, उड़ान भरने दो।
लड़ाई खुद की है, यह मेरे से, मुझे खुद लड़ने दो।।
ना रोको मुझे, ना कहो मुझे,
कि तू नहीं कर सकती, क्योंकि तू एक नारी है,
मेरे सपने मारकर, मुझे शादी के बंधन,
में बाँधना, क्या समझदारी है।
क्या मान लू पति मेरा देवता, उसकी सेवा मेरा धर्म है,
घूंघट के पीछे रहकर, सब सहना मेरा कर्म है,
हो गई गलती छोटी-सी, मार तो खानी है
बैठकर मुझे किसी ने कोई, बात नहीं समझानी है।
फिर सब सहकर यह सूना, कि यह तो भाग्य की मारी है।
मेरे सपने मारकर, मुझे शादी के बंधन,
में बाँधना, क्या समझदारी है।।
ज्यादा नहीं माँगा बस, मेरे हिस्से का मुझे आसमान चाहिए।
लायक हुँ मैं हर काम के लिए,
तो मुझे बराबर का सम्मान चाहिए।
किया मुझे आजाद मेरे, सपनों के लिए,
तो कहोगे कर गई, सपने पूरे बिटिया हमारी है।
मेरे सपने मारकर, मुझे शादी के बंधन,
में बाँधना, क्या समझदारी है।।

नीरू (बी.ए.-तृतीय वर्ष)

संकल्प

दृढ़ है संकल्प तो विकल्प नहीं ढूढ़ना,
निश्चय जब कर लिया संकल्प नहीं तोड़ना।
खुद पर विश्वास और मन में उमंग हो,
कौशल के साथ अगर साहस का संग हो,
तो किसी भी काम को, अधर में नहीं छोड़ना,
निश्चय जब कर लिया ..... ।

रात्रि एक सुबह के साथ आएगी,
अंधकार चीरकर प्रकाश साथ लायेगी,
ठान लिया एक बार मुहँ नहीं तूँ मोड़ना,
निश्चय जब कर लिया ..... ।

विचार को विचार कर, दृढ़ को दुलार कर,
एकबार थामकर हाथ नहीं छोड़ना,
निश्चय जब कर लिया ..... ।
जीत के लिए संकल्प शुद्ध चाहिए,
आलस प्रमाद के विरूद्ध युद्ध चाहिए,
हारकर किसी से तूँ हाथ नहीं जोड़ना
निश्चय जब कर लिया ..... ।

लीना कांसल (बी.ए.– द्वितीय वर्ष)

वृक्ष की दास्ताँ

आज फिर कोई कुल्हाड़ी चलाने आया है,
अंश हमारा मिटाने आया है।
होता नहीं गुजारा उसका, दी हुई हमारी साँसो से,
हमें काट धन कमाने आया,
आज फिर कोई कुल्हाड़ी चलाने आया है

आया है चलकर तपती धूप में,
प्यास से गला उसका सूखा,
पसीने में धन उसका भीगा,
बैठ मेरे आँचल की छाँव में,
उसने वहीं आराम फरमाया है,
आज फिर कोई कुल्हाड़ी चलाने आया है।
कुछ कर ख्याल इन पक्षियों का,
इन्होंने आँचल में मेरे,
घोंसला अपना बनाया है।
फिर क्यों तू इनको,
'घर' से 'बेघर' करने आया है।
आज फिर कोई कुल्हाड़ी चलाने आया है।
पिलाया नहीं दो बूँद पानी, फिर किस हक से,
हमें अपने संग ले जाने आया है।
आज फिर कोई कुल्हाड़ी चलाने आया है,
अंश हमारा मिटाने आया है,
अंश हमारा मिटाने आया है।।

अंकित कुमार (बी.ए– चतुर्थ सेमेस्टर)

वृक्ष और मैं

वृक्ष और मेरी है एक नई कहानी,
बातें हमारी जैसे हवा सुहानी।
धूप–छाँव जैसी यादें सही,
फिर भी मिलती है बातें कही।।
जैसे पेड़ खड़ा है अपनी जड़ो पर,
मैं भी तो अपने मुल्यों पर अड़ी हूँ।
जैसे पेड़ को मज़बूती देता तना,
मैं भी तो अपने चरित्र से बड़ी हूँ।।
जैसे पेड़ देता है छाया,
मैं भी तो सबको गले लगाती हूँ।
जैसे वृक्ष देता है फल,
मैं भी कुछ अच्छे कर्म कर जाती हूँ।।
पतझड़ में झड़ती हैं जैसे पत्तियाँ,
मैं भी तो मुश्किल में मुरझा जाती हूँ।
बसंत में खिलती है जैसे पत्तियाँ,
मैं भी तो कुछ नया सीख जाती हूँ।।
प्रकृति से बंधी हमारी, एक ही तकदीर,
संघर्ष हमारा, जैसे कठोर लकीर।।

नीरू (बी.ए.– तृतीय वर्ष)

पर क्यों

जंजीर ये समाज की पहनी मैंने, तानों की चोट सही मैंने,
ना अपने मन की कहनी मैंने पर क्यों?
तुम कहते हो तुम सत्ताधारी, मुझे समझते अबला नारी,
फिर तुम बनते अत्याचारी, करके गलत मेरे साथ,
और फिर बना दी मैं बेचारी, पर क्यों?
घर संभालो, बच्चे पालो, पैसे कमाना तुम्हारा काम नहीं।
बेटी हो, पराया धन हो, तुझसे ऊँचा होगा मेरा नाम नहीं।
चुप रहो, सहन करो, तुम्हारी जीत की कोई शाम नहीं,
पर क्यों?
मेरे शौक मेरी इच्छा, मेरी जिन्दगी, मेरी राह,
मेरे सपने, मेरा काम, मेरा रूख, मेरी चाह,
मैं आगे आँऊ तो गुनाह, खामोश रहूँ तभी मिलती पनाह,
पर क्यों?
बहुत हुई तुम्हारी मनमानी, अब मुझे अपनी बात समझानी,
आगे कदम बढ़ाऊगी, खुद को भी अपनाऊँगी,
अब हाँ, अब हाँ ।।

नीरू (बी.ए.– तृतीय वर्ष)

ईमानदारी अभी जिंदा है

एक बार एक सेठ शहर में किसी बड़े जमींदार से मिलने आया। सेठ का मकसद जमींदार से जमीन का एक बड़ा सौदा करना था। ट्रेन से उतर वो एक टैक्सी कर जमींदार के घर को रवाना हो गए। वहाँ पहुँचकर जब उन्होंने जमींदार को पैसे देने के लिए ब्रीफकेस ढूंढा तो ब्रीफकेस वहाँ था ही नहीं। सेठ के चेहरे पर हवाइयाँ उड़ने लगी। तभी टैक्सी चालक वह ब्रीफकेस लेकर सेठ के पास पहुँचा जो वो उसकी टैक्सी में भूल आए थे। सेठ ने टैक्सी चालक से पूछा इसमें कई लाख रुपये थे, कहीं तुम्हारा मन तो नहीं डोला? टैक्सी चालक बोला नहीं, बेईमानी का मौका सबको मिलता है, मैंने इसे नहीं लिया। यदि आज मैं इसे रख लेता तो मेरे कारण सभी टैक्सी चालक बदनाम हो जाते। सेठ को उसकी यह बात छू गई। अंत में सेठ ने उसे इनाम के रूप में कुछ पैसे दिए वा उसकी प्रंशसा की।

कहानी की नैतिक शिक्षा यह है कि हमें ईमानदार रहकर काम करना चाहिए, आगे कहीं ने कहीं हमें इसका फल अवश्य मिलता है।

अंकित कुमार (बी.ए. – द्वितीय वर्ष)

सफल लोगों की चार बातें

जीवन में अच्छे अवसर तो सबके सामने आते हैं, लेकिन उनमें से कुछेक ही सफल हो पाते हैं। क्या आप जानना नहीं चाहेंगे कि ऐसा क्यों होता हैं? वो कौन-सी बातें हैं, जो वास्तव में उन्हें दूसरों से अलग करती है। आइए नजर डालते हैं सफल लोगों की कुछ अच्छी आदतों पर-

- **जल्दी जागना –**

सफल लोग, सुबह जल्दी जागने का अभ्यास करते हैं, ताकि वे अपनी सुबह के घंटों का और अधिक उत्पादकता से इस्तेमाल कर सकें। जल्दी जागने से आपको अपने दिन की शुरुआत करने और महत्वपूर्ण कार्यो को पूरा करने के लिए अधिक समय मिलता है। असल में जब आप जल्दी उठते हैं, तो आपको उन चीजों को करने के लिए अधिक समय मिलता है, जो आप शायद करना चाहते हैं, लेकिन समय की कमी के कारण असमर्थ हैं। जल्दी उठने से आपको अपने दिन को व्यवस्थित करने और अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए एक स्पष्ट, योजना बनाने में मदद मिलती है। जल्दी उठने से आपको अपने विचारों को स्पष्ट करने और अपने लक्ष्यों पर ध्यान केंद्रित करने में मदद मिलती है। जल्दी उठने से आपको व्यायाम करने और स्वस्थ आदतें विकसित करने के लिए अधिक समय मिलता है। आप अपने शरीर व दिमाग के लिए स्वस्थ गतिविधियों से जुड़ सकते हैं। जल्दी उठने से तनाव को कम करने में मदद मिलती हैं। जल्दी उठने से एकाग्रता बढ़ती है।

- **कल्पना शक्ति का उपयोग –**

सफल लोगों को पता है कि वे अपनी कल्पना का उपयोग भविष्य बनाने के लिए कैसे कर सकते हैं बजाय इसके कि वे उन चीजों के बारे में सोचें और कल्पना करें, जो वे नहीं चाहते हैं। कल्पना शक्ति लोगों को नए विचारों और समाधानों को विकसित करने में मदद करती है, जो नवाचार और रचनात्मकता को बढ़ावा देती है। कल्पना करना, तेजी से किसी व्यक्ति की उपलब्धि और सफलता को बढ़ा सकता है यदि वह सुबह में कुछ मिनटों के लिए या बिस्तर पर जाने से पहले अपने सपने या इच्छा की कल्पना करने के लिए तैयार है। ऐसा करने का एक शक्तिशाली तरीका यह है कि मन को किसी उच्चतम लक्ष्य और इरादों की उपलब्धि की मजबूत तस्वीरों को रोजाना दिखाया जाए। ऐसा करके

अगर आप मन को प्रशिक्षित करें तो यह आपको वह सफलता दिलाएगा जो आप चाहते हैं। कल्पना शक्ति लोगों को जटिल समस्याओं का समाधान करने और नए अवसरों को पहचानने में मदद करती है। कल्पना शक्ति लोगों को अपने लक्ष्यों को को प्राप्त करने के लिए आत्मविश्वास और प्रेरणा प्रदान करती है।

- **मानसिक समृद्धि के प्रयास –**

टी.वी. देखने, सोशल मीडिया पर लगातार स्क्रोल करते हुए समय बर्बाद करने या काम टालते रहने के बजाय सफल लोग अपना समय ज्ञान और जुनून बढ़ाने वाली चीजों के बारे में पढ़ने और समझने में अधिक व्यतीत करते हैं। वे उन पुस्तकों और पत्रिकाओं को पढ़ना चुनते हैं, जो उनके जीवन को समृद्ध करते हैं, उनके आत्मविश्वास को बढ़ाते हैं, उन्हें बड़ा सोचने के लिए प्रेरित करते हैं और उन्हें अपने सपनों को वास्तविकता बनाने के लिए प्रेरित करते हैं। मानसिक समृद्धि के प्रयास लोगों को सकारात्मक संबंध बनाने और समृद्धि के बनाने और बनाए रखने में मदद करते हैं। चाहे आप पत्र-पत्रिकाएं, ब्लॉग या किताबें पढें। ये सारी चीजें हमारे, जीवन में आदर्श मूल्य ही जोड़ने का काम करते हैं।

- **ध्यान में बैठना –**

सफल लोग मौन में बैठने के लिए समय निकालते है। शांत हो जाना, मौन में अकेले समय बिताना खुद से जुड़ना हमारे शरीर, मन और समग्र दृष्टिकोण पर बहुत सकारात्मक प्रभाव डालता है। ध्यान से तनाव को कम करने में मदद मिलती है। ध्यान में अपने विचारों के साथ अकेले होने से आप मन की स्पष्टता, एकाग्रता, आत्मविश्वास व शांति ला सकते हैं, जो हमें हमारे काम को अधिक कुशलतापूर्वक और प्रभावी ढंग से करने में मदद करते हैं। एकाग्रता और ध्यान केंद्रित करने की क्षमता में सुधार होता है, जिससे लोग अपने काम में अधिक उत्पादक हो सकते हैं।

ईशिका गड़तान (बी.ए. – द्वितीय वर्ष)

जीवन का आदर्श

लोग प्राय: अपनी जिज्ञासा लेकर संत कबीर के पास आया करते थे। एक बार एक व्यक्ति ने कबीर से पूछा 'कि मैं गृहस्थ बंनू या संन्यासी'? कबीर ने कहा-'जो भी बनो आदर्श बनो, उसे पूरी तरह प्राप्त करने का प्रयास करो। कबीर ने अपनी पत्नी को बुलाया। दोपहर का समय था, पर फिर भी उन्होंने एक दीपक जलाकर लाने को कहा। पत्नी दीपक को वहाँ रखकर चली गई। कबीर ने उस व्यक्ति से कहा, 'अगर गृहस्थ बनना है तो एक दूसरे पर विश्वास रखना होगा'। फिर कबीर उसे एक टीले पर ले गए जहाँ एक वृद्ध महात्मा रहते थे। कबीर ने महात्मा से पूछा, महात्मा जी आपकी आयु कितनी है? महात्मा बोले-अस्सी वर्ष। फिर कबीर ने पूछा 'महात्मा जी आप अपनी आयु क्यों नहीं बता रहे? महात्मा ने कहा कि मैंने अभी तो बताई-अस्सी वर्ष। कबीर उस जिज्ञासु व्यक्ति के साथ टीले से नीचे उतर आए। उन्होंने महात्मा को पुकारा और उन्हें नीचे आने को कहा। महात्मा जी हांफते-हांफते नीचे आ गए। उन्होंने नीचे बुलाने का कारण पूछा तो कबीर बोले 'आपकी आयु कितनी है'? महात्मा के चेहरे पर कोई भाव नहीं आया। उन्होंने बड़े सहज भाव से कहा-अस्सी वर्ष। कबीर ने उस जिज्ञासु से कहा संन्यासी बनना हो तो ऐसा ही बनना। तुम्हें कभी क्रोध न आए।

चिराग मेहरा (बी.ए. – द्वितीय वर्ष)

ENGLISH SECTION

Staff Editor
Dr. Mona Batra, Dr. Nutan Garg

Student Editor
Rupanshi (M.A.-Final)

Content

Sr. N.	Title	Author	Pg. No.
1.	Editorial	Dr. Mona Batra Associate Professor of English	3
2.	Editorial	Dr. Nutan Garg	4
3.	Role of Communication in Carrier Advancement	Rupanshi (M.A-Final) (Student Editor)	5
4.	Educating a Girl : Educating the whole Family	Pooja (M.A -English P)	6
5.	Politics And Role Of Youth In Politics	Samiksha (M.A- English P)	7
6.	Technology: A Boon or a Bane	Aishav (B.A-1)	8
7.	Students and Politics	Aarti (M.A-Previous)	8
8.	A Disciplined Mind Brings Happiness	Varsha Panchal (M.A-English)	9
9.	Value of Time & Time Management	Nootan Anand (M.A-English	10
10.	Importance of Literacy in Life	Ritika Kajal (M.A-Previous)	11
11.	Education Brings Peace	Rakhi Bhardhwaj (M.A.-Previous)	11
12.	Value of Books in the Modern Times under the Impact of Social Media	Anjly (M.A.-English)	12

Editorial

I It gives me immense pleasure to present the English section of this year's college magazine–an anthology of voices, thoughts, and dreams penned by students who dared to express themselves. In an age where distractions are many and attention spans short, the ability to pause and reflect through words is a quiet rebellion–and one worth celebrating.

Language is more than communication; it is power, connection, and identity. The pieces you'll find in these pages–stories, poems, essays, and reflections–are not just creative expressions but mirrors of our collective experiences. They speak of youth and resilience, of questions and discovery. Each line holds the energy of classrooms, corridors, and the quiet corners where thoughts take shape.

This section stands as a testament to the vibrant imagination and intellect that thrives within our campus. To all the contributors–thank you for lending your voices. To our readers–may you find moments of joy, insight, and inspiration as you turn these pages.

Let us continue to read, write, and above all, think.

Happy reading!

Dr. Mona Batra

Associate Professor of English

Editorial

All human beings in this world crave for happiness in life. There are several theories of happiness prevailing around us elaborating this concept. Whereas, some people assume that working hard for any stipulated goal and achieving finally gives you a lot of happiness, others are of the opinion that a decent job with a decent salary where you have a good boss and supportive colleagues would obviously give you happiness. On the other hand, as we grow older, we presume that having a good soulmate and obedient children are enough to spread happiness in our lives.

However, it is observed that with the passage of time and age, we realize that none of the above factors is a real source of happiness. Despite having luxurious life style and a cooperative family, we can be seen lost in a pool of sadness, as we don't enjoy these things any longer. So, eventually it makes us ponder what the true happiness actually means.

In different scriptures available worldwide, it has been discussed that even a person who has no physical or momentary gains in life and has never enjoyed luxury can stay happy if his state of mind is in control and he has limited desires or expectations in life. So, it is a self-made attitude or one's state of mind that plays an important role in making a person contented or happy.

Secondly, helping others in need without any expectations in return releases Dopamine hormone in our body which makes us feel happy from inside. Unfortunately, the people in this world are self-centred and remain busy in fulfilling their own needs only. If we pledge to serve others and contribute something for any noble cause in society by volunteering our services, nobody can stop us from being happy. We have a recent example of ISRO chief Sh. S. Somnath, who is known for donating his award money in helping others. Buddha has also stated that expectations are the cause of sufferings. Let's have fewer and fewer expectations from others whether they are our friends or family, and keep doing our duties selflessly.

Therefore, while getting education in this temple of knowledge, one might face many ups and downs resulting in acute sad moments, but one needs to inculcate the idea that happiness is in one's own control of mind i.e. it is a state of mind created by you. Life is a long journey and numerous challenges would come in front of an individual while going through it. However, success and failures are not the true measurements of one's achievements. Charles R. Swindoll hasrighly said, "Life is 10% what happens to you and 90% how you react to it." So, Let's take it easy and stay happy as far as we can by leaving behind our expectations and by extending help to others with love and concern. Because "all the tools you need to be happy are already within you".

Dr. Nutan Garg

ROLE OF COMMUNICATION IN CAREER ADVANCEMENT

"Communication is the solvent of all problems and is the foundation for personal development."

Good communication skills are highly valued in the job market and can open doors to new opportunities. Active communication is crucial for inspiring and motivating others, resolving conflicts, and fostering a positive team environment. The importance of good communication skills can be defined as follows:

- **Build Strong Relationships:** Effective communication helps in building strong, productive relationships with colleagues, clients, and stakeholders.
- **Foster a Positive Work Environment:** Good communication contributes to a collaborative environment, boosting team morale and productivity.
- **Overcome Impostor Syndrome:** By communicating confidently and effectively, one can overcome self-doubt and build belief in their abilities.

- **Improve Networking Skills:** Good communication aids in building and maintaining a strong professional network.
- **Boost Career Development:** Effective communication enhances performance, visibility, and reputation, increasing chances for advancement and promotion.
- **Practice Active Listening:** Active listening involves fully focusing on the speaker, understanding their message, responding appropriately, and retaining what was said.
- **Use Clear, Concise Language:** This helps prevent misunderstandings and ensures your message is understood.
- **Public Speaking:** A common fear, but with training and practice, anyone can become a confident public speaker.
- **Prepare for Communication:** Preparation helps build confidence and ensures effective participation in meetings and presentations.

Therefore, good communication and influencing skills are crucial for persuading others, driving change, and achieving business success. As Paul J. Meyer rightly said:

"Communication – the human connection – is the key to personal and career success."

Rupanshi (M.A.-Final)

(Student Editor)

EDUCATING A GIRL: EDUCATING THE WHOLE FAMILY

"If we educate a man, we educate a man only; but if we educate a woman, we educate the whole family." Education plays a major role in the social and economic growth of a nation. A country can truly be considered educated only when its entire population receives education. While many still believe that men contribute more to society, women are now sharing equal responsibilities in every field.

Thus, female education is vital for a country's all-round development. For democracy to thrive, women must be educated–they are the real builders of happy homes. Women are the first teachers of their children, imparting foundational values and lessons. If mothers are educated, they are better equipped to nurture, guide, and inspire their children.

Napoleon once said, "Nation's progress is impossible without trained and educated mothers. If the women of my country are not educated, about half of the people will remain ignorant." Education empowers women intellectually, socially, and emotionally, enabling them to meet daily challenges, reduce societal inequalities, and improve health outcomes such as lower child and maternal mortality.

Despite these benefits, female education is still neglected in many parts of India due to deep-rooted societal issues like dowry, child marriage, caste barriers, and patriarchal norms. In rural areas, girls are often viewed as 'paraya dhan'—belonging to another family after marriage—and investing in their education is seen as wasteful.

Other barriers include caste discrimination, where lower caste girls are excluded from schools. The literacy gap between men and women is significant, though states like Kerala and Mizoram lead with female literacy rates of 95.2% and 89.4% respectively, thanks to progressive government policies.

The Indian government has launched several initiatives to promote female education:

- Sakshar Bharat Mission (2008): Promotes adult literacy among women.
- Kasturba Gandhi Balika Vidyalaya: Residential schools for underprivileged girls.
- Ladli Scheme: Improves the status of the girl child within the family.
- Beti Bachao, Beti Padhao (2015): Aims to educate and empower the girl child.
- Sukanya Samriddhi Yojana (2015): A savings scheme to fund girls' higher education and marriage.

Educated girls can shoulder any responsibility. Icons like Kalpana Chawla, Kiran Bedi, and Sushma Swaraj exemplify the heights women can achieve when empowered through education. An educated girl ensures a brighter, more virtuous, and progressive future generation.

As Swami Vivekananda rightly said, "Educate your women first and leave them to themselves; they will tell you what reforms are needed."

Pooja (M.A. English Previous)

POLITICS AND ROLE OF YOUTH IN POLITICS

When we hear the term politics, we usually think of the government, politicians and political parties. For a country to have an organized government and work as per specific guidelines, we require a certain organization. This is where politics comes in, as it essentially forms the government. Every country, group, and organization uses politics to implement various ways to organise their events, prospects, and more.

Our youth and politics are two concepts that have a long-standing relationship. Students have always been an integral part of political movements and have contributed significantly to social change. They have played a crucial role in shaping political discourse. However, the involvement of students in politics is a topic of debate, and there are many opinions on it.

On the one hand, there are those who argue that students should not be involved in politics as it may disrupt their academic pursuits. They believe that politics is a complex field that requires expertise. Students should focus on their studies rather than engage in political activities. They also argue that students' involvement in politics may lead to radicalisation.

On the other hand, there are those who believe that students' involvement in politics is essential for the betterment of society. They argue that students bring fresh perspectives and ideas to the table and have the energy and passion to advocate for change. By participating in political activities, students learn about democracy and become aware of their rights and responsibilities as citizens. They also become more politically aware and are better equipped to make informed decisions.

If we look at the scenario of Indian elections, any random person with enough power and money can contest elections. They just need to be a citizen of the country and should be at least 25 years old. There are a few other basic eligibility criteria which are relatively easy to meet.

The most concerning aspect is that contesting elections does not require any minimum educational qualification. As a result, many uneducated and undeserving candidates gain power and often misuse it. A country with uneducated ministers cannot truly progress.

We need educated ministers in the government who can effectively manage national affairs. They must be well-qualified to handle the enormous responsibility of running an entire nation.

In short, we must save our country from corrupt and uneducated politicians who act like parasites, draining the nation's development and resources. All of us must unite to break this vicious cycle and work towards a prosperous future for our country.

Samiksha (M.A. English P)

TECHNOLOGY: A BOON OR A BANE

T Technology is a fascinating and powerful concept that has completely transformed our lives. It is remarkable how many challenging tasks have become easier thanks to technological advancements. One of its greatest benefits is the amount of time it saves—time that can be utilised productively elsewhere. With just one click, we can access real-time information about global events, all due to technology.

However, the rise of technology has also brought several drawbacks. For instance, the introduction of automation and artificial intelligence in various industries has led to job displacement. Many workers have become redundant due to technology's speed, efficiency, and cost-effectiveness.

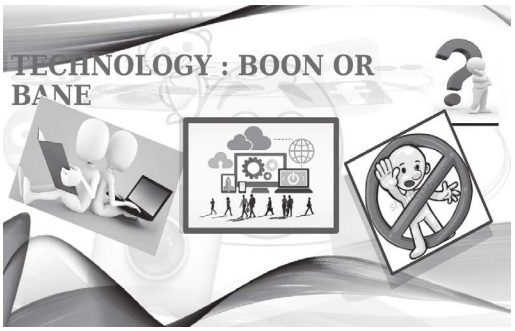

Technology offers new opportunities, particularly for individuals who may not have had access to traditional forms of education. Still, it has a darker side. Excessive use of technology has been linked to mental health issues such as anxiety, depression, and sleep disorders. Overexposure to screens also affects physical health and can alter children's behaviour.

Although we cannot and should not ban technology altogether, we must set boundaries—especially for children. Balanced usage can help us benefit from technology while avoiding its negative consequences. Even prominent voices like Facebook CEO Mark Zuckerberg have expressed concerns about the potential dangers of AI for future generations.

Therefore, we must use technology judiciously. Let us embrace its positive aspects while guarding ourselves against its misuse.

Aishav (B.A-1)

STUDENTS AND POLITICS

Students of today are the future guardians of our nation. They are the moulders and builders of tomorrow's India. Political awareness is, therefore, an indispensable factor in shaping their development, as students are one of the key pillars of democracy.

Critics argue that politics is a 'dirty game' and that student involvement would jeopardise their academic future. According to them, politics interferes with studies and distracts students from learning.

However, supporters assert that education is more than mere literacy. It involves holistic personality development. Awareness of current events at national and international levels fosters leadership qualities in students. Participation in politics trains students to become responsible citizens. It instils democratic values, cultivates patriotism, and provides real-world experience in leadership. It helps shape more cultured, informed, and active members of society.

Needless to say, students should maintain a balanced approach between politics and academics to achieve the best in both realms.

Aarti (M.A.-Previous)

CULTURAL ACTIVITIES

Presentation of folk song in Kala Sangam 2024

Chief Guest Shri Dharampal Gonder, MLA Nilokheri addressing students

Chief Guest Dr. Anuradha Punia (Retd. Principal) distributing prizes to the winners of Kala Sangam Cultural Program on 11-02-2025

Chief Guest Dr. Praveen Bhardwaj (Retd. Principal) distributing prizes to the students during Talent Search Competition on 14-02-2024

Instrument playing Competition during Talent Search Program on 13-09-2024

MLA Sh. Dharampal Gonder distributing prizes during Kala Sangam on 17-02-2024.

Students performing during Kala Sangam Cultural Program on 17-02-2024

Students performing during Kala Sangam Cultural Program on 17-02-2024

Students performing during Kala Sangam Cultural Program on 11-02-2025

Mayor Smt. Renu Bala Gupta & MC Smt. Megha Bhandari as Chief Guests during Talent Search Competition on 09-09-2023

ANNUAL ATHLETIC MEET

2023-2024

Dr. Rekha Sharma (H.E.S.-1) Chief Guest in Opening Ceremony.
Dr. Rekha Tyagi (H.E.S -1) Chief Guest in Closing Ceremony

2024-2025

Dr. (Major) Anita Joon Chief Guest in Opening Ceremony.
Dr. Satish Bhardwaj Deputy Director (Sports) Higher Education Haryana Panchkula
Chief Guest in Closing Ceremony.

OTHER (MAJOR ACTIVITIES OF THE COLLEGE)

NATIONAL SERVICE SCHEME ACTIVITIES

International Nurses Day on 08/05/2025

World Earth Day on 22/04/2025

Anti Terrorism Day on 21/05/2025

Visit to Nasha Mukti Kendra Shahabad on 24/06/2025 Anti Drug Abuse Day

Plantation on World Environment Day on 06/06/2025

Yoga Day on 21/06/2025

Visit to MDD Bal Bhawan on World Day Against Child Labour on 15/06/2025

Showing documentary on Mother Taresa on International Nurses Day

A DISCIPLINED MIND BRINGS HAPPINESS

"Discipline is choosing between what you want now, and what you want most." – *Abraham Lincoln*

According to the Dalai Lama, "A disciplined mind leads to happiness, while an undisciplined mind leads to suffering." Self-discipline helps individuals achieve their goals, make better decisions, and build habits that lead to long-term success. It provides a sense of control over one's life, resulting in greater contentment and satisfaction.

"Discipline not only determines success but also how long you can remain successful."

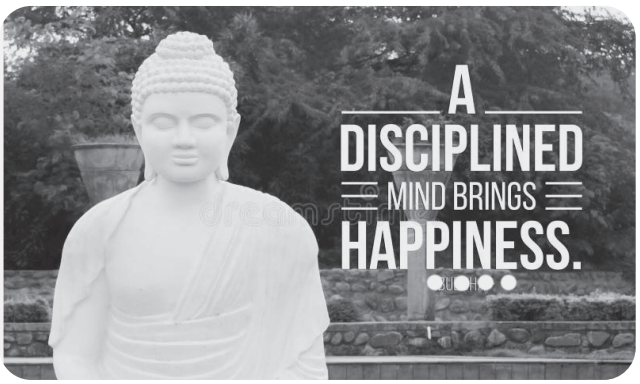

Self-discipline and happiness often seem contradictory. Discipline suggests work and effort, whereas happiness is typically associated with pleasure and ease. However, many misunderstand the essence of happiness. True happiness is not the absence of work, but the absence of: guilt, shame, regret, anger, resentment, frustration, sadness, self-doubt, fear, stress, anxiety, loneliness, and other negative emotions.

Momentary gratification from idleness may offer fleeting pleasure, but the absence of discipline ultimately leads to persistent dissatisfaction.

Why is discipline important?

Discipline allows us to act according to principles rather than impulses. It teaches us to say no to desires that do not serve our long-term goals, thereby allowing truth, virtue, and integrity to guide our decisions. Far from being a restriction, discipline is a path to freedom and fulfilment. Here's how a disciplined mind contributes to happiness:

- Goal Setting: Helps in setting and pursuing meaningful goals.
- Overcoming Challenges: Builds resilience and focus.
- Avoiding Chaos: Prevents emotional turbulence by creating order.
- Building Habits: Establishes habits necessary for success.
- Reducing Unhealthy Desires: Promotes virtuous living.

Tullio Siragusa also notes that disciplined individuals are more likely to achieve their goals, which boosts confidence and contentment. He further adds that discipline helps avoid unnecessary stress and enhances overall happiness.

"True freedom is impossible without a mind made free by discipline." – *Mortimer J. Adler*

Varsha Panchal (M.A.-English)

VALUE OF TIME & TIME MANAGEMENT

Time management refers to the efficient use of one's time to maximise productivity. Although it may appear simple, it requires consistent effort and planning. A person who manages their time well is capable of achieving almost everything in life. The first step towards success is mastering time management.

- **Time Management in Various Fields:** Time management is essential across all areas of life—whether one is a student, homemaker, or businessperson.
- **Importance for College Students:** College students juggle academic responsibilities, sports, self-study, and extracurricular activities. Without effective time management, they cannot perform efficiently in any area.
- **Importance for Business Professionals:** Entrepreneurs, being their own bosses, bear the full responsibility of managing their ventures. Time must be streamlined and tasks well-scheduled to ensure efficiency and growth.
- **Importance for Homemakers:** Homemakers face countless daily tasks. Without proper time management, they may feel overwhelmed and exhausted. Creating a task inventory at the start of the month and categorising tasks can bring order and satisfaction to their routines.
- **Importance for Working Professionals:** In a competitive work environment, professionals are expected to deliver results efficiently. Proper scheduling helps them maximise productivity and maintain a positive image.
- **General Tips for Effective Time Management:**
  1. Prioritise essential tasks.
  2. Complete important assignments first.
  3. Maintain full focus on current work.
  4. Learn to say no to distractions.
  5. Minimise phone use during work.
  6. Ensure 7–8 hours of sleep.
  7. Eat healthily and exercise regularly.

Conclusion: Though challenging, efficient time management is essential to harnessing one's full potential and achieving the best outcomes from hard work.

Nootan Anand (M.A.-English)

IMPORTANCE OF LITERACY IN LIFE

"Wear the old coat and buy the new book." – Austin Phelps

"Literacy is a bridge from misery to hope." – Kofi Annan

The word 'literacy' means creating thoughts. Its importance lies in the way it opens up the world to both readers and writers. Through literacy, we can shape our thinking, reflect on various subjects, and express our original ideas. The vivid expressions used in writing enable readers to visualise ideas through their imagination.

Malcolm X, in his piece 'Literacy Behind Bars', recounts how the world opened up to him through reading and how his life transformed after learning to read and write in prison.

Being 'literate' does not only mean understanding how to read and write. It also means taking full advantage of the knowledge available to us. The ability to understand, interpret, and act upon what we read and hear is a powerful outcome of literacy. It is essential for our personal growth and the challenges we face in life. Everything depends on the skills and knowledge we acquire.

Key reasons why literacy is important:

- **Communication :** Helps individuals communicate effectively from an early age.
- **Education :** Essential for academic success, which involves reading, writing, speaking, and listening.
- **Job Opportunities :** Increases the likelihood of employment and career advancement.
- **Awareness of Rights :** Empowers individuals to learn about and advocate for their rights.
- **Reducing Inequality :** Helps reduce inequality based on gender, caste, or religion.

Literacy is empowering and liberating. Beyond being a fundamental right, it expands capabilities, reduces poverty, improves health outcomes, and fosters sustainable development.

"Live as if you were to die tomorrow. Learn as if you were to live forever." – *Mahatma Gandhi*

Ritika Kajal (M.A.-Previous)

EDUCATION BRINGS PEACE

"Education is the most powerful weapon which you can use to change the world."

Lasting peace cannot be achieved without education. Education nurtures psychosocial and cognitive development and changes behaviour for the better. It is the process of acquiring values, knowledge, attitudes, and skills to live in harmony with oneself, others, and the environment.

Numerous UN declarations and resolutions affirm the role of education in promoting peace. Education empowers learners with the skills and values needed to become agents of peace. Social and emotional learning is one of the most effective methods for peace education.

As the 'New York Times' notes, classrooms that prioritise social and emotional development create a culture of peace. We all remember teachers who went beyond academics to teach moral values. Initially, such classes may have seemed tedious, but eventually they became meaningful and influential.

"No Development Without Peace:"

Without peace, educational and healthcare systems collapse, infrastructure breaks down, and development halts. Peace frees up both financial and human resources, redirecting them from controlling violence to building progress. Therefore, education must instil a sense of peace and harmony among learners.

Rakhi Bhardhwaj (M.A.-Previous)

VALUE OF BOOKS IN THE MODERN TIMES UNDER THE IMPACT OF SOCIAL MEDIA

"Books give a soul to the universe, wings to the mind, flight to the imagination, and life to everything." Books play a vital role in everyone's life. They open the world of imagination, build confidence, help us grow emotionally and mentally, and provide a broader perspective on the world. They teach us life lessons—about love, fear, hardship, and everything in between. Books preserve history, culture, and wisdom accumulated over generations.

Ernest Hemingway once said, "There is no friend as loyal as a book." For many, books defined childhood. Stories like *Famous Five*, *Amar Chitra Katha*, *Nancy Drew*, and *Harry Potter* offered magical worlds where readers could disappear for hours.

However, that world is fading. Digital distractions—especially social media—have made it difficult for people to concentrate on reading books. A study showed most students couldn't go 15 minutes on an assignment without checking their phones.

Though we read constantly—news alerts, emails, tweets, messages—it isn't deep reading. Book reading requires immersion and contemplation.

Walt Disney once said, "There is more treasure in books than in all the pirate's loot on Treasure Island." Francis Bacon in *Of Studies* highlighted how books enhance our judgement and provide substance for thought and conversation.

Bhagat Singh, a revolutionary and voracious reader, credited books as his greatest influence. He saw them not only as educational tools, but as weapons of ideological resistance.

In the 2011 film *Detachment*, teacher Henry Barthes warns of society's obsession with beauty, popularity, and perfection—a marketing holocaust, he called it. His advice? Read books to resist this dullness. Stimulate imagination, build consciousness, develop an authentic belief system.

IAS officer Pooja Elangbam launched 'Book Club Imphal' in 2019 to help youth escape destructive habits through literature. Her aim: make learning fun and transformative.
In today's fast-paced world, lack of reading is affecting youth's intellectual development. Reading enriches the soul and nurtures critical thinking.

"Today a reader, tomorrow a leader." – *Margaret Fuller*

Anjly (M.A.-English)

संस्कृत अनुभाग

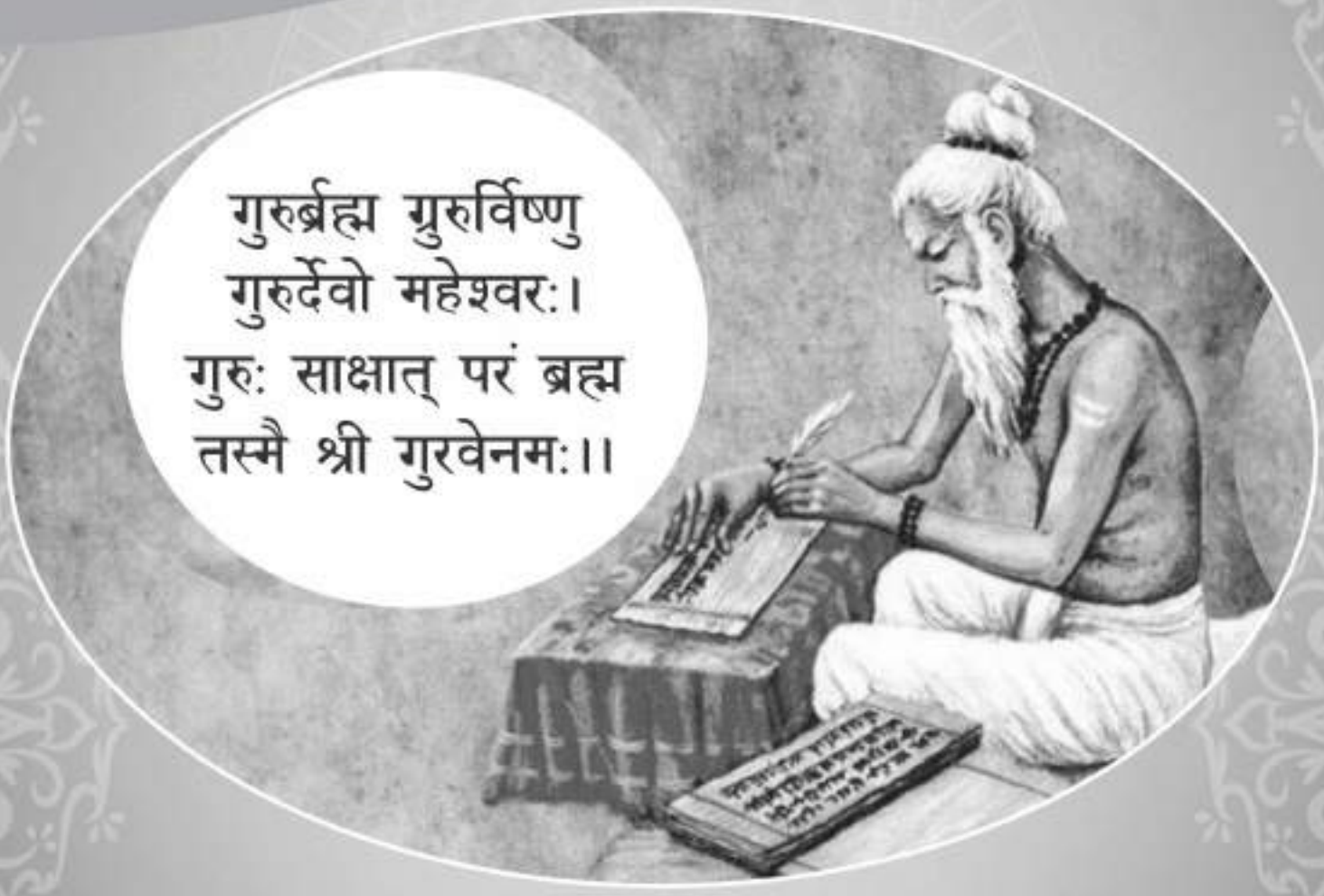

सम्पादकीयम्
संजीव कुमारः (सहायक – आचार्यः)

छात्र – सम्पादकः
लवेश मदान (बी.एस.सी – द्वितीयः वर्षः)

अनुक्रमणिका

क्र.सं.	रचना	रचयिता	पृ०सं०
1.	सम्पादकीयम्	संजीव कुमारः (सहायक आचार्यः – संस्कृत विभाग)	3
2.	संस्कृतभाषायाः महत्वम्	छात्र सम्पादकः – लवेश मदान (बी.एस.सी. – द्वितीयः वर्षः)	3
3.	वातावरणम्	एकता (बी.ए. – तृतीयः वर्षः)	4
4.	प्रेरणाप्रदाः श्लोकाः	सिमरन (बी.ए. – तृतीयः वर्षः)	4
5.	विद्यार्थी जीवनम्	प्रींस (बी.ए. – द्वितीयः वर्षः)	4
6.	हास्यम्	गौरवः (बी.सी.ए. – द्वितीयः वर्षः)	4
7.	अस्माकं देशः	सुनील दत्तः (बी.ए. – द्वितीयः वर्षः)	5
8.	सत्संगतिः	महादेवः (बी.ए. – तृतीयः वर्षः)	5
9.	पुस्तकालयः	सुनील दत्तः (बी.ए. – द्वितीयः वर्षः)	5
10.	गंगानदी	गौरवः (बी.ए. – तृतीयः वर्षः)	5
11.	सदाचारः	सपना (बी.ए. – द्वितीयः वर्षः)	6
12.	श्रीमद्भगवद्गीता	प्रतिक्षा (बी.ए. – तृतीयः वर्षः)	6
13.	दूरदर्शनम्	सुनैना (बी.ए. – तृतीय वर्षः)	6
14.	देशभक्तिः	कर्णः (बी.ए. – तृतीयः वर्षः)	6
15.	जलमेव जीवनम्	नरेन्द्रः (बी.ए. – तृतीयः वर्षः)	7
16.	मम् मित्रम्	पायल शर्मा (बी.ए. – द्वितीयः वर्षः)	7
17.	न मातुः परदैवतम्	अनु (बी.ए. – तृतीयः वर्षः)	7
18.	ग्राम्य जीवनम्	हिमांशु (बी.सी.ए. – द्वितीयः वर्षः)	7
19.	अनुशासनम्	यशिका (बी.ए. – प्रथमः वर्षः)	7
20.	देश – भ्रमणम्	प्रियम्बदा (बी.ए. – प्रथमः वर्षः)	8
21.	आशावादः	कोमल शर्मा (बी.ए. – प्रथमः वर्षः)	8
22.	भाषिकैकता	तनुश्री (बी.ए. – प्रथमः वर्षः)	8
23.	सज्जनानां व्यवहारः	(बी.सी.ए. – द्वितीयः वर्षः)	8
24.	पक्षिणः	कर्म सिंह (बी.ए. – द्वितीयः वर्षः)	8
25.	वानरस्य चातुर्यम्	निखिल (बी.सी.ए. – द्वितीयः वर्षः)	8

सम्पादकीयम्

सर्वप्रथमं **'रवि तेज'** पत्रिकायाः प्रकाशनार्थं सर्वेभ्यः छात्रेभ्यः अभिनन्दनानि शुभकामनाश्च तथा च तेभ्यः नूतनलेखकेभ्यः विशेषतया अभिनन्दनानि येषां लेखनकार्यं अस्यां पत्रिकायां प्रकाशितम्।

सभ्यतायाः संस्कृतेश्च सम्यक् प्रसाराय विकासाय च व्यक्तिगत-समाजिकराष्ट्रीय-प्रगतये शिक्षा सर्वथा आवश्यकी अस्ति। अस्य संसारस्य भौतिक उन्नति-द्वारा सष्टेः जीवनस्य च ग्रन्थिनिराकरणं ज्ञानप्रकाशस्य प्रसारणं च मानव-जीवनस्य सर्वोच्चं लक्ष्यम् अस्ति। प्राचीनभारतीय-ऋषिभिः एतत् तथ्यं सुष्ठु अवगतम् आसीत् अतः एव सुदूर कालेऽपि भारते शोभनीया शिक्षा-व्यवस्था दृश्यते। प्राचीन शिक्षाव्यवस्था कारणात् भारतस्य सम्पूर्ण प्राचीनं विशालं च सहित्यं एतावत् सुरक्षितं समृद्धं च तिष्ठितुं शक्नोति स्म भारतीयः मानवः च सुसंस्कृतः भावितुम् अर्हति स्म।

'शिक्ष्यते विद्योपदीयतेऽनया इति शिक्षा' अनेन व्युत्पत्त्यर्थेन जगतः कस्यापि क्षेत्रस्य ज्ञानं प्राप्तुं शिक्षा एव एकमात्रं साधनम् अस्ति। अज्ञानस्य निराकरणं ज्ञाने निहितम् अस्ति। अविद्याकारणात् उत्पद्यमानानां विनाशकारी प्रवृत्तिभ्यः रक्षणं कुर्वन् ज्ञानजनितानां ऊर्ध्वगामी प्रवृत्तीनां प्रति यः दीर्घकालीनः सत्रः चालयति सा शिक्षा इति कथ्यते। शिक्षाद्वारा एवं कस्यचित् व्यक्तेः, समाजस्य, राष्ट्रस्य या सहजं मौलिकस्वभावस्य उद्भवः सम्भवति। यथा खनिजग्रहणात् निष्पन्नः खनिजहीरकशिला सम्यक् छिन्नमात्रेण बहुमूल्यं हीरकं भवति, तथैव जड़ अज्ञः अपि शिक्षा द्वारा पारिष्कृतः संस्कृतः च भूत्वा आदरणीयः भवति। संक्षेपेण शिक्षाद्वारा एव मनुष्ये मानवता प्रविष्टा भवति।

संजीव कुमारः
सहायक आचार्यः (संस्कृत विभाग)

संस्कृतभाषायाः महत्वम्

अस्मिन् संसारे अधुना अनेकाः भाषाः प्रचलिता सन्ति। तासु भाषासु संस्कृत-भाषा प्राचीनतमा प्रमुखतमा सर्वोत्तमा च वर्तते। इयमेव देशस्य-विदेशस्य च सर्वासां भाषाणां जननी वर्तते। भारतवर्षस्य पालि-प्राकृत-अपभ्रेशादयः भाषाः संस्कृततात् एव निसृताः सन्ति। एताः संस्कृतस्य पुत्र्यः सन्ति। हिन्दी-बंगाली-गुजराती-मराठी-कन्नड-तेलुगु-तमिल-इत्यादीनां आधुनिक-भाषाणां सम्बन्धः संस्कृतभाषया सह वर्तते। यतः तेषां विकासः संस्कृतात् एव अभवत्। भारतवर्षस्य प्राचीनग्रन्थाः वेदाः, गीता, रामायणम्, महाभारतम् इत्यादयः अस्यां भाषायां एव रचिताः। कालिदास-भारवि-हर्षादयः महाकाव्यकर्तारः, अम्बिकादत्तव्यासादयः गद्याकाराः संस्कृतभाषायां लिखितवन्तः। अस्यां भाषायां एव भारतवर्षस्य विभिन्न-धार्मिक उपदेशाः, विशाल-साहित्यं, दार्शनिक-सिद्धान्ताः, प्राचीन-इतिहासश्च सुरक्षिताः सन्ति। आदर्श-सूक्तयः अस्यां भाषायामेव वर्तन्ते। यथा-'शरीरमाद्यं खलु धर्मसाधनम्', 'परोपकाराय सतां विभूतयः' जननी जन्मभूमिश्य स्वर्गादपि गरीयसी, 'विद्याविहीनः पशुः' 'सत्यमेव जयते-नानृतम्' 'अहिंसा परमो धर्मः इत्यादयः।

प्राचीनकाले एषा भाषा समस्ते भारतवर्षे प्रचलिता आसीत्। विदेशेभ्यः आगत्य विद्वासः अत्रैव संस्कृत-भाषायां ज्ञानं अर्जयन्ति स्म। एषा भारतवर्षे चतुर्दिशायां व्याप्ता आसीत्। एषा राष्ट्रभाषा, देशभाषा वा आसीत्। सर्वत्र एषा प्रसिद्धा लोकप्रिया च आसीत्। सर्वे भारतवासिनः अस्यामेव वार्ता कुर्वन्ति स्म। अद्यापि संस्कृतं विना आधुनकिभाषाणां ज्ञानं अपूर्णं वर्तते। विज्ञान-क्षेत्रे, चिकित्सा-क्षेत्रे, गणित-क्षेत्रे, राजनीति-क्षेत्रे, न्याय-क्षेत्रे च अस्याः भाषायाः एव महान् सहयोगो वर्तते।

आध्यात्मिक-ज्ञानं, धर्मज्ञानं, न्यायपरिज्ञानं च अस्यां भाषायां वर्तते अतएव एकेन कविना कथितम्-'संस्कृते सकलं ज्ञानं संस्कृते किं न विद्यते।' अद्यापि संस्कृतस्य प्राचारो देशे विदेशे च वर्तते।

भारतवर्षस्य सर्वेषु विश्वविद्यालयेषु अस्याः भाषायाः अध्ययनं अध्यापनं च भवति। अत्र न कोऽपि संदेहो वर्तते यत् एषा आदर्शभाषा अद्यापि विश्वस्य कल्याणं कर्तुं योग्या वर्तते।

छात्र-सम्पादकः
लवेश मदान (बी.एस.सी-द्वितीयः वर्षः)

वातावरणम्

वयं वायुजलमृदाभिः आवृत्ते वातावरणे निवसामः। एतदेव वातावरणं पर्यावरणं कथ्यते। पर्यावरणेनैव वयं जीवनोपयोगिवस्तुनि प्राप्नुमः। जलं वायुः च जीवने महत्वपूर्णो स्तः। साम्प्रतं शुद्धं पेयजलस्य समस्या वर्तते। अधुना वायुरपि शुद्धं नास्ति। एवमेव प्रदूषित-पर्यावणेन विविधाः रोगा जायन्ते। पर्यावरणस्य रक्षायाः अति आवश्यकता वर्तते। प्रदूषणस्य अनेकानि कारणनि सन्ति। औद्योगिकापशिष्ट-पदार्थ-उच्चध्वानि-यानधूमादयः प्रमुखानि कारणनि सन्ति। पर्यावरण-रक्षायै वृक्षा रोपणीयाः। वयं नदीषु तडागेषु च दूषितं जलं न क्षिपामः। तैलरहित-वाहनानां प्रयोगः करणीयः। जनाः तरूणां रोपणं अभिरक्षणं च कुर्युः।

एकता (बी.ए.-तृतीयः वर्षः)

प्रेरणाप्रदाः श्लोकाः

1. प्रथमे नार्जिता विद्या द्वितीये नार्जितं धनम्।
   तृतीये नार्जितं पुण्यं चतुर्थे किं करिष्यसि।।
2. मूर्खस्य पञ्च चिह्नानि गर्वो दुर्वचनं तथा।
   क्रोधश्च दृढवादश्च परवाक्येष्वनादरः।।
3. भद्रं भद्रं कृतं मौनं कोकिलैर्जलदागमे।
   दर्दूराः यत्र वक्तारः तत्र मौनं हि शोभते।।
4. यथा चित्तं तथा वाचो यथा वाचस्तथा क्रिया।
   चित्ते वाचि क्रियायां च साधूनामेकरूपता।।
5. देवो रूष्टे गुरुस्त्राता गुरो रूष्टे न कश्चनः।
   गुरुस्त्राता गुरुस्त्राता गुरुस्त्राता न संशयः।।
6. आलस्य हि मनुष्याणां शरीरस्थो महान् रिपुः।
   नारत्युद्यमसमो बन्धुः कृत्वा यं नावसीदति।
7. अनादरो विलम्बश्च वै मुख्यम् निष्ठुर-वचन्म्।
   पश्चतपश्चा पेचापि दानस्य दूषणानि च।।
8. उद्यमेन हि सिध्यन्ति कार्याणि न मनोरथैः।
   न हि सुप्तस्य सिंहस्य प्रविशन्ति मुखे मृगाः।।

सिमरन (बी.ए.-तृतीयः वर्षः)

विद्यार्थी-जीवनम्

एतत् कथ्यते मनुष्यः यावज्जीवं विद्यार्थी अस्ति। सत्यं खलु इदं वचनम् यदि मनुष्यः विद्याम् अर्जितुं तत्परः भवति तर्हि सः जीवने साफल्यं सुखं च प्राप्नोति वस्तुतः प्रत्येकः मनुष्यः पञ्चविंशतिः वर्ष-पर्यन्तं विद्यार्जनं करोति। विद्यार्थी जीवनस्य प्रारंम्भः शिशुविद्यालयात् भवति। ततः विद्यालयात्, तत्पश्चात् च महाविद्यालयात् शिक्षा प्राप्नोति। प्राचीन-काले छात्राः गुरुकुलं गच्छन्ति स्म। तत्रैव ब्रह्मचर्यं पालयन् विद्याप्राप्तिः कुर्वन्ति स्म। अधुना शिक्षानीतिः परिवर्तिता अधुना कतिपयाः छात्राः प्राथमिकां शिक्षां गृहित्वा उच्चशिक्षार्थं परदेशगमनं कुर्वन्ति। विश्वविद्यालयेषु पठनार्थं छात्रावासेषु वसन्ति। अधुना विद्यार्थिनां जीवनस्तर उच्चतरः अभवत्।

प्रिंसः (बी.ए.-द्वितीयः वर्षः)

हास्यम्

1. विद्यालस्य पुरतः अरूणः शरणः भूषणः च मिलितवन्तः।
   अरूण-'अहं प्रतिदिन स्नानं कृत्वा एव विद्यालयमागच्छामि'।
   शरणः- अवदत्-'अहं तु प्रातः सायं च स्नानं करोमि अतैव परमस्वच्छः इति ख्यातिः प्राप्ता अस्ति मया। धिक् भवतोः वच्छताम् यस्याः कारणतः मया स्नानं करणीयम् एव न भवति। भूषणः अवदत् साभिमानम्।
2. हरि ऊँ मित्र! भवान् गणिते निपुणः किल!
   तर्हि एकः संशयः यदि एकम् सपूपं छुरिकया भागत्रयं करोमि तार्हि प्रत्येकः खण्डः अपूपस्य 0.333 परिमितः भवति ननु?
   आम् सत्यं भोः! तार्हिभागत्रयं पुनः योजयामः अर्थात् 3×0.333=0.999 प्राप्यते 0.0001 कुत्र गतं भोः???
   छुरिकया उपरि पश्य!

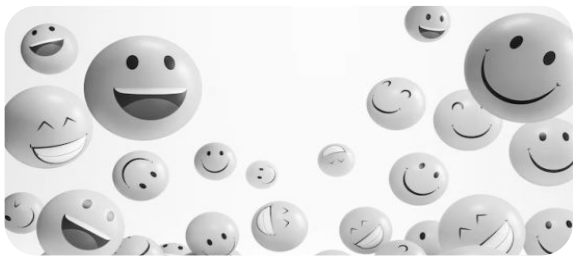

गौरवः (बी.सी.ए.-द्वितीयः वर्षः)

अस्माकं देशः

1) भारतोऽस्माकं देशः।
2) अस्माकं देशोऽति विशालः अस्ति।
3) अस्य भूमिः शस्यश्यामला अस्ति।
4) अस्माकं देशे अनेके प्रदेशाः सन्ति।
5) अस्माकं देशे अनेकाः भाषाः सन्ति
6) अस्मिन् देशे विभिन्न धर्मावलम्बिनः सन्ति।
7) अस्माकं हृदये भावत्मिकी एकता विद्यते।
8) भारतभूमिः अस्माकं माता अस्ति।
9) वयं सदा स्वराट्रयस्य रक्षां कर्तुम् उद्यताः स्याम।
10) कथितमस्ति – 'जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी।'

सुनील दत्तः (बी.ए. – द्वितीयः वर्षः)

सत्संगतिः

सतां सज्जनानां संगतिः सत्संगतिः। सज्जनानां संगत्या हृदयं विचारं च पवित्रम् भवति। अनया जनः स्वार्थ – भावं परित्यज्य लोककल्याणकामः भवति। दुर्जनानां संगत्या दुर्बुध्दिः आगच्छति। दुर्बुध्दिः दुः खजननी अस्ति। सज्जनानां संगत्या दुर्जनः अपि सज्जनः भवति। दुष्टदुर्योधनसंगत्या भीष्मोऽपि पतितः। ऋषीणाम् संगत्या वाल्मीकिः अपि महाकविः वाल्मीकिः अभवत्। अतः साध्विदमुच्यते – सत्संगतिः कथय किं न करोति पुंसाम्।

महादेवः (बी.ए. – तृतीयः वर्षः)

पुस्तकालयः

यत्र विविधानि पुस्तकानि पठनार्थं संगृहीतानि भवन्ति तत् स्थानम् पुस्तकालयः उच्यते। तत्र हि त्रिविधः पुस्तकालयः व्यक्तिगतः, विद्यालयीयः, सार्वजनिकश्च। व्यक्तिगत पुस्तकालयः अध्यापकानां अन्येषा बुद्धिजीवीनाम् च भवति। विद्यालयीयः विद्यालयस्य भागः भवति। छात्राणाम् अध्यापकानाम् च ज्ञानवर्द्धनाय विद्यालयीयः पुस्तकालयः भवति। अत्र शैक्षणिकानि पुस्तकानि संगृहीतानि भवन्ति। निर्धन – छात्राणां कृते विद्यालयीयः पुस्तकालयः अत्युपयोगी भवति। सार्वजनिकेषु पुस्तकालयेषु बहुविधानि पुस्तकानि भवन्ति। पुस्तकालय सम्पकत्ि शनैः – शैनः विद्यारूचिः जागार्ति। सम्प्रति गीतशीलः पुस्तकालयः अपि अस्ति।

सुनील दत्तः (बी.ए. – द्वितीयः वर्षः)

गंगानदी

अस्माकं देशे सर्वासु नदीषु गंगा अतिश्रेष्ठा प्रधाना पवित्रतमा च वर्तते। इयम् हिमालयात् निःसृत्य बंगोपसागरे पतति। अस्याः पावने तटे विशालाः प्राचीनाः नगराः स्थिताः सन्ति, यथा – हरिद्वारः, प्रयागः, वाराणसी, पाटलिपुत्रादि। अस्माकं सभ्यता – संस्कृतिः नगरेषु उन्नता जाता। गंगा एव भारतवर्षस्य धार्मिक विचारधारायाः पारिचायिका अस्ति। चिरकाल – रक्षितेऽपि गंगाजले कीटाणवः न प्रभवन्ति। अतएव गंगानदी नित्या पूजनीयः वन्दनीया, सेवनीया च। भारतीया जनाः गंगायाः जलस्य मात्रं सेवनं न कुर्वन्ति अपितु देववत् पूज्यन्ति च। गंगास्मरणमात्रेण पापः शिरः धुनोति इति कथ्यते।

गौरवः (बी.ए. – तृतीयः वर्षः)

सदाचारः

1. सताम् आचार: सदाचार: इत्युयते।
2. सज्जना: विद्वांसो च यथा उच्चरन्ति तथैव आचरण: सदाचारो भवति।
3. जनस्य, समाजस्य, राष्ट्रस्य च उन्नत्यै सदाचारस्य महती आवश्यकता वर्तते।
4. सदाचारस्यन्यासो बाल्यकालदेव भवति।
5. सदाचरेण बुद्धि: वर्धते नर: धार्मिक: शिष्ट: विनित:, बुद्धिमान् च भवति।
6. संसारे सदाचरस्येव महत्त्वं दृश्यते।
7. ये सदाचारिण: भवन्ति, ते एव सर्वत्र आदरं लभन्ते।
8. यस्मिन् देशे जना: सदाचारिण: भवन्ति तस्मिन् एव सर्वत: उन्नतिर्भवति।
9. सदाचारी जन: परदारेषु मातृवत्, परधनेषु लोष्ठवत्, सर्वभूतेषु च आत्मवत् पश्यति।
10. सदाचारीजनस्य शीलम् एव परमं भूषणम् अस्ति।

सपना (बी.ए. – द्वितीयः वर्षः)

श्रीमद्भगवद्गीता

संस्कृत – साहित्यस्य प्रसिद्धतम: ग्रन्थ: श्रीमद्भगवदगीता अस्ति। इयम् अस्माकं देशधर्मसंस्कृतीनाम् अमूल्यनिधि रूपेण प्रतिष्ठित: वर्तते अस्या: रचयिता वेदव्यास: आसीत्। एषा महाभारतकाव्यस्य एक: भाग: अस्ति। अस्मिन् ग्रन्थे अष्टादशाध्याया:, सप्तशत् श्लोका: च सन्ति। गीता ज्ञानधर्मस्य एक: महान् कोषोऽस्ति। गीतायां निष्काम कर्मयोगस्य महान् उपदेश: विद्यते –

कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन। मा कर्मफल हेतुर्भूमा ते सङ्गोऽस्त्वकमर्णि।। आत्मन: अमरताया संदेश: गीतायां वर्तते। इयं गीता सर्वेभ्य: स्वकर्त्तव्यस्य ज्ञानं दत्वा मोक्षाय कल्पते।

प्रतिक्षा (बी.ए. – तृतीयः वर्षः)

दूरदर्शनम्

'दूरदर्शनम्' इति शब्दं सर्वे जानन्ति। सर्वेषाम् गृहे दूरदर्शनं भवति। दूरदर्शनं ज्ञानस्य प्रचारस्य च माध्यमं वर्तते। वयं विविधान् समाचारान् दूरदर्शनेन एव पश्याम:। दूरदर्शनम् मनोरंजनस्यापि साधनं विद्यते। तदर्थं गानं, वाद्यवादनं वा भवति। एवंविधं एतद् दूरदर्शनम् लोकशिक्षणाय, लोकरञ्जनाय च उपयुक्तम् विद्यते। 'बहुजन हिताय बहुजन सुखाय सततं प्रयतते। दूरदर्शने वयं चित्रान् पश्याम: तथा श्रृणुम:। एवं दूरदर्शनं दर्शकवर्गस्य धनम्। एतस्य दूरदर्शनस्य विषये सर्वेषां चित्ते कुतूहलं विद्यते। कथम् अस्मिन् कार्यप्रवणं भवति। कुत्रचित् भाषणादय: कार्यक्रमा: भवन्ति। दूरस्था: वयं तान् आकर्णयाम:। कथम एतत् शक्यम्? अत्र एवं भवति विघुल्लहरीभि सह संयुक्ता: ध्वनितरंगा: संदेशं वहन्ति।

ता: एव आकाशवापीतरंगा: भवन्ति। तेषा माध्यमेन एव दूरदर्शन केन्द्रे आयोजितान् कार्यक्रमान वयम् दूरदर्शन – यंत्रेण आकर्णयाम:। तेषु वयं रमामहे च। एवं वैज्ञानिकानाम् शास्त्रप्रयोगणाम्फलम् एतद् दूरदर्शनम्। तद् लोकानाम् उपकाराय एव खलु।

सुनैना (बी.ए. – तृतीयः वर्षः)

देशभक्तिः

यस्मिन् देशे वयं जन्मधारणं कुर्म: स हि अस्माकं देश: जन्मभूमि: वा भवति। जननी इव जन्मभुमि पूज्या आदरणीया च भवति। अस्या: यश: सर्वेषां देशवासिनां यश: भवति। अस्या: गौरवेण एव देशस्य जनानां गौरवम् भवति। ये जना: स्वाभ्युदयार्थं देशस्याहितं कुर्वन्ति ते अधमा: सन्ति। देशभक्ति: सर्वासु भक्तिषु श्रेष्ठा कथ्यते अनया एव देशस्य स्वतंत्रताया: रक्षा भवति। अनया एव प्रेरिता: बहव: देशभक्ता: भगत सिंह:, चन्द्रशेखर आजाद, झाँसीश्वरी लक्ष्मीबाई, राणाप्रताप मेवाड़केसार, शिववीर: इत्यादय: च प्रभृतय: आत्मोत्सर्गम् अकुर्वन्।

कर्णः (बी.ए. – तृतीयः वर्षः)

जलमेव जीवनम्

1. 'जलम् एव जीवनम्' इति उक्तयनुसारम् अस्माकं जीवने जलस्य आवश्यकता वर्तते।
2. तृष्णाया: सत्यां जलेन एव निवारणं भवति।
3. पृथिव्या: जीवानां कृते आवश्यकं तत्वम् अस्ति जलम्।
4. अस्माकं सौभाग्यम् अस्ति यत् पृथिवी ग्रह: वर्तते।
5. जलं सौरमण्डले दुर्लभं वर्तते।
6. अत पृथिवी नीलग्रह इति उच्यते।
8. जलं निरन्तरं स्वरूपं परिवर्तते।
9. सुर्यस्य तापेन वाष्परूपं शीतले सति सङ्घनीकरवो मेघस्वरूप वर्षामाध्यमेन जलस्वरूपं धरति।
10. जलं महासागरेषु वायुमण्डले पृथिव्यां च परिभ्रमति।
11. जलस्य तत्परिभ्रमणं 'जलचक्र' इति कथ्यते।
12. महासागराणां समुद्राणां च जलं लावण्यं वर्तते।
13. अलवणस्य जलस्य मुख्य स्त्रोत: नदी तडाग: हिमनदी च वर्तते।

नरेन्द्र: (बी.ए. – तृतीय: वर्ष:)

मम् मित्रम्

1. अभिनव: मम प्रियं मित्रम् अस्ति।
2. स: मम विद्यालये सहपाठी अस्ति।
3. तस्य पिता प्राध्यापक: अस्ति।
4. स: पठने निपुण: अनुशासनप्रिय च अस्ति।
5. स: अतीव चतुर: कुशाग्र: च।
6. स सदा सत्यं प्रियं च वदति।
7. स: परीक्षायां सदा प्रथम: तिष्ठति।
8. स: कदापि वृथा समयं न यापयति।

9. अर्धावकाशे आवां मिलित्वा एव भोजनं कुर्व:।
10. सर्वे गुरव: तस्मिन् स्निहयन्ति
11. स: गृहे, विद्यालये, समाजे तथा च यत्र कुत्रापि गच्छति तत्र स्नेहं सम्मानम् च लभते।
12. तथापि स: सदैव नम्र: एव भवति।
13. अत: स: मम प्रियतमं मित्रम् अस्ति।

पायल शर्मा (बी.ए. – द्वितीय: वर्ष:)

न मातु: परदैवतम्

1. 'सर्वतीर्थमयी माता सर्वदेवमय: पिता।
   मातरं पितरं तस्मात् सर्वयत्नेन पूजयेत्।।
2. जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी।
3. नास्ति मातृसमा छाया नास्ति मातृसमा गति:।
   नास्ति मातृसमं त्राणं नास्ति मातृसमा प्रपा।।

अनु (बी.ए. – तृतीय: वर्ष:)

ग्राम्य जीवनम्

भारतं ग्रामदेश: उच्यते। भारतस्य यत्र मनुष्याणां गृहाणि लघुनिवासरूपेण भवन्ति तत्र ग्राम इति कथ्यते। अयं ग्राम: भारतस्य संस्कृते सभ्यतायाश्च प्रतीक: अस्ति। भारतीय ग्राम: प्रकृते: सौन्दर्यस्य च वरदान: अस्ति।

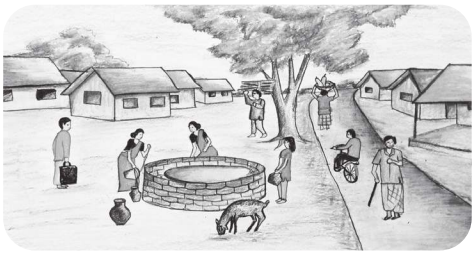

हिमांशु: (बी.सी.ए. – द्वितीय: वर्ष:)

अनुशासनम्

अनुशासनस्य अस्माकं जीवने अतिमहत्वं अस्ति। अनुशासनम् शब्द: 'अनु' उपसर्गपूर्वक 'शासनम्' शब्देन निर्मित: अस्ति अस्य अर्थमस्ति शासनस्य अनुसरणम्। जीवनस्य प्रत्येकस्मिन् क्षेत्रे कतिपयानां नियमानां पालनम् आवश्यकं वर्तते। प्रात: शीघ्रं जागरणं नियमित व्यायामं, नियमेन स्वकार्य-करणं, कार्यं प्रति पूर्णसमर्पणं अनुशासित-जीवनस्य अङ्ग.नि सन्ति। प्रकृत्या वा मूलेऽपि अनुशासनं दृश्यते। प्रकृत्या: नियमा: शाश्वता:, ध्रुवा: च सन्ति। पृथ्वी, ग्रह:, नक्षत्र:, सुर्य:, चन्द्र आदय च सर्वे अनुशासने बद्धा: सन्ति। शरीरस्य आरोग्याय यथा संतुलितं भोजनं अपेक्षेते तथैव राष्ट्रस्य, समाजस्य च उत्थानाय अनुशासनम् अपेक्षते।

छात्राणाम् कृते अनुशासनस्य बहुमहत्वं अस्ति, यदि छात्रा: ध्यानेन पठन्ति तर्हि भविष्ये जीवनस्य प्रत्येकस्मिन् क्षेत्रे साफल्यं प्राप्नुवन्ति।

यशिका (बी.ए. – प्रथम: वर्ष:)

देश – भ्रमणम्

देशेषु अटनम् भ्रमणम् देशाटनम् इति कथ्यते। प्राचीनकाले देशाटनम् महत्त्वपूर्णम् आसीत्। तदा पद्भ्याम् एव देशाटनम् भवति स्म। तत् रमणीयय् ज्ञानवर्द्धकम् च आसीत् अधुना देशाटनम् विविधैः यानैः क्रियते इदानीं देशाटनम् सरलं अस्ति पुरा देशाटनम् संकटपूर्णम् आसीत् देशाटनेन ज्ञानम् वर्द्धते। देशाटनेन मित्रता बर्द्धते। अनेन देशस्य एकता परिपुष्टा भवति। अनेन मनोरजनं भवति। अनेन देशभक्तिः जागर्ति।

प्रियम्वदा (बी.ए. – प्रथमः वर्षः)

आशावादः

भारतीय संस्कृतेः अन्यत् लक्षणं तस्याः आशावादः अस्ति। जीवने बहवः आपदाः विघ्नाः सन्ति, परन्तु तान् सर्वान अतिक्रम्य स्वस्थ लक्ष्यं प्राप्तुं शक्यते, स्वस्य इष्टं सिद्धं कर्तु शक्यते – आशया। एषः सुवर्णसूत्रः भारतीयसस्कृतौ सर्वत्र स्वीकृतः अस्ति। अस्यां संस्कृतौ निराशायाः स्थानं नास्ति। आशा एव प्रकाशः सा प्रशंसनीया अस्ति। निराशा अन्तः करणम् आवृत्य स्थूलः अन्धकारः अस्ति। अतः निराशा सर्वदा वर्जनीया।

कोमल शर्मा (बी.ए. – प्रथमः वर्षः)

भाषिकैकता

भारतस्य विभिन्न प्रदेशेषु भिन्न भाषाव्यवहारस्य अभावेऽपि भारते भाषिकैकता विद्यते, यतः सर्वाः भारतीयभाषाः संस्कृतभाषायाः निःसृताः हिन्दी वा बाङ्ग.ला वा, मराठी वा गुजराती वा तमिलः वा तेलुगुः वा संस्कृतस्य प्रभावः सर्वासु भारतीयभाषासु स्पष्टं भवति। मुस्लिमयुगे आक्रमणकारिभिः सह फारसी भाषा भारते प्रविष्टा परन्तु उर्दूभाषा भारते संस्कृतं फारसी भाषां च मिश्रयित्वा जातम्। सम्पूर्णे देशे पठितानां धर्मग्रन्थनां अधिकांशः केवल संस्कृत भाषायाम् एवं भवति। एवं संस्कृतभाषायाः कारणात् हिमालयात् कन्या कुमारीपर्यन्तं भारतस्य सर्वेऽषि विभिन्नाः प्रदेशाः दृढ़भाषिकैकतायां बद्धाः सन्ति।

तनुश्री (बी.ए. – प्रथमः वर्षः)

सज्जनानां व्यवहारः

सताम् आचारः सदाचारः कथ्यते। सज्जनाः यानि कर्माणि कुर्वन्ति तानि एव अस्माभिः कर्तव्यानि। ऋषयश्च वदन्ति यानि अनिन्द्यानि कर्माणि तानि सेवितव्यानि नेतराणि। गुरु जनानां सेवा, सरलता, सत्यभाषणम्, इन्द्रियनिग्रहः, अद्रोहः। आदि गुणानां गणना सदाचारे भवति। सदाचारवान् जनः दीर्घसूत्री न भवति। स हि अतन्द्रितः स्वकर्मनुष्ठानम् समयेन करोति। सदा मधुरं भाषणं करोति। स हि न कस्मै चिदपि द्रुह्यते। पुरा भारते सर्वेजनाः सदाचारवन्त आसन्। इदानीं रामचन्द्रस्य मर्यादापुरुषोत्तमस्य जीवनं सदाचारस्य उत्कृष्टम् उदाहरणम् आस्ति अस्माभिः तस्यैव जीवनम् अनुकरणीयम्।

अनुराधा (बी.सी.ए. – द्वितीयः वर्षः)

पक्षिणः

मनुष्यै सह पक्षिणां प्रेम शताब्दशः प्रचलति। बहव जनाः स्वगृहे पक्षिणः पालनं कुर्वन्ति, तेषां पालनं च कुर्वान्ति। अद्यत्वे पक्षिणः मनुष्येभ्यः अधिकं प्रेम्णा भवन्ति यत् मनुष्याः पक्षिभ्यः अधिकं प्रेमं कुर्वान्ति। मनुष्याः शुकः, कपोतः, मयूरः इत्यादयः अनेक प्रकारकाः पक्षिणः पालयन्ति। पक्षिण न वदन्ति चेदापि पक्षिणः मनुष्याणां अपेक्षया चतुरा भवान्ति।

कर्म सिंहः (बी.ए. – द्वितीयः वर्षः)

वानरस्य चातुर्यम्

नदीतटे एकस्मिन् जम्बू वृक्षे एकः रक्तमुखः वानरः प्रतिवसतिस्म्। एकः मकरः तस्य मित्रम् आसीत्। एकदा मकरः स्व पत्न्यै जम्बू फलानि अददात्। मधुराणि जम्बू-फलानि खादित्वा मकरीः प्राह – मधुराणि फलानि खादित्वा वानरस्य हृदयम् मधुरं भविष्यति, तर्हि आनय तस्य मित्रस्य हृदयम्।

मकरः तीरम् आगत्य वानरम् अवदत् 'बन्धो! तव भ्रातृजाया त्वां गृह निंमत्रयति।' अहम् त्वां पृष्ठे धृत्वा गृहं नेष्यामि। वानरः तथा अकरोत्। नदी मध्ये आनीय मकरः वानरं अवदत् – 'मित्र! मम पत्नी तव मधुरं हृदयं खादितुं इच्छति। हृदयं तु वृक्षस्य कोटरे निहितं अस्ति। अतः मां तत्र नय, येन स्व हृदयं आनीय स्व भ्रातृजायां तोषयामि।' मुर्ख मकरं वानरं पुनः वृक्ष – समीपम् अनयत्। वानरः उत्पलुल्य वृक्षं आरुह्य अवदत् – 'धिक् मुर्ख, त्वं मित्रेण सह विश्वासघातं अकरोः। आवयोः मैत्री समाप्ता।'

निखिलः (बी.सी.ए. – द्वितीयः वर्षः)

ਪੰਜਾਬੀ-ਵਿਭਾਗ

ਅਧਿਆਪਿਕਾ ਸੰਪਾਦਕ
ਡਾ. ਰੇਖਾ ਰਾਣੀ

ਵਿਦਿਆਰਥੀ ਸੰਪਾਦਕ
ਸੌਰਵ

ਤਤਕਰਾ

ਕ੍ਰਮ	ਵਿਸ਼ਾ	ਲੇਖਕ	ਪੇਜ ਨੰ
1.	ਆਧੁਨਿਕ ਯੁਗ ਦੀ ਔਰਤ: ਸਥਾਨ	ਡਾ. ਰੇਖਾ ਰਾਣੀ (ਪੰਜਾਬੀ ਅਧਿਆਪਕ)	3
2.	ਵਿਦਿਆਰਥੀ ਸੰਪਾਦਕ	ਸੌਰਵ (ਬੀ.ਏ. ਤੀਜਾ ਸਾਲ)	4
3.	ਲੜਨਾ ਨਹੀ ਚਾਹੁੰਦਾ	ਸੌਰਵ (ਬੀ.ਏ. ਤੀਜਾ ਸਾਲ)	5
4.	ਖ਼ਾਮੋਸ਼ ਹਾਦਸੇ	ਗੁਲਾਬਦਾਸ (ਬੀ.ਏ. ਤੀਜਾ ਸਾਲ)	5
5.	ਰੁੱਖ ਲਗਾਉ	ਸਾਹਿਲ (ਬੀ.ਏ.-ਪਹਿਲਾ ਸਾਲ)	5
6.	ਲਹੂ ਲਾਲ ਸਿਹਾਈ	ਸਾਗਰ (ਬੀ.ਏ. ਤੀਜਾ ਸਾਲ)	5
7.	ਵਾਤਾਵਰਨ ਕਵਿਤਾ	ਰਮਨੀਤ ਕੌਰ (ਬੀ.ਏ.-ਪਹਿਲਾ ਸਾਲ)	5
8.	ਮਾਂ ਬੋਲੀ	ਮਮਤਾ ਰਾਣੀ (ਬੀ.ਏ. ਤੀਜਾ ਸਾਲ)	6
9.	ਪਾਣੀ	ਮੌਨੂੰ (ਬੀ.ਏ.-ਪਹਿਲਾ ਸਾਲ)	6
10.	ਮਾਂ	ਮਮਤਾ ਰਾਣੀ (ਬੀ.ਏ.- ਦੂਜਾ ਸਾਲ)	7
11.	ਕਿਸਮਤ ਵਾਲੇ	ਵਿਸ਼ਾਖਾ (ਬੀ.ਏ.-ਤੀਜਾ ਸਾਲ)	7
12.	ਜ਼ਿੱਦ ਹੈ	ਸੌਰਵ (ਬੀ.ਏ.-ਤੀਜਾ ਸਾਲ)	8
13.	ਹਿੰਦ ਦੀ ਚਾਦਰ	ਸਿਮਰਨ ਦੇਵੀ (ਬੀ.ਏ.-ਤੀਜਾ ਸਾਲ)	8
14.	ਦੋਸਤ	ਗੁਲਾਬਦਾਸ (ਬੀ.ਏ.-ਤੀਜਾ ਸਾਲ)	8

ਆਧੁਨਿਕ ਯੁਗ ਦੀ ਔਰਤ : ਸਥਾਨ

ਸਮਾਜ ਦੇ ਵਿਕਾਸ ਵਿੱਚ ਔਰਤਾਂ ਦਾ ਮਹਤਵਪੂਰਣ ਯੋਗਦਾਨ ਹੈ, ਰਾਜਨੀਤੀ ਤੋਂ ਲੈ ਕੇ ਵਿਗਿਆਨ ਦੀਆਂ ਕਾਢਾਂ ਤੱਕ ਔਰਤ ਨੇ ਆਪਣਾ ਵੱਖਰਾ ਮੁਕਾਮ ਸਿਰਜਿਆ ਹੈ। ਸਮਾਜ ਦੇ ਹਰ ਪੇਸ਼ੇ ਵਿੱਚ ਅੱਜ ਔਰਤ ਨੇ ਅਹਿਮ ਭੂਮਿਕਾ ਨਿਭਾਈ ਹੈ। ਉਹ ਵਕੀਲ, ਜੱਜ, ਆਈ.ਏ.ਐਸ., ਡਾਕਟਰ, ਨੇਤਾ, ਅਭਿਨੇਤਾ, ਅਧਿਆਪਕ ਅਤੇ ਖਿਡਾਰੀ, ਹਰ ਉਹ ਖੇਤਰ ਜਿਸ ਵਿਚ ਉਹ ਆਪਣੀ ਭਾ-ਗੀਦਾਰੀ ਸਮਾਜ ਦੇ ਵਿਕਾਸ ਵਿਚ ਪਾ ਸਕਦੀ ਹੈ। ਉਸ ਨੂੰ ਬਾਖੂਬੀ ਨਿਭਾ ਰਹੀ ਹੈ। ਇੰਦਰਾ ਗਾਂਧੀ, ਅੰਮ੍ਰਿਤਾ ਪ੍ਰੀਤਮ, ਕਿਰਨ ਬੇਦੀ, ਕਲਪਨਾ ਚਾਵਲਾ, ਦੀਪਿਕਾ ਪਾਦੂਕੋਣ, ਏਸ਼ਵਰਿਆ ਰਾਏ ਆਦਿ ਅਜਿਹੀਆਂ ਸ਼ਖਸੀਅਤਾ ਹਨ ਜੋ ਆਪਣੇ-ਆਪਣੇ ਕਾਰਜ ਖੇਤਰ ਵਿਚ ਅਹਿਮ ਹਸਤਾਖਰਾਂ ਵਜੋਂ ਜਾਣੀਆਂ ਜਾਂਦੀਆਂ ਹਨ। ਅੱਜ ਦੀ ਔਰਤ ਪੜ੍ਹ-ਲਿਖ ਕੇ ਵੱਡੀ-ਵੱਡੀ ਮਲਟੀਨੈਸ਼ਨਲ ਕੰਪਨੀਆਂ ਵਿੱਚ ਉੱਚੇ ਅਹੁਦਿਆਂ ਤੇ ਬੈਠੀਆਂ ਹਨ। ਸਮਾਜ ਦਾ ਸੱਭ ਤੋਂ ਮਹੱਤਵਪੂਰਣ ਕਾਰਜ ਘਰ ਸੱਭਾਲਣਾ, ਉਹ ਵੀ ਅੱਜ ਦੀ ਆਧੁਨਿਕ ਨਾਰੀ ਨੇ ਸਾਬਿਤ ਕਰ ਦਿੱਤਾ ਹੈ, ਕਿ ਉਹ ਘਰ, ਪਰਿਵਾਰ ਅਤੇ ਨੌਕਰੀ ਸੱਭ ਨੂੰ ਵਧੀਆ ਢੰਗ ਨਾਲ ਕਦਮ ਮਿਲਾ ਕੇ ਸੰਭਾਲ ਰਹੀਆਂ ਹਨ। ਉਹ ਆਪਣੇ ਹੱਕਾਂ ਪ੍ਰਤੀ ਜਾਗਰੁਕ ਹੋਣ ਦੇ ਨਾਲ-ਨਾਲ ਆਪਣੇ ਹੱਕਾਂ ਨੂੰ ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਸੁਰਖਿੱਅਤ ਕੀਤਾ ਜਾ ਸਕਦਾ ਹੈ, ਉਸਦੀ ਵੀ ਜਾਣਕਾਰੀ ਰੱਖਦੀ ਹੈ। ਸਮਾਜ ਦੇ ਵਿਕਾਸ ਵਿੱਚ ਉਹ 'ਮਾਂ' ਬਣ ਕੇ ਆਪਣੇ ਪਰਿਵਾਰ ਨੂੰ ਸੰਭਾਲ ਰਹੀ ਹੈ, ਤਾਂ ਇੱਕ ਸਿੱਖਿਅਤ ਔਰਤ ਹੋ ਕੇ ਸਮਾਜ ਨੂੰ ਵਿਕਾਸ ਦੀਆਂ ਲੀਹਾਂ ਤੇ ਤੋਰ ਰਹੀ ਹੈ।

ਡਾ. ਰੇਖਾ ਰਾਣੀ

ਪੰਜਾਬੀ ਪ੍ਰਧਿਆਪਕ

ਵਿਦਿਆਰਥੀ ਸੰਪਾਦਕ

ਪਿਆਰੇ ਸਾਥੀਓ

ਪੰਜਾਬੀ ਵਿਭਾਗ ਦਾ ਵਿਦਿਆਰਥੀ ਸੰਪਾਦਕ ਹੋਣ ਕਰਕੇ ਮੈਂ ਤੁਹਾਨੂੰ ਕਾਲਜ ਦੀ ਮੈਗਜ਼ੀਨ ਛੱਪਣ ਦੀ ਬਹੁਤ-ਬਹੁਤ ਵਧਾਈ ਦਿੰਦਾ ਹਾਂ। ਮੈਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਵਿਦਿਆਰਥਿਆਂ ਨੂੰ ਵੀ ਵਧਾਈ ਦੇਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਦੀਆਂ ਰਚਨਾਵਾਂ ਮੈਗਜ਼ੀਨ ਵਿਚ ਛਪੀਆਂ ਹਨ ਤੇ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਵਿਦਿਆਰਥਿਆਂ ਦੀਆਂ ਰਚਨਾਵਾਂ ਨਹੀਂ ਛਪ ਸਕਿਆਂ ਮੈਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਇਹ ਹੀ ਕਹਿਣਾ ਚਾਹਾਂਗਾ ਕੀ ਤੁਸੀ ਬਹੁਤ ਚੰਗੇ ਕਲਾਕਾਰ ਹੋ ਬਸ ਲੋੜ ਹੈ ਤੇ ਖੁਦ ਨੂੰ ਨਿਖਾਰਣ ਦੀ। ਤੁਹਾਨੂੰ ਭਵਿੱਖ ਵਿਚ ਦੁਬਾਰਾ ਇਹ ਮੌਕਾ ਫੇਰ ਮਿਲੂਗਾ।

ਹਰ ਬੰਦੇ ਵਿਚ ਆਪਣੀ ਇਕ ਅਨੋਖੀ ਖੂਬੀ ਹੁੰਦੀ ਹੈ। ਅਤੇ ਜਿਸ ਨੂੰ ਵੀ ਅਪਣੇ ਤੁਲਨਾਤਮਕ ਲਹਜੇ ਨਾਲ ਨਹੀ ਤੋਲਣਾ ਚਾਹੀਦਾ। ਇਸ ਕਰਕੇ ਤੁਹਾਡੇ ਸਾਹਮਣੇ ਇੱਕ ਨਿੱਕੀ ਜਿਹੀ ਕਹਾਣੀ ਪੇਸ਼ ਕਰਦਾ ਹਾਂ :-

ਇਕ ਵਾਰ ਇਕ ਜੰਗਲ ਵਿਚੋਂ ਇਕ ਸਾਧੂ ਲੰਘ ਰਹੇ ਸਨ। ਜਦੋਂ ਉਹ ਇਕ ਦਰਖ਼ਤ ਦੇ ਥਲਿਉ ਲੰਘਦੇ ਪਏ ਸੀ ਤਾਂ ਪਾਣੀ ਦੀ ਇਕ ਬੂੰਦ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਸਿਰ ਤੇ ਆ ਡਿੱਗੀ। ਸਾਧੂ ਨੇ ਉਪਰ ਵੇਖਿਆ ਤਾਂ ਇਕ ਤੋਤਾ ਰੋਂਦਾ ਪਿਆ ਸੀ। ਸਾਧੂ ਨੇ ਉਸ ਨੂੰ ਪੁਛਿਆ ਕੀ ਤੂੰ ਕਿਉ ਰੋ ਰਿਹਾ ਹੈ। ਤਾਂ ਉਹ ਕਹਿਣ ਲਗਾ ਕਿ ਮੈਨੂੰ ਮੇਰਾ ਹਰਾ ਰੰਗ ਪਸੰਦ ਨਹੀਂ। ਕਿਉਕਿ ਮੇਰਾ ਤੇ ਦਰਖਤ ਦੇ ਪੱਤਿਆਂ ਦਾ ਰੰਗ ਇਕੋ ਜਿਹਾ ਹੈ। ਇਸ ਕਰਕੇ ਲੋਕੀ ਮੈਨੂੰ ਪਛਾਣ ਨਹੀਂ ਪਾਉਂਦੇ। ਸਾਧੂ ਨੇ ਪੁਛਿਆ ਫੇਰ ਤੂੰ ਕੀ ਬਣਨਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹੈ ਤਾਂ ਉਹ ਕਹਿਣ ਲਗਾ ਕਿ ਮੈਨੂੰ ਹੰਸ ਬਣਾ ਦਿਉ। ਸਾਧੂ ਕਹਿਣ ਲਗੇ ਕੀ ਮੈਂ ਤੈਨੂੰ ਹੰਸ ਬਣਾ ਦਿਆਂਗਾ ਪਰ ਤੂੰ ਜਾ ਕੇ ਇਕ ਵਾਰੀ ਹੰਸ ਨੂੰ ਪੁਛ ਕੇ ਆ। ਤਾਂ ਤੋਤਾ ਉਡਦਾ-ਉਡਦਾ ਹੰਸ ਕੋਲ ਪੁੱਜ ਗਿਆ। ਜਾ ਕੇ ਹੰਸ ਨੂੰ ਕਹਿਣ ਲਗਾ ਕੀ ਹੰਸ ਤੇਰਾ ਰੰਗ ਕਿੰਨਾ ਚਿੱਟਾ ਹੈ। ਤੇਰਾ ਚਿੱਟਾ ਰੰਗ ਮੰਨ ਨੂੰ ਸਾਂਤੀ ਦਿੰਦਾ ਹੈ। ਸਾਰੇ ਤੈਨੂੰ ਵੇਖਣ ਲਈ ਦੂਰੋਂ ਆਉਂਦੇ ਹਨ। ਹੰਸ ਕਹਿਣ ਲਗਾ ਕੀ ਚਿੱਟੇ ਰੰਗ ਵੀ ਕੋਈ ਰੰਗ ਹੈ।

ਤੋਤਾ ਕਹਿਣ ਲਗਾ ਕੀ ਤੂੰ ਆਪਣੇ ਚਿੱਟੇ ਰੰਗ ਤੋਂ ਖੁਸ਼ ਨਹੀਂ ਤਾਂ ਹੰਸ ਕਹਿਣ ਲਗਾ ਕੀ ਜਦੋਂ ਲੋਕੀ ਉਸ ਦੀਆਂ ਫੋਟੋਆਂ ਖਿਚਦੇ ਹਨ ਤਾਂ ਉਸ ਦਾ ਰੰਗ ਪਾਣੀ ਨਾਲ ਰਲ ਜਾਂਦਾ ਹੈ। ਫੇਰ ਉਹ ਦੋਨੋ ਦੁਬਾਰਾ ਸਾਧੂ ਕੋਲ ਚਲੇ ਜਾਂਦੇ ਹਨ। ਤਾਂ ਸਾਧੂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਤੋ ਪੁਛੱਦਾ ਹੈ ਕਿ ਤੋਸੀਂ ਦੋਵੇ ਕੀ ਬਣਨਾ ਚਾਹੁੰਦੇ ਹੋ। ਤਾਂ ਉਹ ਕਹਿਣ ਲਗੇ ਕੀ ਮੈਨੂੰ ਤੇ ਮੇਰੇ ਦੋਸਤ ਨੂੰ ਮੋਰ ਬਣਾ ਦਿਉ। ਸਾਧੂ ਕਹਿਣ ਲਗੇ ਕੀ ਮੈਂ ਤੁਹਾਨੂੰ ਮੋਰ ਬਣਾ ਦਿਆਂਗਾ। ਬਸ ਇਕ ਵਾਰੀ ਜਾਕੇ ਮੋਰ ਤੋਂ ਪੁੱਛ ਕੇ ਆਉ। ਉਹ ਦੋਵੇਂ ਮੋਰ ਕੋਲ ਪੁੱਜ ਜਾਂਦੇ ਨੇ। ਉਹ ਮੋਰ ਨੂੰ ਕਹਿੰਦੇ ਹਨ ਕਿ ਤੂੰ ਕਿਨ੍ਹਾਂ ਸੋਹਣਾ ਹੈ। ਤੇਰੇ ਪਰਾਂ ਦਾ ਰੰਗ ਵੇਖ ਕੇ ਸਾਰੇ ਖੁਸ਼ ਹੋ ਜਾਂਦੇ ਹਨ। ਤੂੰ ਜਦੋਂ ਨੱਚਦਾ ਹੈ ਤਾਂ ਬਦਲ ਘਿਰ-ਘਿਰ ਕੇ ਆਉਂਦੇ ਹਨ। ਤੂੰ ਸਾਡਾ ਰਾਜ ਪਕਸ਼ੀ ਹੈ। ਇਸ ਕਰਕੇ ਤੂੰ ਕਿਨ੍ਹਾ ਖ਼ੁਸ਼ ਰਹਿੰਦਾ ਹੋਵੇਂਗਾ। ਫੇਰ ਮੋਰ ਕਹਿਣ ਲਗਾ ਸੁਣ! ਕੀ ਤੈਨੂੰ ਕੋਈ ਆਵਾਜ ਆ ਰਹੀ ਹੈ। ਉਹ ਦੋਵੇਂ ਕਹਿਣ ਲਗੇ ਹਾਂ। ਮੋਰ ਨੇ ਕਿਹਾ ਇਹ ਇਕ ਸ਼ਿਕਾਰੀ ਦੀ ਆਵਾਜ ਹੈ। ਕਲ ਉਸ ਨੂੰ ਉਸਦੀ ਮਾਂ ਤੋਂ ਵਿਛੋੜ ਦਿੱਤਾ ਗਿਆ। ਸ਼ਿਕਾਰੀ ਨੇ ਉਸ ਦੀ ਮਾਂ ਨੂੰ ਮਾਰ ਦਿੱਤਾ ਤੇ ਸਾਰੇ ਪਰ ਨੋਚ ਕੇ ਲੈ ਗਿਆ। ਉਹ ਦੋਵੇ ਪੁਛੱਣ ਲਗੇ ਕਿ ਉਹ ਆਪਣੀ ਸੁੰਦਰਤਾ ਤੋਂ ਖੁਸ਼ ਨਹੀਂ ਹੈ। ਤਾਂ ਮੋਰ ਕਹਿਣ ਲਗਾ ਕਿ ਕੋਈ ਕਿਵੇਂ ਖੁਸ਼ ਹੋ ਸਕਦਾ ਹੈ ਜੇਕਰ ਉਸ ਨੂੰ ਪਤਾ ਹੋਵੇ ਕੀ ਉਸਦੀ ਮੌਤ ਆਉਣੀ ਹੈ। ਤਾਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੋਵਾਂ ਨੂੰ ਪਤਾ ਲਗਿਆ ਕੀ ਉਹ ਜਿਵੇਂ ਦੇ ਵੀ ਹਨ ਸੱਭ ਤੋਂ ਚੰਗੇ ਹਨ।

ਆਖਿਰ ਵਿਚ ਮੈਂ ਵਿਦਿਆਰਥਿਆਂ ਦੇ ਚੰਗੇ ਭਵਿੱਖ ਦੀ ਕਾਮਨਾ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਤੇ ਆਸ਼ਾ ਕਰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਉਹ ਚੰਗੇ ਸਾਹਿਤਕਾਰ ਅਤੇ ਚੰਗੇ ਇਨਸਾਨ ਬਣਨ।

ਵਿਦਿਆਰਥੀ ਸੰਪਾਦਕ

ਸੌਰਵ

ਲੜਨਾ ਨਹੀ ਚਾਹੁੰਦਾ

ਤੇਰੀ ਉਡੀਕ 'ਚ ਮੈਂ
ਜਿਹੜੀ ਲੜਾਈ ਦਸੰਬਰ ਨਾਲ ਕੀਤੀ
ਉਹਦਾ ਗੁੱਸਾ ਹਾਲੇ ਤੱਕ
ਜਨਵਰੀ ਮਨਾ ਨਹੀ ਹੈ
ਹੁਣ ਮੈਂ ਫਰਵਰੀ ਨਾਲ
ਲੜਨਾ ਨਹੀਂ ਚਾਹੁੰਦਾ

ਸੌਰਵ (ਬੀ.ਏ. ਤੀਜਾ ਸਾਲ)

ਖ਼ਾਮੋਸ਼ ਹਾਦਸੇ

ਕੁਝ ਹਾਦਸੇ ਬੜੇ
ਖ਼ਾਮੋਸ਼ ਹੁੰਦੇ ਹਨ
ਪਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ
ਜ਼ਖ਼ਮਾਂ ਦੀ ਟੀਸ
ਬੜੀ ਹੀ ਹਿੰਸਕ ਹੁੰਦੀ ਹੈ।

ਕੁਝ ਹਾਦਸੇ ਅਜਿਹੇ ਹੁੰਦੇ ਹਨ
ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਤੇ ਚਲਦੇ ਪੈਰ ਸਫ਼ਰ,
ਬਣ ਕੇ ਰਹਿ ਜਾਂਦੇ ਹਨ।

ਗੁਲਾਬਦਾਸ (ਬੀ.ਏ. ਤੀਜਾ ਸਾਲ)

ਰੁੱਖ ਲਗਾਉ

ਰੁਖ ਲਗਾਉ ਪ੍ਰਦੂਸ਼ਣ ਭਜਾਉ,
ਵਾਤਾਵਰਣ ਸਵੱਛ ਬਣਾਉ।
ਭਾਂਤ-ਭਾਂਤ ਦੇ ਫੁੱਲ ਲਗਾ ਕੇ,
ਆਲਾ-ਦੁਆਲਾ ਤੁਸੀ ਮਹਿਕਾਉ।
ਪੜੋ-ਗੁਣੋ ਤੇ ਖੇਡੋ ਮਲ੍ਹੋ,
ਤੁਸੀ ਐਵੇਂ ਨਾ ਸਮਾਂ ਗਵਾਉ।
ਘਰ 'ਚ ਕਿਆਰੀ ਇਕ ਬਣਾ ਕੇ,
ਉਸ ਵਿੱਚ ਸਬਜ਼ੀ ਆਪ ਉਗਾਉ।
ਵਿਹਲੇ ਸਮੇਂ ਦੀ ਸੁੱਚਜੀ ਵਰਤੋ,
ਕਰਕੇ ਬਚਿਉ ਤੁਸੀਂ ਦਿਖਾਉ।

ਸਾਹਿਲ (ਬੀ.ਏ.-ਪਹਿਲਾ ਸਾਲ)

ਲਹੂ ਲਾਲ ਸਿਹਾਈ

ਜ਼ਹਿਨ ਦੇ ਵਿਚ ਇਕ ਬਾਤ ਹੈ ਆਈ,
ਜਿਉ ਦਿਨ ਦੇ ਵਿਚ ਰਾਤ ਹੈ ਆਈ,
ਸੂਰਜ ਗ੍ਰਹਿਣ ਜਿਹਾ ਖਿਆਲ ਰਾਤ ਦਾ,
ਕਲਮ ਲਈ ਸਿਹਾਈ ਲਹੂ-ਲਾਲ ਲਿਹਾਈ,
ਜ਼ਹਿਨ ਦੇ ਵਿਚ ਇਕ ਬਾਤ ਹੈ ਆਈ।

ਸਾਗਰ (ਬੀ.ਏ. ਤੀਜਾ ਸਾਲ)

ਵਾਤਾਵਰਨ ਕਵਿਤਾ

ਖਤਰੇ ਵਿਚ ਹਨ ਸਭ ਧਰਤੀ ਦੇ ਜੀਵ,
ਆਉ ਮਿਲ ਕੇ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਬਚਾਉ,
ਰੁੱਖ ਨਾ ਕੱਟੋ,
ਸਗੋਂ ਵੱਧ ਤੋਂ ਵੱਧ ਰੁੱਖ ਲਗਾਉ,
ਆਉ ਮਿਲ ਕੇ ਵਾਤਾਵਰਨ ਬਚਾਉ।
ਰੁੱਖ ਹਨ ਬਹੁਤ ਕੀਮਤੀ, ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਬਚਾਉ,
ਰੁੱਖ ਦਿੰਦੇ ਹਨ ਆਕਸੀਜਨ
ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਅੱਗ ਨਾ ਲਗਾਉ,
ਆਉ ਮਿਲ ਕੇ ਵਾਤਾਵਰਨ ਬਚਾਉ।
ਜੰਗਲ ਆਪਣੇ ਆਪ ਉਗਣਗੇ,
ਰੁੱਖ, ਫਲ, ਫੁੱਲ ਵੱਧਣਗੇ,
ਕੋਇਲ ਕੂਕੇ, ਮੈਨਾ ਗਾਵੇ,
ਹਰ ਪਾਸੇ ਹਰਿਆਲੀ ਫੈਲਾਉ,

ਆਉ ਮਿਲ ਕੇ ਵਾਤਾਵਰਣ ਬਚਾਉ।
ਰੁੱਖਾਂ ਤੇ ਪਸ਼ੂ, ਪੰਛੀ ਰਹਿੰਦੇ,
ਪੱਤੇ, ਘਾਹ ਇਹ ਖਾਂਦੇ ਰਹਿੰਦੇ,
ਘਰ ਨਾ ਕਦੇ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਉਜਾੜੋ,
ਕਦੇ ਨਾ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਸਤਾਉ,
ਆਉ ਮਿਲ ਕੇ ਵਾਤਾਵਰਨ ਬਚਾਉ।

ਰਮਨੀਤ ਕੌਰ (ਬੀ.ਏ.-ਪਹਿਲਾ ਸਾਲ)

ਮਾਂ ਬੋਲੀ

ਆਉ ਮਾਂ ਬੋਲੀ ਦਾ ਸਤਿਕਾਰ ਕਰੀਏ,
ਮਾਂ ਵਰਗਾ ਇਸ ਨੂੰ ਪਿਆਰ ਕਰੀਏ,
ਨਾਂ ਵਿਸਾਰੀਏ ਇਸ ਨੂੰ ਮਨ ਚੋਂ,
ਚਲੋ ਇਸ ਦਾ ਪਰਚਾਰ ਕਰੀਏ,
ਸਾਡੀ ਪਹਿਚਾਣ ਦਾ ਆਧਾਰ ਹੈ ਮਾਂ ਬੋਲੀ,
ਕੌਮ ਦੀ ਹੋਣ ਦਾ ਹਥਿਆਰ ਹੈ ਮਾਂ ਬੋਲੀ।
ਇਹ ਹੁੰਦੀ ਸਾਡੀ ਮਾਂ ਵਰਗੀ,
ਠੰਢੀ ਬੋਹੜ ਦੀ ਛਾਂ ਵਰਗੀ,
ਵਿਰਸੇ 'ਚੋਂ' ਮਿਲਿਆ ਪਿਆਰ ਹੈ ਮਾਂ ਬੋਲੀ
ਮੇਰੀ ਮਾਂ ਬੋਲੀ ਮੇਰੀ ਜਾਨ ਹੈ,
ਜਿਸਦੀ ਦੁਨੀਆ ਤੇ ਵਖੱਰੀ ਪਹਿਚਾਣ ਹੈ,
ਮਾਂ ਤੋਂ ਮਿਲੀ ਮੈਨੂੰ ਇਹ ਬੋਲੀ,
ਸ਼ਹਿਦ ਤੋਂ ਮਿੱਠੀ ਜਿਵੇਂ ਮਿਸ਼ਰੀ ਘੋਲੀ,
ਮੇਰੀ ਮਾਂ ਬੋਲੀ ਪੰਜਾਬੀ,
ਜੋ ਹੈ ਪੰਜਆਬਾਂ ਦੀ ਬੋਲੀ,
ਮੇਰੇ ਲਈ ਪੰਜ ਬਜ਼ੁਰਗਾਂ ਆਬਾਂ ਦੀ ਦੁਆ ਹੈ ਮਾਂ ਬੋਲੀ,
ਆਉ ਮਾਂ ਬੋਲੀ ਦਾ ਸਤਿਕਾਰ ਕਰੀਏ,
ਮਾਂ ਵਰਗਾ ਇਸ ਨੂੰ ਪਿਆਰ ਕਰੀਏ।

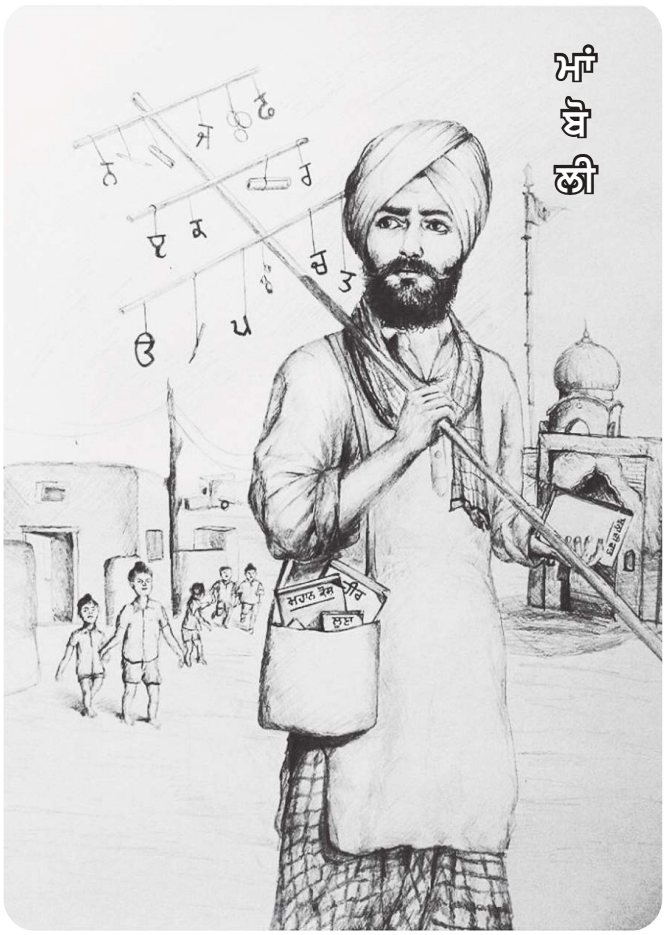

ਮਮਤਾ ਰਾਣੀ (ਬੀ.ਏ. ਤੀਜਾ ਸਾਲ)

ਪਾਣੀ

ਪਾਣੀ ਦੇ ਵਿਚ ਸ੍ਰਿਸ਼ਟੀ ਰਚੀ
ਕੁਦਰਤ ਦੇ ਵਿਚ ਪਾਣੀ
ਇਸ ਪਾਣੀ ਨੇ ਸਭ ਕੁਝ ਦਿਤਾ
ਕਰਜਦਾਰ ਹੈ ਪ੍ਰਾਣੀ
ਪਵਨ ਗੁਰੂ ਪਾਣੀ ਪਿਤਾ
ਲਿਖਿਆ ਵਿਚ ਗੁਰਬਾਣੀ
ਖਿਆਲ ਕਰੋ ਇਸ ਸੋਹਣੇ ਜਲ ਦਾ
ਨਹੀਂ ਜੀ ਸਕਦੇ ਬਿਨ ਪਾਣੀ

ਮੌਨੂੰ (ਬੀ.ਏ.-ਪਹਿਲਾ ਸਾਲ)

ਮਾਂ

ਸਾਡੇ ਹਰ ਦੁੱਖ ਦੀ ਦਵਾ ਹੁੰਦੀ ਹੈ ਮਾਂ,
ਕਦੇ ਝਿੜਕਦੀ ਹੈ ਸਾਨੂੰ,
ਤੇ ਕਦੇ ਗਲੇ ਲਗਾ ਲੈਂਦੀ ਹੈ ਮਾਂ,
ਸਾਡੀਆਂ ਅੱਖਾਂ ਦੇ ਹੰਝੂ,
ਆਪਣੀਆਂ ਅੱਖਾਂ ਵਿਚ ਸਮਾਂ ਲੈਂਦੀ ਹੈ ਮਾਂ,
ਆਪਣੇ ਚਿਹਰੇ ਦੀ ਮੁਸਕਾਨ,
ਸਾਡੇ ਤੇ ਲੁਟਾ ਦਿੰਦੀ ਹੈ ਮਾਂ,
ਸਾਡੀਆਂ ਖੁਸ਼ੀਆ ਵਿਚ ਸ਼ਾਮਿਲ ਹੋ ਕੇ,
ਆਪਣੇ ਗਮ ਭੁਲਾ ਦਿੰਦੀ ਹੈ ਮਾਂ,
ਜਦੋਂ ਵੀ ਕਦੇ ਠੋਕਰ ਲਗੇ,
ਸਭ ਤੋ ਪਹਿਲਾਂ ਯਾਦ ਆਉਂਦੀ ਹੈ ਮਾਂ,
ਦੁਨੀਆ ਦੀ ਤਪਸ਼ ਵਿੱਚ,
ਆਪਣੇ ਆਂਚਲ ਵਿਚ ਲੁਕੋ ਲੈਂਦੀ ਹੈ ਮਾਂ,
ਆਪ ਚਾਹੇ ਜਿੰਨ੍ਹੀ ਵੀ ਥੱਕੀ ਹੋਵੇ,
ਸਾਨੂੰ ਦੇਖ ਕੇ, ਆਪਣੀ ਥਕਾਨ ਭੁੱਲ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ਮਾਂ,
ਗੱਲ ਜਦੋਂ ਵੀ ਹੋਵੇ ਲਜ਼ੀਜ ਖਾਣੇ ਦੀ,
ਤਾਂ ਯਾਦ ਆਉਂਦੀ ਹੈ ਮਾਂ।

ਮਮਤਾ ਰਾਣੀ (ਬੀ.ਏ.- ਦੂਜਾ ਸਾਲ)

ਕਿਸਮਤ ਵਾਲੇ

ਕਿਸਮਤ ਵਾਲੇ ਉਹ ਜਗ ਤੇ ਹੁੰਦੇ।
ਜਿਸਨੂੰ ਗੁਰੂ ਦਾ ਮਿਲਦਾ ਪਿਆਰ ਲੋਕੋ।
ਗੁਰੂ ਵਾਸਤੇ ਜੇ ਦੇਣਾ ਸੀਸ ਪੈ ਜਾਏ।
ਇਸ ਤੋਂ ਸਸਤਾ ਨਾ ਕੋਈ ਵਪਾਰ ਲੋਕੋ।
ਚੰਦ ਸੂਰਜ ਵੀ ਉਸ ਦੀ ਭਰਨ ਹਾਮੀ।
ਬਾਤਾਂ ਪਾਉਂਦਾ ਹੈ ਕੁਲ ਸੰਸਾਰ ਲੋਕੋ।
ਬੈ-ਗੁਰੂ ਦੀ ਕੋਈ ਨਾ ਸਾਰ ਪੁੱਛੇ।
ਉਸਨੂੰ ਮਿਲੇ ਨਾ ਕਿਤੇ ਸਤਿਕਾਰ ਲੋਕੋ।
ਜਨਮ- ਮਰਨ ਦੇ ਚੱਕਰਾਂ 'ਚ ਰਹੇ ਫਸਿਆ।
ਜਿਸਨੂੰ ਦਿੰਦਾ ਹੈ ਗੁਰੂ ਵਿਸਾਰ ਲੋਕੋ।
ਜਿਹੜੇ ਹਰ ਪਲ ਗੁਰੂ ਦੀ ਗਾਉਂਦੇ ਮਹਿਮਾ।
ਬੇੜੇ ਉਹਨਾਂ ਦੇ ਹੁੰਦੇ ਪਾਰ ਲੋਕੋ।

ਵਿਸ਼ਾਖਾ (ਬੀ.ਏ.-ਤੀਜਾ ਸਾਲ)

ਜ਼ਿੱਦ ਹੈ

ਮੰਜਿਲ ਤੇ ਮੁਕਾਮ ਨੂੰ ਪਾਉਣ ਦੀ
ਜ਼ਿੱਦ ਹੈ।
ਖਵਾਬਾਂ ਨੂੰ ਹਕੀਕਤ ਬਨਾਉਣ ਦੀ
ਜ਼ਿੱਦ ਹੈ।
ਇੱਕ ਦਿਨ ਅੰਬਰਾਂ ਦਾ ਤਾਰਾ ਬਣ ਜਾਵਾਂ,
ਖੁਦ ਨੂੰ ਇਸ ਕਾਬਿਲ ਬਨਾਉਣ ਦੀ
ਜ਼ਿੱਦ ਹੈ।

ਸੌਰਵ (ਬੀ.ਏ.-ਤੀਜਾ ਸਾਲ)

ਹਿੰਦ ਦੀ ਚਾਦਰ

ਨੌਵੇਂ ਗੁਰੂ ਸਨ ਤੇਗ ਬਹਾਦਰ। ਬਣ ਗਏ ਜੋ ਹਿੰਦ ਦੀ ਚਾਦਰ। ਚਾਰ ਸੌ ਸਾਲ ਦੀ ਸੁਣੋ ਕਹਾਣੀ, ਸ਼ਹੀਦੀ ਗਾਥਾ ਹੈ, ਬੜੀ ਪੁਰਾਣੀ। ਜੋ ਹਰਿਗੋਬਿੰਦ ਸਾਹਿਬ ਦੇ ਪੁਤਰ, ਜਿਨ੍ਹਾ ਦੇ ਗੋਬਿੰਦ ਸਿੰਘ ਸਪੁਤਰ। ਕਸ਼ਮੀਰੀ ਹਿੰਦੂ ਸੀ ਮੁਸਲਮਾਨ ਹੋਏ, ਹੱਥ ਜੋੜਕੇ ਗੁਰਾਂ ਦੇ ਪਾਸ ਖਲੋਏ। ਅੱਜ ਡੁੱਬਦਾ ਹਿੰਦੂ ਧਰਮ ਬਚਾਉ, ਹੁਣ ਸਾਡੇ ਤੇ ਵੀ ਕਰਮ ਕਮਾਉ।

ਹਿੰਦੂ ਧਰਮ ਦੀ ਲਾਜ ਬਚਾਉਣੀ, ਔਰੰਗਜੇਬ ਨੂੰ ਗਲ ਸਮਝਾਉਣੀ। ਪੰਡਤਾਂ ਨਾਲ ਸੀ ਤੁਰ ਗਏ ਦਿੱਲੀ, ਇਹ ਚਬਰ ਦੇਖ ਕੇ ਦਿੱਲੀ ਹਿੱਲੀ। ਹੁਣ ਹਿੰਦੂ ਨਹੀਂ ਬਣਨੇ ਮੁਸਲਮਾਨ, ਤੂੰ ਬੇਸ਼ਕ ਰੰਗਿਆ ਕੱਢ ਲੈ ਜਾਨ। ਔਰੰਗਜੇਬ ਸੀ ਹੁਕਮ ਸੁਣਾਇਆ, ਦਿੱਲੀ ਦੇ ਵਿਚ ਸੀਸ ਕਟਾਇਆ। ਚਾਂਦਨੀ ਚੌਂਕ ਵਿਚ ਹੋਏ ਕੁਰਬਾਨ, ਰਹੇਗਾ ਜਗ ਤੇ 'ਸੁਹਲ' ਨਿਸ਼ਾਨ।

ਸਿਮਰਨ ਦੇਵੀ (ਬੀ.ਏ.-ਤੀਜਾ ਸਾਲ)

ਦੋਸਤ

- ਯਾਰੀ ਦੇ ਵਿਚ ਯਾਰ ਵੇਖੇ ਮੈਂ, ਨਰਮ ਦਿਲ ਬੰਦੇ ਬਣਦੇ ਤਲਵਾਰ ਵੇਖੇ ਮੈਂ
  ਜੱਗ ਵਿਚ ਘੁੰਮ ਲਿਆ ਮੈਂ, ਪਰ ਮਾਂ-ਪਿਓ ਵਰਗੇ ਯਾਰ ਨੀ ਵੇਖੇ ਮੈਂ।
- ਖੁੱਲੇ ਮੈਦਾਨਾਂ ਦੇ ਵਿਚ, ਚਿੱਟੇ ਫੁੱਲ ਵੇਖੇ ਮੈਂ
  ਤਿਤਲੀਆਂ ਦੀ ਰੋਣਕ ਵੇਖੀ, ਮਧੁੱਮਖਿਆਂ ਦੇ ਛੱਤੇ ਵੇਖੇ ਮੈਂ।
- ਤੇਰੇ ਦੀਤੇ ਦੁਖਾਂ ਨੂੰ ਮੈਂ, ਗਮ ਬਣਾ ਕੇ ਜਾਮ ਨਾਲ ਪੀ ਗਿਆ ਮੈਂ,
  ਤੇਰਾ ਨਾਂ ਲੈ-ਲੈ ਕੇ ਅੱਜ ਵੀ ਕਿੰਨੇ ਆਸ਼ੀਕ ਮਰਦੇ ਵੇਖੇ ਮੈਂ।
- ਦੋਸਤੀ ਦੇ ਵਿਚ ਯਾਰ ਨੂੰ, ਰੱਬ ਬਣਾ ਕੇ ਵੇਖਾ ਮੈਂ
  ਇਸ ਦਿਲ ਦੇ ਅੰਦਰ, ਯਾਰ ਦੀ ਤਸਵੀਰ ਲਗਾ ਕੇ ਵੇਖਾ ਮੈਂ।
- ਤੇਰੇ ਨਰਮ ਹੱਥਾਂ ਦੇ ਵਿਚ, ਕੰਡਿਆਂ ਦੇ ਫੁੱਲ ਵੇਖੇ ਮੈਂ
  ਤਰੀ ਸੋਹਣੀ ਸੂਰਤ ਨੂੰ, ਇਕ ਗੁਲਾਬ ਦੇਕੇ ਵੇਖਾਂ ਮੈਂ।

ਗੁਲਾਬਦਾਸ (ਬੀ.ਏ.-ਤੀਜਾ ਸਾਲ)

COMMERCE SECTION

Staff Editor
Dr. Sunita Chopra

Student Editor
Abhishek

Content

Sr. N.	Title	Author	Pg. No.
1.	Editorial	Dr. Sunita Chopra	3
2.	A Journey Through Commerce	Abhishek (Student Editor) M.Com	3
3.	Role of Influencer Marketing in Commerce	Sumit (M.Com- 4th Sem.)	4
4.	Jobless Growth	Ankush Saini (M.Com- 4th Sem.)	4
5.	Food Price Shocks: A Roadblock to Growth in India	Anju (M.Com- 4th Sem.)	5
6.	Effective Strategies for Digital Business Promotion in India	Kusum Lata (M.Com- 4th Sem.)	6
7.	Understanding Knowledge Process Outsourcing (KPO) and Its Business Impact	Vimmi (M.Com- 4th Sem.)	7
8.	Unveiling the Share Market: A Gateway to Wealth Creation	Preeti (M.Com- 4th Sem.)	8
9.	Indirect Taxes not Replaced by GST	Mohit (M.Com- 4th Sem.)	9
10.	Consumer Concerns About Online Privacy	Ujjwal (B.Com -6th Sem.)	10
11.	Deficit financing a necessary evil or not !	Anuj (M.Com-2nd Sem.)	11
12.	ईवी का भविष्य: एक व्यवसायिक दृष्टिकोण	सागर (एम. कोम – चौथा समैस्टर)	12

Editorial

"Commerce is the lifeblood of society; it shapes progress, builds bridges, and fasters prosperity"

RAVI TEJ embodies elegance, exubearance and excellence with unparalleled ease. We are proud to present the Commerce Section , a rich tapestry of diverse perspective and profound insights spanning an array of topics curated array enlighten our readers.

RAVI TEJ, we aspire to illuminate compelling and often under explored subjects, fostering innovative thinking and igniting the curiosity of our audience. In this age of knowledge, the desire to acquire new skills engage in innovative ventures, and delve into research is boundless. The field of Commerce, with its branches in finance ,economics, business and management, offers limitless opportunities for exploration. For our readers, this publication promises an enriching experience, while for us the creators it marks a fulfilling journey of creativity and collaboration.

We are deeply humbled by the personal quality of submissions received, which inspire us to continually strive for excellence in delivering an unparalleled reading experience. I extend my heartful gratitude to our dedicated students whose tireless efforts and commitment shine brightly through every page of this publication.

Dr. Sunita Chopra

A JOURNEY THROUGH COMMERCE

Commerce leads us to a brighter way, shaping the world we see today.
From busy markets to numbers in files, It builds progress and fuel our trails.
Finance shows us the path to grow, Economics balances what we know.
Business creates ideas that fly, Management keeps dreams alive.

Abhishek

(Student Editor)

M.Com (4 th Sem.)

ROLE OF INFLUENCER MARKETING IN COMMERCE

In today's digital era, influencer market has emerged as a powerful tool for business is to reach their target audience, by using the real and reputation of social media personalities, companies can boost their brand visibility, sales and bold long lasting customer relations.

What is influencer marketing

Influencer marketing involves collaborating with individuals who have major own line following to promote products or services. These influencers have built trust and relationships with their audience which make their endorsements highly valuable.

The rise of influencer marketing

The popularity of social media platform like Instagram, youtube, Facebook, Twitter has given path for the rise of influencers. Traditional advertising methods such as print, television advertising or no longer as effective as influencer marketing

Benefits of influencer marketing in commerce

1. Increased brand awareness influencers have the power to reach millions of customers .When they promote a product, their followers are likely to notice it which increase the brand awareness of business.
2. Targeted marketing influencers usually focus on special topics. Brands can work with influencer whose followers match their ideal customers, making sure that their message gets the right audience.
3. Enhanced credibility consumers are more likely to trust recommendations from saman they follow and admire. Influencers promotion significantly enhance brand credibility.
4. Cost effective compared to traditional ad method ,influencer marketing can be more cost effective, especially when working with micro influencer who have a smaller but highly engaged audience base.

Conclusion : Influencers marketing has revolutionised have brands connect with consumers, by turning social media platform into powerful marketing channels. Bike combining the trust and engagement that influencers have built with their followers, businesses can reach target audience in more authentic way.

Sumit

M.Com (4th Sem.)

JOBLESS GROWTH

It is a phenomenon where the level of GDP increases in the economy without a perceptible rise in the level of employment; i.e. GDP growth happens to be faster than employment growth.

Jobless growth leads to chronic unemployment even when there is a rise in the GDP growth rate. It occurs due to the greater use of efficient technology rather than greater use of manpower in achieving the desired level of GDP growth. In India between 1951 and 2000, while annual GDP growth rate had risen from 3.6 per cent to around 8 per cent, the growing rate of employment has tended to slide down from 1.5 per cent to just about 1 per cent, thereby resulting in jobless growth. Employment Elasticity (ratio of employment growth to growth in value added) has declined progressively over time and across sectors. During 1972-73 to 1983, employment elasticity was 0.52 per cent and it declined to 0.41 per cent in the next 10-year period and further to 0.29 per cent during 1993-94 to 2004-05. During 2004-05 to 2011-12, employment

elasticity came down further to just 0.04 per cent (almost zero).

In the agricultural sector, employment elasticity has fallen quite fast and has even turned negative (-0.42%) between 2004-05 and 2011-12. It was 0.46 per cent between 1972-73 and 1983. This has occurred as we have relied more and more on labour-saving Western technology. Our economy has been bound to adopt labour-saving technology as the economy lacks sufficient investment capital and we have to depend on FDI.FDIs coming to India are generally linked with efficient foreign technology, and due to this, less labour is used in the process of production. As a result, we find the occurrence of better GDP growth but without sufficient growth in employment. As the reliance on FDI cannot be minimised in the current scenario, correction of jobless growth stands as a great challenge for the Indian economy.

Ankush Saini
M.Com (4th Sem.)

FOOD PRICE SHOCKS: A ROADBLOCK TO GROWTH IN INDIA

Food price shocks remain a persistent challenge for India's economic growth, often derailing inflation targets and household budgets. These shocks, characterized by a sudden and steep rise in the prices of essential food items, are primarily driven by climate variability, supply chain inefficiencies, and policy interventions. As noted by the Reserve Bank of India (RBI), "high and volatile food prices remain a major driver of inflation, disproportionately affecting the poor and vulnerable." One of the primary causes is climate-related disruptions, such as unseasonal rains and droughts, which reduce agricultural output. Additionally, global dependencies play a role, particularly in commodities like edible oils, where domestic prices are influenced by international markets. "India's reliance on imports for key food products amplifies its vulnerability to global price shocks," highlights a recent report by the Food and Agriculture Organization (FAO). The ripple effects of such shocks are far-reaching. Rising food prices increase inflation, forcing households to allocate more income to essentials. This leaves less for discretionary spending, impacting demand in non-food sectors and slowing economic growth. Moreover, rural households dependent on agriculture face uncertainty in incomes, further exacerbating inequality. According to a policy expert, "food price shocks create a dual burden--hurting consumers and destabilizing rural livelihoods." To tackle these challenges, India needs a multi-pronged approach. Modernizing storage infrastructure, improving logistics, and promoting crop diversification are crucial steps. Technological advancements, such as precision farming and weather forecasting tools, can mitigate risks. A robust buffer stock system, as advocated by economists, could also help stabilize prices. As one policymaker aptly stated, "ensuring food price stability is not just about economic growth it's about protecting livelihoods and ensuring food security." In a country where food inflation can swiftly translate into political and social unrest, addressing food price shocks is imperative for sustainable growth.

Anju
M.Com (4th Sem.)

EFFECTIVE STRATEGIES FOR DIGITAL BUSINESS PROMOTION IN INDIA

In the dynamic landscape of today's digital era, promoting a business online is no longer optional; it is imperative for success. Digital promotion refers to leveraging various digital platforms and technologies to market products or services effectively. In India, the rise of internet penetration and smartphone usage has fuelled the adoption of digital marketing strategies across industries. Below are some key methods to digitally promote a business in India:

1. Social Media Marketing :Social media platforms like Facebook, Instagram, Twitter, and LinkedIn serve as powerful tools to connect with target audiences, enhance engagement, and build brand awareness. Businesses can utilize these platforms to: Run targeted advertising campaigns, Share engaging posts to boost visibility and collaborate with influencers to expand reach.
2. Search Engine Optimization (SEO): SEO focuses on improving a website's visibility on search engine results pages (SERPs). Given that a majority of Indian consumers use search engines to discover products and services, SEO is vital to: Attract organic traffic, Enhance website ranking for relevant keywords, Improve user experience and website credibility.

3. Pay-Per-Click (PPC) Advertising : PPC advertising is a cost-effective method to drive traffic and generate leads. Businesses can run PPC ads on platforms like Google Ads or social media channels to: Gain immediate visibility, Target specific demographics, and Measure campaign performance effectively.
4. Email Marketing : Despite the emergence of newer channels, email marketing remains a trusted method to connect with customers. Businesses can: Share promotional offers and update, nurture leads with personalized content and build long-term customer relationships.
5. Content Marketing :High-quality content plays a pivotal role in establishing thought leadership and engaging audiences. Content strategies may include: Publishing blog posts, infographics, and videos , Sharing industry insights to build trust and driving organic traffic through informative resources.
6. Mobile Marketing : With the ever-increasing smartphone penetration in India, mobile marketing is indispensable. Businesses can leverage: Mobile-friendly websites for seamless user experiences, SMS campaigns to deliver concise and impactful messages and mobile applications to foster customer loyalty.

Conclusion: In the competitive Indian market, adopting a multi-faceted approach to digital promotion is critical for business growth. By combining these strategies, businesses can effectively reach their target audience, enhance brand visibility, and drive sustainable growth.

Kusum Lata
M.Com (4th Sem.)

UNDERSTANDING KNOWLEDGE PROCESS OUTSOURCING (KPO) AND ITS BUSINESS IMPACT

Knowledge Process Outsourcing (KPO) refers to the delegation of knowledge-intensive business activities that require data analysis, management, and delivery of strategic Insights to external service providers. These processes demand advanced analytical and technical skills alongside domain-specific expertise. The term "KPO" is often attributed to Ashish Gupta, former CEO of Evalueserve and co-Founder of Benori Knowledge. Countries such as India, Sri Lanka, Eastern Europe, Poland, and Romania are leading destinations for KPO services. While KPO is an extension of Business Process Outsourcing (BPO), it deals with more complex and strategic business functions, facilitated by robust inter-organizational systems designed to deliver success. In today's competitive business environment, shorter product life cycles and increasing client demands for quality have driven organizations to focus on operational efficiency and value creation. KPO service providers play a critical role in meeting these demands by offering tailored insights and strategies based on in-depth data analysis. Unlike BPO, which focuses on outsourcing labour-intensive operational tasks to reduce costs, KPO enables businesses to leverage external subject-matter experts for specialized tasks. This approach eliminates the need for permanent in-house expertise while enhancing competitiveness and innovation. The flexibility offered by KPO allows organizations to scale their workforce as needed, optimize production costs, and improve efficiency through process innovation. It also enables existing staff, including management, to focus on core functions, thereby boosting overall productivity. However, the implementation of KPO is resource-intensive and requires careful planning. Challenges such as communication barriers, legal complexities, and cultural differences must be addressed to ensure successful integration. When executed effectively, KPO can significantly enhance an organization's operational and strategic capabilities.

Vimmi

M.Com (4th Sem)

UNVEILING THE SHARE MARKET: A GATEWAY TO WEALTH CREATION

The share market, often referred to as the stock market, is a cornerstone of modern financial systems and a vital tool for economic growth. It serves as a platform where shares of publicly listed companies are bought and sold, enabling businesses to raise capital and providing investors with an opportunity to generate wealth. In India, the primary exchanges facilitating these transactions are the Bombay Stock Exchange (BSE) and the National Stock Exchange (NSE). The share market not only reflects the economic health of a country but also acts as a driver of financial inclusion, empowering individuals to participate in wealth creation. Broadly, the share market operates through two segments: the primary market and the secondary market. The primary market is where companies issue shares to the public for the first time through Initial Public Offerings (IPOs). This process helps businesses secure funding for expansion, debt repayment, or other ventures. On the other hand, the secondary market allows investors to trade these shares among themselves. Prices in the secondary market fluctuate based on various factors such as company performance, market sentiment, and broader economic conditions, offering both risks and rewards to participants. The functioning of the share market relies on several key players, including investors, traders, stockbrokers, and regulators. While investors generally aim for long-term wealth accumulation, traders focus on short-term gains by leveraging price movements. Stockbrokers act as intermediaries between individuals and the exchange, facilitating transactions. In India, the Securities and Exchange Board of India (SEBI) plays a pivotal role as the regulator of the share market. It ensures transparency, protects investors' interests, and prevents fraudulent practices, thereby building trust in the financial ecosystem. Investing in the share market offers numerous benefits, making it an attractive option for individuals seeking financial growth. It is a powerful tool for wealth creation, especially when investments are held over the long term. Moreover, the share market provides liquidity, allowing investors to buy or sell shares at any time. Diversification is another advantage, as it enables individuals to spread their investments across various sectors and reduce risks. Furthermore, by owning shares, investors can benefit from dividends and capital appreciation, aligning their financial growth with the success of the companies they invest in.Despite its potential, the share market is not without risks. Price volatility, economic downturns, and market speculation can result in losses. However, informed decisions, thorough research, and a disciplined investment approach can mitigate these risks. For beginners, understanding the fundamentals of the share market and seeking professional advice can pave the way for successful investments. In conclusion, the share market is much more than a trading platform—it is a gateway to financial empowerment and wealth creation. By providing opportunities to invest in businesses, it bridges the gap between savings and investments, contributing to individual prosperity and the nation's economic growth. For those willing to navigate its complexities, the share market holds immense potential as a reliable and rewarding avenue for building wealth.

Preeti
M.Com (4th Sem)

INDIRECT TAXES NOT REPLACED BY GST

Basic Customs Duty – It is charged on goods imported to India. It is imposed under Customs Act, 1962. The rates of basic customs duty vary from 5 per cent to 40 per cent from product to product.

Surcharge on Customs Duty-It is basically tax on tax. A social welfare surcharge of 10 per cent is levied on aggregate duties of customs on import of goods.

Customs Cess-It is again tax on tax and is levied for a specific purpose. Customs cess is 3 per cent on aggregate of customs duty.

MotorVehicle Tax – It is imposed by State Government on two wheelers, cars and passenger and commercial vehicles.

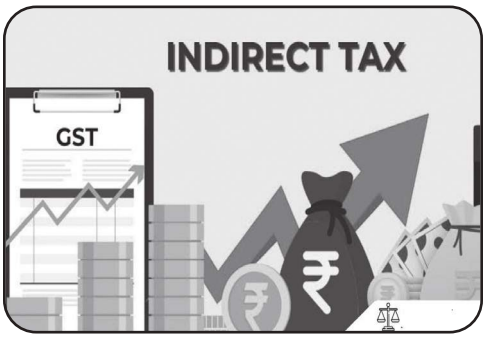

Stamp Duty – It is a type of tax or duty which is paid for transactions performed within the state by way of documents, where such documents are liable to be stamped as per the provisions of the State Stamp Act and Indian Stamp Act, 1899. Such documents include all agreements, bonds, powers of attorney and others. It differs from state to state. Example When a person buys a property, he or she has to pay stamp duty along with registration fees.

State Excise Duty- Excise duty is an indirect tax levied on excisable goods which are manufacturing in India and are meant for home consumption. It is a tax on manufacturing, which is paid by the manufacturer, who passes its incidence to the customers. Majority of excise duties were levied by Central Government, and they have been subsumed into GST

However, excise duty on liquor, which is levied by State Governments, is not subsumed into GST. Also, excise duty on petroleum products, which is levied by Central Government, is not subsumed under GST.

VAT on petroleum products -GST has replaced CENVAT, state VAT and even service tax. However, VAT on petroleum products is not subsumed under GST.

Anti-Dumping and Safeguard Duties- When any product is exported by an exporter/producer into the territory of India at less than its normal value in its home country, the Central Government levies Anti-Dumping Duty.

Whereas Safeguard Duty is imposed if unexpectedly increasing imports pose a threat to domestic industries of that particular product. It can be imposed only if a sudden increase in imports has caused or threatened to cause serious injury to the domestic industry. Both the above duties are levied under Customs Tariff Act, 1975.

Along with the above-mentioned taxes, toll tax, entertainment tax levied by local bodies, etc. are not subsumed under GST. Also, central excise duty on crude petroleum, high-speed petrol, natural gas, aviation turbine fuel (ATF) and tobacco and tobacco products are levied separately and have not been subsumed under GST.

Mohit
M.Com (4th Sem.)

Technological advances have made the internet a threat to consumer privacy. Information is collected and not only people who register, shop, or use email, but a boon those who just surf the internet, participate in social networks, or contribute to blogs! Individuals are increasingly fearful of databases concerned about their online privacy. Hence, they use several ways to protect themselves, including providing false information about themselves (e.g., disguising their identity)using technology like Microsoft's in private browsing, anti-spam filters, email shredders, and cookie-busters to hide the identity of their computers from websites refusing to provide information and avoiding websites that require personal information to be disclosed. Such consumer responses will make information used in CRM systems inaccurate and incomplete, thereby reducing the effectiveness of a firm's customer relationship marketing and its efforts to provide more customized, personalized, and convenient service. Firms can take several steps to reduce consumer privacy concerns, including customers' fairness perceptions are key marketers need to be careful about how they use .the information they collect and whether consumers see their treatment and outcomes as fair. In particular, marketers should continually provide the customer with enhanced value such as customization, convenience, and improved offers and promotions to increase fairness perceptions of the information exchange. The information asked for should be perceived to be related to the transaction, especially if it is highly sensitive. Therefore, firms should clearly communicate why the information is needed, and how information disclosure will benefit the consumer. Firms should have a good privacy policy in place, one that can be readily found on its websites, is easily understood and is comprehensive enough to be effective. Ideally, websites should give customers. Control over how their information can be used. Fair information practices need to be embedded in the work practices of all service employees to prevent any situation whereby an employee may allow personal customer information to be misused. Firms should have high ethical standards of data protection. They can use third party endorsements like trust or the better business bureau and have recognizable privacy seals displayed clearly on their website.

Ujjwal
B.Com (6th Sem.)

Deficit financing is defined as financing the budgetary deficit through public loan and creation of new money . If the deficit financing is undertaken to finance lower revenue expenditure and higher capital expenditure it is good for the economy. It is because the borrowings in this case are routed to create capital assets in the economy, which may lead to increased production and higher GDP.

On the other hand, if the majority of deficit financing is spent to meet revenue expenditure, it could be worst for a developing economy like India. It is because only routine expenses are tackled through this huge liability in terms of borrowings and not in the creation of capital assets, which may increase productive capacity of our economy.

India first used this tool in 1969 and since then it became a routine phenomenon till 1991 in order to tackle higher and higher fiscal deficits. The fiscal deficit which was below 4 per cent of GDP till the 1970s climbed above 7 per cent in the second half of the 1980s. The revenue deficit also increased considerably. Thus, India was bound to resort to deficit financing.

However, India after 1991 gradually moved towards fiscal reforms in the form of fiscal consolidation to reduce its dependence on deficit financing. In this regard, the Fiscal Responsibility and Budget Management Act (FRBM Act) was enacted in 2003. However, even after various measures undertaken, government has not been able to bring fiscal deficit to the desired level.

Anuj

M.Com (2nd Sem.)

ईवी का भविष्यः एक व्यवसायिक दृष्टिकोण

आज के समय में जब प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन एक बड़ी चुनौती बन चुके हैं, विद्युत गाडियां (ईवी) न केवल पर्यावरण को बचाने का एक उपाय हैं, बल्कि व्यवसायिक दृष्टिकोण से भी बड़ी संभावना रखती हैं। ये गाड़ियां पेट्रोल और डीजल के विकल्प के रूप में उभर रही हैं और उद्योग के हर क्षेत्र पर प्रभाव डाल रही हैं।

ईवी की व्यवसायिक आवश्यकताः ईवी गाड़ियां पारंपरिक वाहनों की तुलना में पर्यावरण के अनुकूल हैं। इनसे न तो वायु प्रदूषण होता है और न ही ध्वनि प्रदूषण। व्यवसायों के लिए यह एक स्थायी और लाभदायक निवेश बनती जा रही हैं, खासकर उन उद्योगों के लिए जो अपने कार्बन पदचिह्न को कम करना चाहते हैं।

ईवी के व्यवसायिक फायदे : नवीन बाजार का निर्माणः ईवी उद्योग नए व्यवसायिक अवसर प्रदान कर रहा है, जैसे बैटरी उत्पादन, चार्जिंग स्टेशन निर्माण, और सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट। दीर्घकालिक लाभः पेट्रोल-डीजल के लगातार बढ़ते दामों की तुलना में ईवी का उपयोग व्यवसायों को लंबे समय तक आर्थिक लाभ प्रदान कर सकता है। स्थानीय रोजगार का सृजनः ईवी निर्माण, रख-रखाव और चार्जिंग नेटवर्क से संबंधित व्यवसाय स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर बढ़ा सकते हैं।

ईवी और बैटरी कचरे का भविष्य पर प्रभाव : बैटरी का डिस्पोजलः ईवी में उपयोग की जाने वाली लिथियम-आयन बैटरियां जब अपनी उपयोगिता समाप्त कर देती हैं, तो इन्हें निष्पादित करना एक बड़ी चुनौती बन जाती है। इन बैटरियों में जहरीले रसायन होते हैं, जो मिट्टी और पानी को प्रदूषित कर सकते हैं। स्वास्थ्य पर प्रभावः बैटरी के खराब प्रबंधन से जहरीले पदार्थ हवा और पानी में मिल सकते हैं, जिससे इंसानों और जानवरों के स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। कचरा प्रबंधन की समस्या बैटरी कचरे के बड़े पैमाने पर बढ़ने से कचरा प्रबंधन की व्यवस्था पर दबाव बढ़ेगा, जो पर्यावरणीय जोखिम को और बढ़ा सकता है। भविष्य की पीढ़ियों पर प्रभावः दुर्लभ धातुओं की घटती उपलब्धता के कारण अगली पीढ़ी को संसाधनों की कमी का सामना करना पड़ सकता है।

बैटरी की जगह हाइड्रोजन का व्यवसायिक महत्व : तेज रीफ्यूलिंग हाइड्रोजन वाहनों को कुछ ही मिनटों में रीफ्यूल किया जा सकता है, जो व्यावसायिक बेड़े और लॉजिस्टिक्स के लिए समय बचाता है। लंबी दूरी और लोड कैपेसिटीः हाइड्रोजन वाहन अधिक भार ले जा सकते हैं और लंबी दूरी तय कर सकते हैं। कार्बन-न्यूट्रल परिवहनः हाइड्रोजन का इस्तेमाल पर्यावरण को नुकसान पहुंचाए बिना व्यावसायिक परिवहन के लिए किया जा सकता है। प्रौद्योगिकी का विस्तारः हाइड्रोजन तकनीक से जुड़े व्यवसाय, जैसे उत्पादन, भंडारण और वितरण में निवेश की बड़ी संभावनाएं हैं।

व्यवसायों के लिए भविष्य की रणनीतियां : हरित निवेशः कंपनियों को ईवी और हाइड्रोजन तकनीक में निवेश करना चाहिए, जो भविष्य में लाभदायक साबित हो सकती है। इंफ्रास्ट्रक्चर में योगदानः बड़े उद्योग चार्जिंग और हाइड्रोजन रीफ्यूलिंग स्टेशनों के निर्माण में निवेश कर सकते हैं। शोध और विकासः ईवी और हाइड्रोजन तकनीक को बेहतर बनाने के लिए आरएंडडी में निवेश करना जरूरी है। ईवी और हाइड्रोजन तकनीक न केवल पर्यावरण के लिए लाभकारी है, बल्कि व्यवसायों के लिए भी बड़े अवसर पैदा कर रही हैं। हालांकि, ईवी बैटरी से जुड़ी पर्यावरणीय समस्याओं और संसाधनों की कमी को

हल करना भविष्य की पीढ़ियों के लिए अनिवार्य होगा। स्थायी और लाभदायक भविष्य के लिए इन तकनीकों में निवेश करना और इनसे जुड़ी चुनौतियों को हल करना जरूरी है।

क्या हम ईवी बैटरियों के सुरक्षित डिस्पोज़ल और इनसे जुड़े स्वास्थ्य प्रभावों पर ध्यान दिए बिना इन्हें बड़े पैमाने पर अपना सकते हैं?

सागर

एम. कोम (चौथा समैस्टर)

LEGAL LITERACY CELL

SANSKRIT DEPARTMENT ACTIVITIES

NCC AIR WING

अखिल भारतीय वायु सैनिक कैम्प बेंगलुरु में कैडेट एकमप्रीत और कैडेट सौरभ के सिल्वर मैडल जितने पर सम्मानित किया गया

ATC कैम्प में ट्राफी और मेडल जीत कर आने पर प्राचार्या डॉ. रेखा त्यागी कैडेट्स को बधाई देते हुए

अखिल भारतीय वायु सैनिक कैम्प बेंगलुरु 2024 में एरोमोड़ेलिंग के कैडेट्स जीती हुई ट्राफी साथ

महाविद्यालय में आयोजित रक्तदान शिविर में रक्तदान के बाद सर्टिफिकेट के साथ एनसीसी एयर विंग कैडेट्स

एनसीसी एयर विंग कैडेट्स राष्ट्रीय एकता दिवस में सहभागिता करते हुए

अखिल भारतीय वायु सैनिक कैम्प बेंगलुरु में कैडेट सौरभ के सिल्वर मैडल जितने पर महाविद्यालय में सम्मानित किया गया

एनसीसी एयर विंग कैडेट एरोमोड़ेलिंग एयर शो का प्रदर्शन करते हुए

कैडेट सीनियर अंडर ऑफिसर हर्ष का दिल्ली गणतंत्र दिवस 2025 परेड में भाग लेकर एनसीसी यूनिट में पहुँचने पर कमांडिंग ऑफिसर विंग कमांडर सेनिन बशीर स्वागत

अखिल भारतीय वायु सैनिक कैम्प बेंगलुरु 2024 में लाइन एरिया की ट्राफी एवं मैडल के साथ एनसीसी एयरविंग कैडेट्स और महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. रेखा त्यागी

कमांडिंग ऑफिसर विंग कमांडर सेनिन बशीर कैडेट्स को माइक्रोलाइट एयरक्राफ्ट की ट्रेनिंग देते हुए

NCC AIR WING

अखिल भारतीय वायु सैनिक कैम्प बेंगलुरु 2023 में एनसीसी ऑफिसर फ्लाइट लेफ्टिनेंट डॉ. सुरेश दुग्गल के नेतृत्व में कैडेट्स ने लाइन एरिया की ट्राफी एवं मैडल जीते

अखिल भारतीय वायु सैनिक कैम्प बेंगलुरु 2023 में एनसीसी ऑफिसर फ्लाइट लेफ्टिनेंट डॉ. सुरेश दुग्गल के नेतृत्व में कैडेट्स ने लाइन एरिया की ट्राफी एवं मैडल जीते

प्राचार्य डॉ. रेखा त्यागी कैडेट सीनियर अंडर ऑफिसर हर्ष का दिल्ली गणतंत्र दिवस 2025 परेड में भाग लेकर महाविद्यालय पहुँचने पर स्वागत करते हुए

प्राचार्य डॉ. रेखा त्यागी कैडेट सीनियर अंडर ऑफिसर हर्ष का दिल्ली गणतंत्र दिवस 2025 परेड में भाग लेकर महाविद्यालय पहुँचने पर स्वागत करते हुए

एनसीसी के नए सत्र में भर्ती के लिए इंटरव्यू देते विद्यार्थी

कैडेट सार्थक सैनी व् कैडेट शिवम् अखिल भारतीय वायु सैनिक कैम्प बेंगलुरु में एरोमोड़ेलिंग का प्रदर्शन करते हुए

BLOOD DONATION CAMP

WOMEN CELL ACTIVITIES

Workshop on garment manufacturing

Exhibition cum sale on the occasion of Diwali

Thali decoration competition

Poster making competition

Best of waste competition

Girls educational tour at Chandigarh

Nukkad Natak on Nutrition Week

Extension Lecture on 'Health and Hygiene for Women'

Distribution of deworming tablets on 'National Deworming Day'

Mehandi competition

SCIENCE EXHIBITION

NCC ARMY WING

TANNU 1ST POSITION IN CULTURAL AND SPORTS EVENT HELD AT SECUNDERABAD AP AND T DTE NCC 2023 (EBSB CAMP)

YOGESH KUMAR: RDC PARADE AT KARTWYAPATH NEW DELHI 2024

SAMEER KUMAR: 1ST POSITION IN ROCK CLIMBING AND ARTIFICIAL WALL CLIMBING AT RCTC CAMP JUNAGARH 2023

CADET ADITYA GOT 1ST POSITION FOR HIS OUTSTANDING PERFORMANCE IN NIM, UTTARKASHI CAMP HELD IN JUNE 2024

NCC ARMY BOYS GOT 3RD POSITION IN REPUBLIC DAY PARADE 2025 HELD AT POLICE LINE KARNAL (12 CADETS OF THE COLLEGE)

NCC ARMY BOYS GOT 3RD POSITION IN REPUBLIC DAY PARADE 2025 HELD AT POLICE LINE KARNAL (12 CADETS OF THE COLLEGE)

ANURAG 1ST POSITION IN SOLO SONG AT ODISHA COASTAL TREK-I, PURI JANUARY 2025

CADET ANURAG AND ANKUSH ALONG WITH CADET OF AIR WING FROM OUR COLLEGE PARTICIPATE IN ODISHA COASTAL TREK-I, PURI JANUARY 2025

TANNU: BEST SPORTS PERSON OF THE COLLEGE IN ANNUAL ATHELETIC MEET MARCH 2024.

LIEUTENANT DR. VIJAY KUMAR GOT 10TH POSITION IN PRE -COMMISSION REFRESHER COURSE AMONG CANDIDATES FROM ALL OVER INDIA

SCIENCE SECTION

Staff Editor
Dr. Navpreet Kaur

Student Editor
Nancy

Content

Sr. N.	Title	Author	Pg. No.
1.	Editorial	Dr. Navpreet Kaur Associate Professor (Comp. Sc)	3
2.	Digital Privacy in the Age of Big Data	Nancy (Student Editor) M.Sc. 2nd (Comp. Science)	4
3.	Exploring the Universe - Astronomy and Cosmology	Aman Singh (M.Sc. 2nd (Computer Sc.)	5
4.	Importance of Data Privacy	Ajay Kumar (B.Sc. 3rd- IT)	6
5.	Supernova	Ravi Kumar (B.Sc. 3rd -IT)	7
6.	Warmhole	Anand Kumar B.Sc. 2nd- N.M.	7
7.	Bioinformatics: Bridging Biology and Computer Science	Mehak B.Sc. 3rd- Med	8
8.	Holistic Approaches to Wellness	Prachi (B.Sc. 2nd- H.Sc)	9
9.	Ocean Pollution	Latika (B.Sc.- Com. Sc.)	9
10.	Cryptocurrency: The Future of Finance	Navin Verma (B.C.A.-Ist)	10
11.	Sentiment Analysis for Social Media Data	Tanya (M.Sc. Ist-Com. Sc.)	11
12.	Nutrition Education for Children's Health	Neha (B.Sc. 2nd-Com.Sc.)	12
13.	The Impact of Space Technology on Modern Society	Mansi (B.C.A.-3rd)	12

Editorial

In today's rapidly evolving world, STEM (Science, Technology, Engineering, and Mathematics) education has become a cornerstone of academic growth and professional success. As industries advance and new technologies emerge, the demand for individuals proficient in these fields continues to rise. But what makes STEM education so crucial, and why should students embrace it wholeheartedly?

- **What is STEM Education?**
  STEM education integrates the disciplines of science, technology, engineering, and mathematics into a cohesive learning framework. Rather than treating these subjects as isolated fields, STEM emphasizes hands-on, inquiry-based learning. This approach nurtures critical thinking, problem-solving, and collaboration skills—abilities that are invaluable in both academic and real-world contexts.
- **Fostering Critical Thinking and Problem-Solving**
  One of the primary goals of STEM education is to cultivate critical thinking and problem-solving abilities. By engaging students in real-world challenges and projects, STEM encourages them to analyze problems, develop innovative solutions, and apply scientific and mathematical principles to practical scenarios. These skills not only prepare students for complex academic endeavors but also equip them for life beyond the classroom.
- **Promoting Innovation and Creativity**
  In a world where innovation drives progress, STEM education plays a pivotal role in sparking creativity. Through project-based learning and experimentation, students are encouraged to think outside the box, explore uncharted territories, and challenge conventional wisdom. Such experiences empower students to become inventors, creators, and pioneers—individuals who can lead and inspire change.
- **Preparing for Future Careers**
  The skills acquired through STEM education are highly valued in today's competitive job market. From engineering and computer science to healthcare and finance, STEM professionals are in demand across various industries. By gaining a strong foundation in STEM, students can unlock a range of career opportunities, ensuring their relevance and success in a rapidly evolving economy.
- **Addressing Global Challenges**
  Beyond personal growth and career prospects, STEM education also has a significant societal impact. A STEM-literate workforce is better equipped to address pressing global issues such as climate change, healthcare disparities, and cybersecurity threats. As the world faces increasingly complex problems, the need for innovative solutions has never been more critical.
- **The Path Forward**
  STEM education is more than just a curriculum—it's a pathway to a brighter, more innovative future. As students, educators, and future leaders, investing in and embracing STEM can help build a world that is sustainable, equitable, and progressive.
  To all students: whether you're drawn to solving equations, exploring new technologies, designing innovative structures, or understanding the mysteries of the universe—STEM has a place for you. Embrace the challenge, fuel your curiosity, and become a part of the solution.

Dr. Navpreet Kaur
Associate Professor (Comp. Sc)

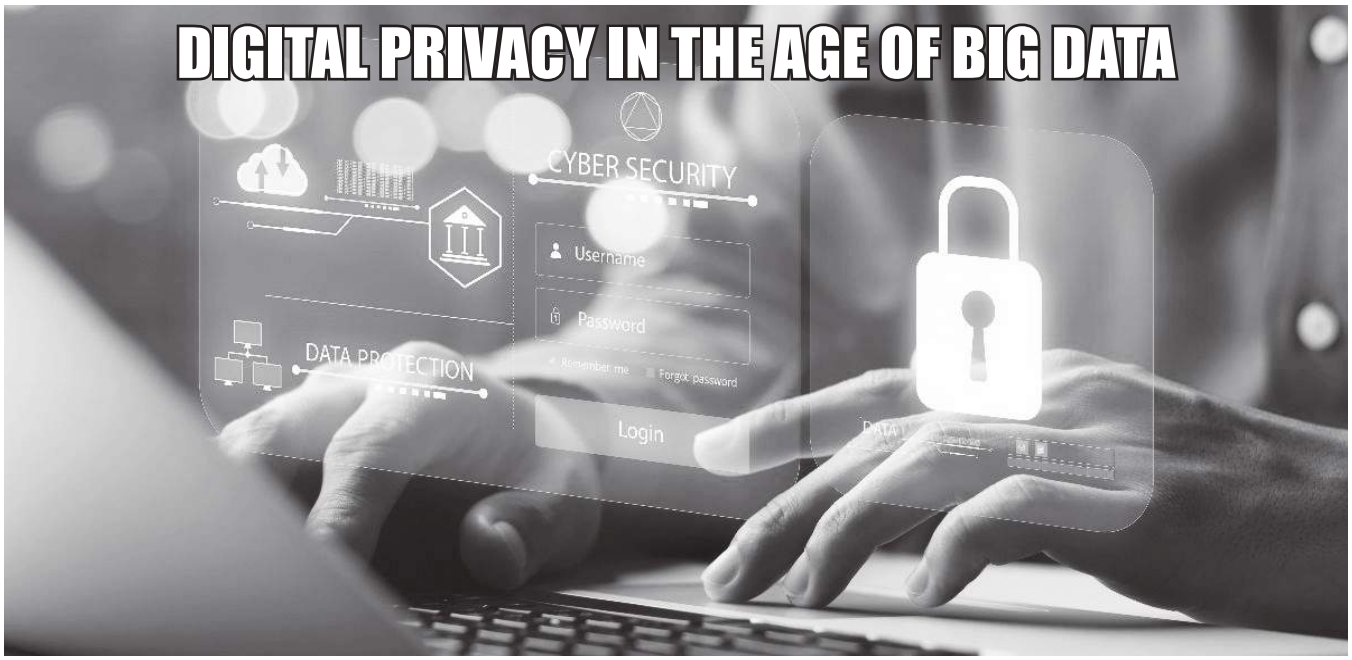

In today's world, data is everywhere. From the websites we visit to the apps we use, companies collect a lot of information about us. This data helps them improve their services, recommend products, and even predict what we might like. But while this is convenient, it raises a big question: How safe is our personal information?

Big data relies on collecting and analyzing massive amounts of user data, often without people realizing it. Social media, online shopping, and even mobile games track what we do and store it. Unfortunately , this has led to privacy problems like data leaks, hacking, and misuse of sensitive information.

Protecting digital privacy has many benefits. It gives people control over their personal information and ensures it's not misused. Strong privacy measures help builds trust between users and companies, making people feel safer online. Privacy also protects our freedom of expression and allows us to use the internet without fear of being tracked or judged. Governments have introduced regulations like the General Data Protection Regulation (GDPR) in Europe, which gives people the right to know, access, and delete the data companies have about them. Similarly, the California Consumer Privacy Act (CCPA) in the U.S. allows users to opt out of data collection and request businesses to delete their personal information.

While laws like these are a big step, it's also up to us to protect our data. Simple steps like using strong passwords, turning on two-factor authentication, and being mindful of what we share online can make a big difference.

As technology grows, balancing innovation and privacy is key. When handled responsibly, big data can improve lives without compromising our rights.

Nancy (Student Editor)
M.Sc. IInd (Comp. Science)

EXPLORING THE UNIVERSE - ASTRONOMY AND COSMOLOGY

The universe, vast and mysterious, continues to captivate scientists and enthusiasts alike. Recent advancements in astronomy and cosmology have unveiled fascinating insights into the cosmos, challenging our understanding and opening new avenues of exploration.

One of the most intriguing discoveries comes from the James Webb Space Telescope (JWST), which has observed galaxies in the deep universe rotating in a preferred direction. This phenomenon supports the theory that our universe might be trapped inside a black hole, a concept that suggests black holes could create new universes. The JWST's findings hint at a preferred axis in the universe, potentially influenced by the rotation of a parent black hole, which could explain the observed asymmetry in galaxy rotations.

In another groundbreaking revelation, astronomers have discovered 128 new moons orbiting Saturn, bringing its total to 274 moons. This discovery surpasses Jupiter's count, making Saturn the new "moon king" of our solar system. These moons, mostly irregular and potato-shaped, provide a glimpse into the early solar system's chaotic past, where collisions and migrations were common.

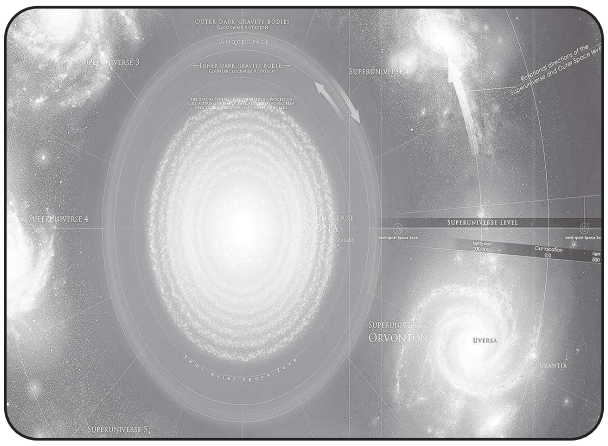

The Hubble Space Telescope has also made significant contributions, identifying a potential triple Kuiper Belt Object. This discovery challenges our understanding of distant celestial systems, suggesting that what was once thought to be a binary system might actually be a triple system.

Cosmologists are grappling with the "Hubble tension," a discrepancy in the rate of the universe's expansion. Recent measurements indicate that the universe is expanding faster than previously thought, posing a challenge to existing cosmological models. This tension has sparked new theories and research aimed at reconciling these discrepancies.

Moreover, a new theory proposes that dark energy, the mysterious force driving the universe's expansion, might undergo changes that could eventually halt this expansion. This idea introduces a cosmic "off switch," suggesting that the universe's fate might not be eternal expansion but a gradual slowing down and eventual stabilization.

As we continue to explore the cosmos, these discoveries underscore the dynamic and ever-evolving nature of our universe. They remind us that despite our advancements, there is still much to learn about the vast expanse that surrounds us. The journey of exploration is far from over, and each new finding brings us closer to unraveling the mysteries of the universe.

Aman Singh

M.Sc. IInd (Computer Science)

IMPORTANCE OF DATA PRIVACY

In today's digital age, data privacy has become a crucial aspect of our online lives. With the increasing amount of personal information being shared online, it's essential to safeguard this information and prevent it from being exploited or misused. Data privacy refers to the protection of personal and sensitive information from unauthorized access, use, disclosure, or destruction. It's a fundamental right that allows individuals to control their personal data and make informed decisions about how it's used.

Importance of Data Privacy:

- Protect against identity theft and financial loss
- Prevent unauthorized access to sensitive information
- Build trust between individuals and organizations
- Comply with data protection laws and regulations
- Enhance a company's reputation and credibility

In today's digital landscape, data privacy is not just a moral obligation, but a legal requirement. Organizations that fail to prioritize data privacy risk facing severe consequences, including fines, reputational damage, and loss of customer trust.

Data Privacy Rules:

The following rules provide data privacy under various jurisdictions:

- ♦ General Data Protection Regulation (GDPR): EU's comprehensive data protection law that applies to any organization that collects, processes, or stores personal data of EU individuals.
- ♦ California Consumer Privacy Act (CCPA): California's data protection law that grants consumers certain rights over their personal data, including the right to know what personal information is being collected and the right to delete personal data.
- ♦ Health Insurance Portability and Accountability Act (HIPAA): US federal law that protects the privacy and security of individuals' health information.
- ♦ Children's Online Privacy Protection Act (COPPA): US federal law that protects the online privacy of children under the age of 13.

Individuals can also take steps to protect their data privacy by being cautious when sharing personal information online. Using strong passwords and two-factor authentication. Regularly reviewing and updating their online accounts and settings. Using encryption and other security measures to protect their data.

In conclusion, data privacy is a critical aspect of our online lives. It's essential to prioritize data privacy to protect against identity theft, build trust, and comply with data protection laws and regulations. By taking steps to protect our data privacy, we can create a safer and more secure online environment.

Ajay Kumar

B.Sc. 3rd- IT

SUPERNOVA

A supernova is a catastrophic explosion of a star that releases an enormous amount of energy, outshining an entire galaxy. These events are so powerful that they can be seen from millions of light-years away. Supernovae are the result of a star's final stages of evolution, where it runs out of fuel and collapses in on itself.

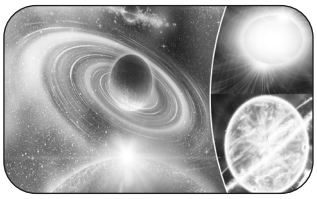

There are two main types of supernovae: Type I and Type II. Type I supernovae occur when a white dwarf star accumulates material from a companion star, causing a thermonuclear explosion. Type II supernovae occur when a massive star runs out of fuel and collapses, causing a massive explosion.

Supernovae are incredibly powerful, releasing as much energy as the sun would in its entire lifetime. They are also responsible for creating many of the heavy elements found in the universe, including iron, nickel, and gold. These elements are essential for life on Earth and are found in many of the planet's rocks and minerals.

Supernovae are relatively rare events, occurring about once every 50 years in a galaxy and are of the size of the Milky Way. However, they play a crucial role in the evolution of the universe, shaping the formation of new stars and planets.

The study of supernovae has provided valuable insights into the universe's history and evolution. By observing supernovae, astronomers can learn about the composition and structure of distant galaxies, as well as the properties of dark matter and dark energy.

In recent years, advances in technology have made it possible to detect supernovae in distant galaxies, providing new opportunities for research and discovery. The study of supernovae continues to be an active area of research, with scientists working to understand the underlying mechanisms of these powerful explosions.

Ravi Kumar
B.Sc. 3rd- IT

WARMHOLE

In the vast expanse of space, there exist hypothetical shortcuts that could revolutionize our understanding of the universe. One such phenomenon is the wormhole, a theoretical passage through space-time that could connect two distant points in the cosmos. Wormholes are predicted by the theory of general relativity, proposed by Albert Einstein in 1915.

Imagine a tunnel or tube that connects two points in space, allowing matter and energy to travel through it. This tunnel would be a shortcut, reducing the distance between two points and potentially enabling faster-than-light travel. Wormholes are thought to be stable, self-sustaining structures that could exist in the fabric of space-time.

The concept of wormholes was first proposed by Einstein and Nathan Rosen in 1935, who described a solution to the equations of general relativity that predicted the existence of these tunnels. Since then, numerous theories and models have been developed to explain the behavior of wormholes.

While wormholes are still purely theoretical, they have captured the imagination of scientists and science fiction enthusiasts alike. If wormholes exist, they could potentially connect two points in space, allowing for faster travel and new opportunities for exploration. However, the stability and feasibility of wormholes remain unclear, and much research is needed to fully understand their properties.

The study of wormholes is an active area of research, with scientists exploring the possibility of detecting these structures using advanced telescopes and observational techniques. While the existence of wormholes remains a topic of debate, the concept continues to inspire new ideas and discoveries in the field of astrophysics.

Anand Kumar
B.Sc. 2nd- N.M.

BIOINFORMATICS: BRIDGING BIOLOGY AND COMPUTER SCIENCE

Bioinformatics is a dynamic field that merges the realms of biology and computer science, revolutionizing how we understand and manipulate biological data. At its core, bioinformatics involves the application of computational techniques to manage, analyze, and interpret vast amounts of biological data, such as DNA sequences, protein structures, and gene expressions.

The synergy between biology and computer science in bioinformatics is evident in its applications. For instance, bioinformatics tools are crucial in genomics, where they help decode the human genome and identify genetic variations linked to diseases. This has profound implications for personalized medicine, allowing for tailored treatments based on an individual's genetic makeup.

Moreover, bioinformatics plays a pivotal role in drug discovery. By analyzing biological data, scientists can predict how different compounds will interact with biological systems, accelerating the development of new drugs and therapies. This interdisciplinary approach not only speeds up the research process but also enhances the accuracy of predictions, leading to more effective treatments.

The field is also advancing rapidly with the integration of artificial intelligence (AI). AI algorithms can process and analyze complex biological data more efficiently than traditional methods, uncovering patterns and insights that were previously inaccessible. This has led to breakthroughs in areas such as disease diagnosis, where AI-driven bioinformatics tools can detect subtle genetic markers indicative of various conditions.

Bioinformatics is not just limited to medical applications; it extends to environmental sciences, agriculture, and evolutionary biology. For example, it helps in understanding biodiversity by analyzing genetic data from different species, aiding in conservation efforts and the study of evolutionary relationships.

In conclusion, bioinformatics is a transformative field that bridges biology and computer science, offering innovative solutions to complex biological problems. As technology continues to evolve, the potential of bioinformatics to drive scientific discovery and improve human health is boundless. This interdisciplinary approach is not only reshaping scientific research but also paving the way for future advancements in various fields.

Mehak

B.Sc. 3rd- Med

HOLISTIC APPROACHES TO WELLNESS

In today's fast-paced world, achieving optimal wellness has become a top priority for many individuals. While traditional approaches to health often focus on treating symptoms, holistic approaches consider the entire person - body, mind, and spirit. By integrating various aspects of life, holistic wellness aims to promote balance, harmony, and overall well-being.

Key Components of Holistic Wellness:

- Physical Well-being: Regular exercise, balanced nutrition, and sufficient rest are essential for maintaining a healthy body.
- Mental Well-being: Cultivating a positive mindset, managing stress, and developing emotional resilience are crucial for mental health.
- Emotional Well-being: Acknowledging and expressing emotions in a healthy manner is vital for emotional intelligence and well-being.
- Social Well-being: Nurturing healthy relationships, fostering a sense of community, and seeking social support are essential for social well-being.
- Spiritual Well-being: Finding meaning and purpose in life, connecting with something greater than oneself, and embracing a sense of wholeness are essential for spiritual well-being.

♦ **Benefits of Holistic Wellness:**

- Improved physical and mental health
- Increased emotional intelligence and resilience
- Enhanced social connections and relationships
- Greater sense of purpose and meaning in life
- Improved overall well-being and quality of life
- Incorporating Holistic Approaches into Daily Life
- Practice mindfulness and meditation
- Engage in regular physical activity and exercise
- Prioritize self-care and stress management
- Nurture healthy relationships and social connections
- Explore spiritual practices and connect with something greater than oneself

By embracing holistic approaches to wellness, individuals can achieve a more balanced and fulfilling life. By considering the entire person body, mind, and spirit - holistic wellness offers a comprehensive and integrated approach to achieving optimal well-being.

Prachi
B.Sc. IInd (H.Sc)

Ocean pollution is a pressing environmental issue that threatens marine ecosystems and human health. The primary causes of ocean pollution are diverse, ranging from land-based activities to industrial discharges. One of the most significant contributors is plastic waste. Single-use plastics, such as bags, bottles, and food wrappers, often end up in the ocean, where they break down into micro plastics that marine life can ingest, leading to severe health issues and even death.

Chemical runoff from agricultural activities is another major source of ocean pollution. Fertilizers, pesticides, and herbicides used in farming wash into rivers and eventually reach the ocean, causing eutrophication. This process leads to excessive nutrient levels in the water, resulting in harmful algal blooms that deplete oxygen and create dead zones where marine life cannot survive.

Oil spills from shipping accidents and offshore drilling also contribute significantly to ocean pollution. These spills release large quantities of oil into the marine environment, causing immediate and long-term damage to marine life and habitats.

To combat ocean pollution, several solutions can

be implemented. Reducing plastic production and waste is crucial. This can be achieved by promoting the use of reusable products, implementing effective recycling programs, and supporting policies that ban single-use plastics. Improving wastewater treatment systems can help reduce the amount of chemicals and nutrients that enter the ocean from land-based sources.

Additionally, stricter regulations on industrial discharges and better enforcement of existing environmental laws can help minimize chemical pollution. Public awareness campaigns and educational programs can also play a vital role in reducing ocean pollution by encouraging responsible consumer behavior and fostering a culture of environmental stewardship.

In conclusion, addressing ocean pollution requires a multifaceted approach that includes reducing plastic waste, improving wastewater management, regulating industrial discharges, and raising public awareness. By taking these steps, we can protect our oceans and ensure a healthier planet for future generations.

Latika (B.Sc.- Com. Sc.)

CRYPTOCURRENCY: THE FUTURE OF FINANCE

Cryptocurrency is rapidly reshaping the financial landscape, offering a decentralized, secure, and efficient alternative to traditional banking systems. As we look to the future, it's clear that digital currencies will play a pivotal role in transforming how we conduct financial transactions and manage assets.

The rise of cryptocurrencies like Bitcoin and Ethereum has demonstrated their potential to revolutionize finance. Bitcoin, often referred to as digital gold, has become a store of value and a hedge against inflation. Ethereum, on the other hand, has pioneered smart contracts and decentralized applications (dApps), enabling automated and secure financial services without intermediaries.

One of the key drivers of cryptocurrency adoption is the growing demand for decentralized financial systems. These systems offer transparency, security, and autonomy, which are increasingly valued in an era of economic uncertainty and distrust in traditional financial institutions. The integration of blockchain technology ensures immutable transaction records, fostering trust among users and institutions alike.

Moreover, the adoption of stable coins has addressed concerns around volatility, making cryptocurrencies more suitable for everyday transactions and cross-border payments. This has been further propelled by the growing popularity of digital payments, accelerated by the COVID-19 pandemic.

Institutional adoption is another critical factor driving the growth of cryptocurrencies. Major companies and investment firms are recognizing digital assets as a legitimate asset class, with hedge funds and venture capitalists increasingly allocating resources to this burgeoning market. The rise of decentralized finance (DeFi) platforms is also contributing to this trend, offering banking services without traditional intermediaries and providing unprecedented financial inclusion.

As consumer preferences shift towards digital assets, the integration of cryptocurrency with mainstream financial services is influencing behavior. Payment giants like Visa and Mastercard now offer crypto-linked cards, allowing users to spend their digital assets seamlessly in everyday transactions. This trend is expected to continue as awareness and education around blockchain technology grows, solidifying cryptocurrencies' role in the future financial landscape.

In conclusion, cryptocurrencies are not just a passing fad but a transformative force in finance. As they continue to evolve and gain acceptance, they will play an increasingly important role in shaping the future of financial systems worldwide.

Navin Verma (B.C.A.-Ist)

SENTIMENT ANALYSIS FOR SOCIAL MEDIA DATA

In today's digital age, social media platforms have become a vital part of our daily lives, offering a space for people to express their thoughts and opinions on a wide range of topics. For colleges and universities, understanding these sentiments can provide valuable insights into student experiences, campus culture, and public perception. This is where sentiment analysis comes into play.

Sentiment analysis, a branch of natural language processing (NLP), involves analyzing text data to determine the emotional tone behind it. By applying this technique to social media data, institutions can gain a deeper understanding of how students feel about various aspects of college life, from academic programs to campus events.

One of the primary benefits of sentiment analysis is its ability to identify trends and patterns in public opinion. For instance, if a significant number of students express negative sentiments about a particular course or professor, the college can take proactive measures to address these concerns. Conversely, positive sentiments can highlight successful programs or initiatives that should be further promoted.

Moreover, sentiment analysis can help colleges manage their online reputation. By monitoring social media conversations, institutions can quickly identify and respond to negative feedback, thereby mitigating potential crises and maintaining a positive image. This proactive approach not only enhances the college's reputation but also fosters a sense of trust and transparency among students and stakeholders.

However, implementing sentiment analysis is not without its challenges. Cultural differences, language nuances, and the sheer volume of data can impact the accuracy of sentiment analysis tools. To overcome these hurdles, colleges must invest in advanced NLP technologies and ensure that their sentiment analysis models are regularly updated and fine-tuned.

In conclusion, sentiment analysis of social media data offers colleges a powerful tool to gain insights into student sentiments and improve their overall operations. By leveraging this technology, institutions can create a more responsive and student-centered environment, ultimately enhancing the college experience for all.

Tanya (M.Sc. Ist-Com. Sc.)

NUTRITION EDUCATION FOR CHILDREN'S HEALTH

Nutrition education plays a vital role in shaping children's eating habits and promoting their overall health. As children grow and develop, their nutritional needs change, and it is essential to provide them with the knowledge and skills to make informed food choices.

Importance of Nutrition Education:

- Children who receive proper nutrition education are more likely to develop healthy eating habits and reduce their risk of obesity, diabetes, and other diet-related diseases.
- Nutrition education helps children understand the importance of a balanced diet, including the benefits of fruits, vegetables, whole grains, and lean proteins.
- By teaching children about nutrition, parents and caregivers can empower them to make informed decisions about their food choices and develop a positive relationship with food.

Key Principles of Nutrition Education for Children:

- Start Early: Introduce nutrition education at a young age, using interactive and engaging methods to capture children's attention.
- Make it Fun: Use games, activities, and hands-on experiences to teach children about nutrition and promote healthy eating habits.
- Involve the Whole Family: Encourage parents and caregivers to participate in nutrition education, promoting a collaborative approach to healthy eating.
- Focus on Skills: Teach children essential skills, such as meal planning, cooking, and food preparation, to empower them to make healthy choices.

Ways to Teach Nutrition to Children:

1. Fun and Interactive Learning : Using games, storytelling, and cooking activities make nutrition education engaging. Hands-on experiences like gardening or meal prep teach kids the importance of fresh foods.
2. Role Modeling: Children imitate adults. Parents and teachers should practice healthy eating habits to set a positive example.
3. School-Based Programs: Including nutrition education in school curriculums and offering healthy meal options reinforce good eating habits.

By investing in nutrition education for children, we can help them develop healthy eating habits, reduce their risk of diet-related diseases, and promote overall well-being.

Neha (B.Sc. IInd-Com.Sc.)

THE IMPACT OF SPACE TECHNOLOGY ON MODERN SOCIETY

Space technology has revolutionized our understanding of the universe while enhancing daily life on Earth. From satellites enabling global communication and GPS navigation to space telescopes uncovering cosmic mysteries, advancements in this field continue to shape the future.

One of the most significant breakthroughs is reusable rocket technology, reducing space travel costs and making interplanetary exploration more feasible. Missions to Mars, asteroid mining, and space tourism are now becoming realities. Additionally, space-based solar power and satellite monitoring for climate change highlight the growing role of space tech in sustainability.

Private companies like Space X, Blue Origin, and government agencies such as NASA and ESA are driving innovation, pushing the boundaries of exploration. As humanity prepares for moon bases and Mars colonization, space technology will play a vital role in expanding our reach beyond Earth.

With rapid advancements, space technology is no longer just about exploration—it's a crucial part of global infrastructure, improving communication, disaster management, and even medical research. The future of space technology holds limitless potential, bringing us closer to a multi-planetary existence.

Mansi (B.C.A.-3rd)

GENERAL SECTION

Staff Editor
Dr. Nitika Arora

Student Editor
Keshav Kaushik

Content

Sr. N.	Title	Author	Pg. No.
1.	Editorial	Dr. Nitika Arora	3
2.	How Technology is Changing College Education	Keshav Kaushik	4
3.	Benefits of Mindfulness and Meditation in Students Life	Anjali	5
4.	Bioluminescence: A Natural Glowing Phenomena	Navin Verma	6
5.	Comparison and Its Impact on The Modern World	Tarun	7
6.	The Dark Side of AI: Why It's a Threat to Humanity	Vansh	8
7.	Revolutionizing College Education: The Impact of Technology"	Prince Sharma	9
8.	The Power of Energy: From Atoms to the Cosmos	Rohit Verma	10
9.	Artificial Intelligence	Monika	11
10.	दुनिया का हर कोना	Sanjana	11
11.	वापिस आजा माँ	Raja	12
12.	बढ़ती हुई महंगाई और घटती हुई कमाई	Magan Bhatia	12

Editorial

As we step into another exciting edition of our college magazine, we find ourselves reflecting on the extraordinary journey we've collectively embarked on this academic year. Our college is not just a place of learning; it is a community where ideas, dreams, and ambitions converge to shape us into better individuals, equipped to face the challenges of the world beyond these gates.

This magazine issue serves as a celebration of both the personal and academic growth we've witnessed within our walls. Each page reflects the creativity, talent, and diversity of our student body. From inspiring stories of achievement to thoughtful reflections on the issues that matter most, our magazine is a mirror of our collective spirit and dedication.

But with change comes challenge. As we embrace new opportunities, we must also navigate the uncertainties that come with them. Balancing academic responsibilities, extracurricular activities, and personal well-being can be overwhelming at times. Yet, it is through these challenges that we build resilience, discover our true potential, and support one another. Our college is a space where failure is seen not as an end but as a stepping stone to greater achievements. It is in those moments of difficulty that we learn the most about ourselves and the strength we possess.

This edition of the magazine aims to capture this dynamic journey. From the stories of students who have triumphed over adversity to the deep dives into current global issues that affect us, each article is a testament to the diverse perspectives that make our college community so vibrant. We also take this opportunity to reflect on the importance of mental health, diversity, sustainability, and inclusion—values that are essential in shaping a supportive and thriving college environment.

As you read through this issue, we hope that you find inspiration, encouragement, and perhaps even a bit of laughter. This section is not just a collection of articles—it is a reflection of who we are as individuals and as a community. It is a space where each voice matters, and where the shared experiences of college life come together to form something beautiful.

In conclusion, this magazine is a celebration of growth: growth in knowledge, in character, and in understanding. Let us continue to learn from one another, embrace change, and support each other on this remarkable journey. Together, we can make the most of our time at this institution, creating memories, forging connections, and leaving a legacy for those who will follow in our footsteps.

Thank you for being a part of this vibrant journey. Here's to the endless possibilities that lie ahead.

Warm regards

Dr. Nitika Arora

Assistant Professor (Computer Science)

HOW TECHNOLOGY IS CHANGING COLLEGE EDUCATION

College is Changing: Thanks to Tech!

College isn't just about classrooms and books anymore. Technology is changing everything about how we learn. It's not just extra stuff; it's becoming a big part of how college works.

Learn Anywhere: Online Classes and Learning Gets Real: VR and AR

One of the biggest changes is online learning. Websites like Canvas and Blackboard are like online classrooms. You can find everything you need there: lessons, homework, and ways to talk to your teachers. You can learn whenever you have time. Tools like Zoom let you join classes from anywhere. And if you miss something, you can watch recorded lectures later!

Technology is also making learning more fun and real. Imagine learning about the human body by exploring a virtual one, or building a fake bridge to learn engineering. That's what VR and AR do. They make learning more exciting and help you understand things better.

Learning Just For You: AI and Computers

Computers are getting smarter! They can help you learn in a way that's right for you. AI can see where you're struggling and give you extra help. It can also make assignments harder or easier, depending on how you're doing. And chatbots can answer your questions anytime, so your teachers have more time to help you with other things.

Working Together and Finding Info: Online Tools

It's easier to work with others now. You can use online tools like Google Drive to share documents and work on projects together. You can find almost anything you need online, in digital libraries and databases. And computers can help you understand big amounts of information.

Your phone is now a learning tool! You can use apps and websites to learn anywhere, anytime. You can also connect with other students online, which makes college feel more like a community.

But There Are Problems: Not Everyone Has Tech

Not everyone has access to computers and the internet. We need to make sure everyone can use these tools. Teachers also need to learn how to use technology to teach better. And we need to make sure people aren't cheating online.

College in the Future: Better for Everyone

Technology is making college more flexible, personal, and easy to get to. If we fix the problems, technology can make college a better place for everyone.

Student Editor

Keshav Kaushik

BENEFITS OF MINDFULNESS AND MEDITATION IN STUDENTS LIFE

Meditation and Mindfulness

Amid our student' s busy lives, feeling overwhelmed, stressed, and disconnected is common. However, meditation and mindfulness are powerful tools to help us navigate these challenges gracefully and resiliently.

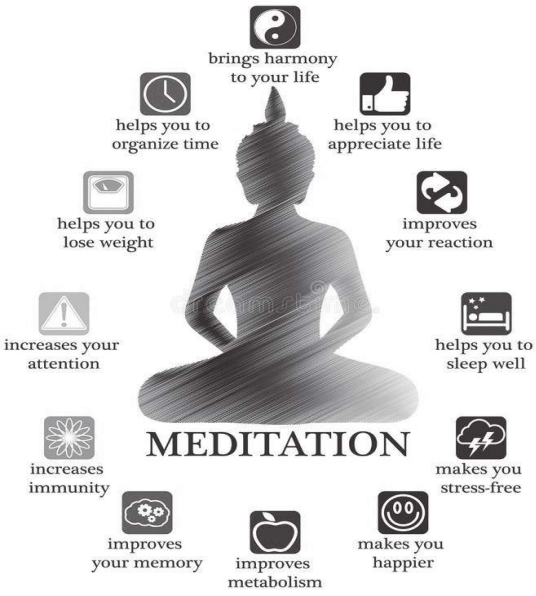

Meditation offers many mental and physical health benefits, including reduced stress, improved concentration, and better emotional control. Research has shown that regular meditation can lead to physical changes in the brain that support improved decision-making and emotional stability.

Mindfulness, closely related to meditation, encourages us to live in the present moment with full awareness and acceptance. This practice cultivates a deeper connection to our thoughts, feelings, and surroundings, fostering a sense of clarity and purpose in our lives. When we practice mindfulness, we become less reactive and more responsive to life's challenges, improving our relationships and overall satisfaction.

So, let' s embrace the power of meditation and mindfulness. Let's take this opportunity to prioritize our mental health and cultivate a more compassionate and resilient society.

The Benefits of Meditation and Mindfulness:

1. Stress Reduction: Meditation and mindfulness techniques are proven to lower cortical levels and reduce overall stress.
2. Improved Focus and Concentration: Regular practice enhances cognitive function and attention span.
3. Emotional Regulation: Helps manage and control emotions more effectively.
4. Enhanced Self-Awareness: Develops a deeper understanding of oneself and personal behaviors.
5. Increased Mindfulness: Encourages living in the present moment, fostering gratitude and appreciation.
6. Better Sleep Quality: Promotes relaxation and improves sleep patterns.
7. Self-compassion: Develops kindness and acceptance towards oneself.
8. Improved Physical Health: Linked to better cardiovascular health and overall well-being.
9. Long-term Psychological Benefits: May reduce symptoms of depression and contribute to long-term mental health.
10. Workplace Benefits: Increases productivity, creativity, and job satisfaction.

Anjali

BSC (IInd Year)

BIOLUMINESCENCE: A NATURAL GLOWING PHENOMENA

Have you ever wondered how some insects like fireflies glow ?

Do they really burn themselves to emit the lights or is that a chemical dance that happens inside them. Let us understand the mechanism,the mystery behind this phenomenon called "BIOLUMINESCENCE".

So, first of all bioluminescence is a phenomenon in which any organism emits light from his body without releasing heat. It is a type of chemiluminescence in which organisms use their inner body chemicals to emit light.

NOW A QUESTION WILL POP-UP IN YOUR MIND THAT IS, WHY DO THESE ORGANISMS PERFORM BIOLUMINESCENCE? DO THEY ENJOY WHILE DOING THAT?

Organisms like fireflies,jellyfishes,starfish etc do this to survive in nature. Means that they do this to attract their prey, give specific signals to their groups and also for attracting the opposite gender to them.

Fun fact → Vaadhoo Island in the Maldives glows because the plankton in that sea biolumine (glow) and that's why the sea is called "SEA OF STARS".

Now we know that 'why' organisms do that but, Do you know 'how'? Let's decode that.

So in a study of late 19th century Raphael Dubois states that there are only two chemicals that are responsible behind bioluminescence and they are "LUCIFERIN" and "LUCIFERASE" which are produced by organisms within them. And also Raphael Dubois come to know that the luciferin chemical is mainly and most commonly used by land animals such as railroad worms,glow worms,fireflies whereas the other chemical i.e luciferase is used by aquatic animals such as dinoflagellates, lanternfish, crustaceans etc.

Fun fact→ Do you know? In a research study it was found that humans also emit some amount of light from their bodies but that was too less to be seen with human eyes.

But there is a really big mystery that was still unsolved even by the scientists: that the bioluminescence phenomena is most common in aquatic animals as compared to land animals and scientists are still researching to get an explanation on it.However you will be amazed to know that in the current world glowing fungus are used by some tribes as their natural light source in the dark. You know that the lifespan of land insects who perform bioluminescence is a week or a couple of months which is literally too short as compared to those of aquatic animals.

Bioluminescence is a beauty of nature which is at the edge of extinction in today's world because of pollution and climatic changes. But if someone really wants to experience bioluminescence then he/she should visit rural areas because rural areas still hold nature's beauty.

Navin Verma

BCA (Ist Year)

COMPARISON AND ITS IMPACT ON THE MODERN WORLD

Comparison is a natural human tendency. From childhood, we compare ourselves with siblings, classmates, and friends. As we grow, we compare jobs, salaries, lifestyles, and even social media followers. While comparison can sometimes be motivating, it often leads to negative effects like stress and dissatisfaction.

♦ **Comparison in Different Areas of Life**

1. **Personal Life :** People compare their looks, financial status, and achievements with others. Social media has made this worse. Seeing others' luxurious vacations, expensive cars, or perfect relationships can make us feel less successful. However, many people only show the best parts of their lives online, hiding their struggles.
2. **Education :** In schools, students are compared based on grades. Parents compare their children with others, which sometimes motivates them but often causes pressure. Instead of focusing on individual strengths, the constant race to be the best can lead to stress and low self-esteem.
3. **Workplace :** Employees compare salaries, promotions, and recognition. If one worker gets a raise while another does not, feelings of jealousy and dissatisfaction can arise. This can reduce motivation and create an unhealthy work environment. However, in a positive way, competition can push people to work harder and improve their skills.
4. **Social and Economic Comparison :** Countries compare their economies, technology, and military power. This competition can lead to progress, as nations strive to improve their industries, education, and healthcare. However, excessive rivalry can result in conflicts, trade wars, and real wars.
5. **Social Media :** Influence The modern world is highly influenced by social media. People compare their likes, followers, and engagement levels. Many feel pressured to look perfect online, which can lead to mental health issues. The fear of not being "good enough" makes people unhappy, even when they have good lives.

♦ **Positive and Negative Impacts of Comparison**

- **Positive Impacts:**
  Motivation – Seeing someone succeed can inspire others to work harder.
  Innovation – Healthy competition pushes businesses, scientists, and creators to improve.
  Self-Improvement – Comparing past and present achievements can help people track their progress.
- **Negative Impacts:**
  Low Self-Esteem – Feeling inferior can lead to depression and anxiety.
  Jealousy and Unhappiness – Instead of appreciating what they have, people focus on what they lack.
  Unrealistic Expectations – Social media creates false standards that are impossible to achieve.

♦ **How to Avoid Negative Comparison**

1. Focus on Personal Growth – Instead of comparing yourself to others, compare yourself to who you were yesterday.
2. Limit Social Media Use – Reducing time on social media can help maintain a positive mindset.
3. Be Grateful – Appreciating what you have can bring happiness and reduce envy.
4. Understand That Everyone Has Struggles – No one's life is perfect, even if it looks.

Conclusion : Comparison is unavoidable in the modern world, but how we handle it determines its effect on our lives. While healthy competition can lead to growth and motivation, excessive comparison can cause unhappiness.

In the end, I want to say that "it's not about how much you have, it's about how happy you are on what you have".

Tarun

BCA (IIIrd Year)

THE DARK SIDE OF AI: WHY IT'S A THREAT TO HUMANITY

Artificial Intelligence (AI) has been taking the world by storm over the last few years, revolutionizing the way we live, work, and communicate with one another. But while AI keeps accelerating at a breakneck pace, fears are emerging about its potential threats. In this report, we will explore the dangers of AI and why it is a threat to humanity.

♦ **The Job Killer**

One of the most serious threats posed by AI is that it will replace human work. As machines and algorithms increasingly become able to do tasks once performed by people, a great many jobs risk being automated. In a report by the McKinsey Global Institute, as many as 800 million jobs worldwide may be lost to automation by 2030. This has the potential to cause mass unemployment, social uprisings, and economic volatility.

♦ **Bias and Discrimination**

AI systems are only as good as the data they're being trained on. If biased or discriminatory data is used, the AI system will reflect those biases, resulting in unjust outcomes. AI-powered facial recognition systems, for instance, have been demonstrated to work less effectively for people with darker skin tones, resulting in potential misidentification and wrongful arrest.

♦ **Cybersecurity Risks**

As AI is becoming more widespread, it also becomes an increasingly desirable target for cyber attacks. AI systems are susceptible to hacking, data theft, and other types of cyber exploitation. This may result in sensitive data being compromised, monetary losses, and even physical damage.

♦ **Killer Robots**

The creation of autonomous weapons, like robots and drones, has strong ethical implications. These weapons have the capability to choose and attack targets independently, increasing the risk of unintended harm to civilians and non-combatants.

♦ **Losing Control**

Lastly, the growing dependence on AI might result in losing human control and agency. As more and more decisions are made by machines and algorithms for us, the risk of losing command over our own lives increases.

Conclusion : Although AI has the power to deliver many positive benefits, it also represents major risks. In order to limit these risks, we must give high priority to transparency, accountability, and human values. These are some recommendations:

1. **Create and enforce strong regulations:** Governments and regulatory agencies should create and enforce strong regulations so that AI systems are created and utilized in manners that value human values and safety.

2. **Invest in AI training and education:** Policymakers and educators should invest in training and education on AI that empowers workers to thrive in an AI economy.
3. **Make transparency and accountability a top priority:** Developers and deployers of AI must make transparency and accountability a top priority, and AI decision-making processes must be explainable and auditable.
4. **Foster human-centered AI design :** AI system developers and deployers should make human-centered design a priority, ensuring that AI systems are designed to support and enhance human abilities, not replace them.

With these actions, we can guarantee that AI is designed and utilized for the good of humanity, not against it.

Vansh

BCA (IIIrd Year)

Technology is changing the way colleges work. Online classes, digital books, and learning systems are now common. Virtual classrooms and video calls make it possible to learn from anywhere, making education more accessible and flexible.

Technology also helps teachers create personalized learning plans for each student. Mobile apps and social media make it easier for students to work together and share ideas. With technology, students get feedback right away, and they can learn from anywhere, at any time.

All these changes are making education better and more effective. The future of education is exciting, and technology will keep making it better. With technology, education is becoming easier and more convenient. This is a big change, and it will have a lasting impact on education.

Prince Sharma

THE POWER OF ENERGY: FROM ATOMS TO THE COSMOS

Energy–it fuels our mornings, powers our devices, and drives the world forward. But how often do we stop to truly consider what energy actually is? Isn't it fascinating how little we understand about something so fundamental?

Everything in the universe possesses energy because all matter is made up of atoms. These atoms have energy due to the forces that bind their subatomic particles. Electrons occupy specific energy levels around the nucleus, driven by electromagnetic interactions. This shows that even at the smallest scales, energy is foundational to the structure of matter. Some objects have only small amounts of energy, while others possess vast amounts.

Interestingly, a person who engages in less physical or mental activity requires less food (and, consequently, less energy) than someone who is highly active. This beautifully illustrates how energy flows and sustains life. I believe that if we fully understood energy, we could unlock the deepest mysteries of the universe, because even the existence of our planet hinges on it. The energy and mass spread during the Big Bang created the very foundation of our universe. In the words of the great scientist Nikola Tesla, "If you want to find the secrets of the universe, think in terms of energy, frequency, and vibration." Energy is the driving force behind vibration and frequency. For example, when a guitar string is plucked, the energy you impart to it causes the string to vibrate, and these vibrations generate specific frequencies.

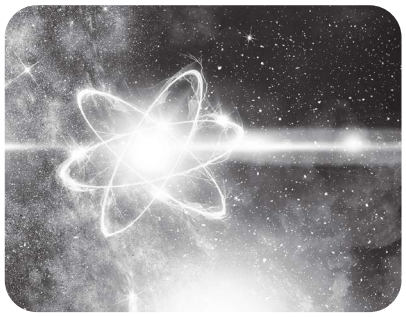

The conversion of energy is truly beautiful. When we speak, we convert the energy within us into words that float through the universe—though we cannot see them. This suggests that different words have varying intensities of energy. So, what are mantras? Are they words that carry an exceptionally high level of energy, floating in the universe, which our ancestors somehow discovered? What is meditation? Is it possible to know something without reading or hearing about it? Can we meditate on a specific energy and gain knowledge of it? I believe that it is indeed possible. There are many things in this universe that exist beyond the grasp of current science. Some things are beyond our current understanding, and some may have no explanation at all.

In the end, energy is not just the driving force behind the physical world, it also seems to be the key to unlocking the deeper, more subtle dimensions of existence. Whether through scientific exploration, philosophical reflection, or spiritual practices like meditation, we are continuously uncovering new ways to connect with and understand the energy that surrounds us. The more we explore, the more we realize that energy is not only the foundation of the universe, but it may also be the gateway to the profound mysteries that lie beyond our current knowledge. Perhaps, in time, we will truly learn to harness its full potential, discovering not only the secrets of the cosmos, but also the deeper truths within ourselves.

Rohit Verma

BCA (IIIrd Year)

ARTIFICIAL INTELLIGENCE

Artificial Intelligence (AI) is a broad field of study that deals with the development of intelligent machines that can perform tasks that typically require human intelligence, such as recognizing speech, making decisions, and understanding natural language.

AI systems can be classified into two main categories: narrow or weak AI and general or strong AI. Narrow or weak AI refers to AI systems that are designed to perform specific tasks, such as recognizing faces or playing chess. These systems do not have the ability to learn or adapt beyond their programmed capabilities.

On the other hand, general or strong. AI refers to AI systems that have the ability to perform any intellectual task that a human can do. These systems are designed to be self-learning and adaptive and can perform a wide range of tasks in a variety of settings. AI platforms that have become both very powerful and extremely useful.

AI systems rely on a range of technologies, including machine learning, natural language processing, robotics, computer vision, and speech recognition. Machine learning is a subset of AI that involves teaching computers to learn from data without being explicitly programmed. Natural language processing involves teaching computers to understand and interpret human language, while computer vision involves teaching computers to interpret visual information. AI has the potential to revolutionize a wide range of industries and applications, including healthcare, finance, transportation, and education. In healthcare, AI systems can be used to help diagnose diseases, predict patient outcomes, and improve the accuracy of medical diagnoses. In finance, AI systems can be used to analyse financial data, predict market trends, and make investment decisions. In transportation, AI systems can be used to develop self-driving cars and improve traffic flow, while in education; AI systems can be used to personalize learning and provide feedback to teachers. AI is a rapidly evolving field that has the potential to transform virtually every industry and aspect of our lives. AI systems rely on a range of technologies, including machine learning, natural language processing, and computer vision. While there are concerns about the impact of AI on society, AI has the potential to revolutionize a wide range of industries and applications and will continue to be an area of intense research and development in the coming years.

Monika (BCA - IIIrd Year)

दुनिया का हर कोना

सुरक्षित नहीं आज दुनिया का हर कोना है
लूट मार कहीं पर है,
कहीं रिश्वत ने मुंह खोला है
अत्याचार ने कहीं ठान लिया
महिला की लाज को खोना है
भ्रष्टाचार कहीं पर फैला,
हो रहा कहीं कत्लेआम
यौन उत्पीड़न से तो जैसे
सुन्न हो गया सारा जहान
बैंक डकैती कहीं पर है,
कहीं अपहरणों का फिल्मी अंदाज
नशे में धुत रहने का भी
छिड़ा है कहीं गंदा रिवाज
दुनिया के चप्पे चप्पे पर हैं
फैल गई वेदनाएं आज
जाने क्या हो गया जहां में
इन घटनाओं को देता कौन अंजाम
बहुत हो गया होश में आओ
इन सबको अब नहीं ढोना है
सुरक्षित नहीं आज दुनिया का हर कोना है

Sanjana
MSc (Computer Sc.)

वापिस आजा माँ

आज भी मेरी जुबान पर तेरी बात आती है मां।
मुझे तेरी बहुत याद आती है, मैं आज बहुत टूट चुका हूँ ,
मुझे फिर से उठाने आजा माँ तू कहा चली गयी, वापस आजा माँ
जब तू थी, जब तू थी।
मैं तेरे अम्बर का सितारा हुआ करता था,
तू बहती नदी थी, मैं तेरा किनारा हुआ करता था।
आज बहुत अकेला, हो चुका हूँ ।
फिर से मेरा सहारा बन के आजा माँ ।
तू कहाँ चली गयी, वापस आजा माँ

आज जब भी मैं रोता हूँ , कोई मेरे आसू नही पोछता,
पर जब तू थी, मुझे गले से लगाती थी।
मैं तेरे बिन जी नहीं पा रहा, मुझे जीना सिखा जा माँ
तू कहा चली गयी, वापस आजा माँ
जब भी मैं तुझे बुलाता हूँ ,
तू आती नहीं तो मुझे ही तेरे पास बुला ले.....
मुझे गले से लगा ले.....
अपने आंचल में, फिर से मुझे सुलाजा माँ ।
तू कहाँ चली गई माँ, वापस आजा माँ

Raja
BCA (Ist Year)

बढ़ती हुई महंगाई और घटती हुई कमाई

आज हमारा देश बहुत ऊंचाई पर है, हर तकनीक और हर योग में आगे है पर हम आज भी कहीं किसी चीज में पीछे हैं जैसे बढ़ती हुई महंगाई और घटती हुई कमाई जिसका सामना आज हमारे देश की अधिकांश आबादी कर रही है।

महंगाई दिन भर दिन बढ़ती जा रही है दूसरी और कमाई में वृद्धि नहीं हो पा रही है जिससे लोग को अपने परिवार का पालन पोषण करना मुश्किल हो रहा है।

बढ़ती हुई महंगाई और घटती हुई कमाई के कई कारण है :

1. मुद्रास्फीति : जब कसी देश में मुद्रर की आपूर्ती अधिक होती है तो इसका मूल्य घटता है और कीमत बढ़ती है।
2. आर्थिक विकास : जब किसी देश में आर्थिक विकास तेजी से होता है तो मांग बढ़ती है और कीमत बढ़ती है।
3. कच्चे माल की कमी : जब कच्चे माल की कमी होती है, तो उत्पादन लागत बढ़ती है और करमत बढ़ती है।
4. टैक्स में बढ़ोतरी : जब सरकार टैक्स में बढ़ोतरी करती है तो उत्पादक उत्पादों की कीमत बढ़ाते हैं।
5. नियमों में परिवर्तन : जब सरकार नियम में परिवर्तन करती है तो उपादन लागत बढ़ती है और कीमत बढ़ती है जब किसी देश में आर्थिक मंदी होती है तो व्यवसायों की आय घटती है और लोग की कमाई घटती है और बेरोजगारी के कारण भी कमाई पर भाव पड़ता है।

बढ़ती हुई महंगाई और घटती हुई कमाई का समाधान करने के लिए हम कुछ कदम उठा सकते हैं जैसे :

- **आर्थिक सुधार :**

1. सरकार को आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए नीतियों में सुधार करना चाहिए ।
2. सरकार को उत्पादन लागत में कमी करने के लिए नीतियों में सुधार करना चाहिए।
3. सरकार को वदेशी निवेश को बढ़ावा देने के लिए नीतियों में सुधार करना चाहिए ।

- महंगाई नियंत्रण :

1. सरकार को महंगाई दर को नियंत्रित करने के लिए नीतियों में सुधार करना चाहिए ।
2. सरकार को कीमतों को नियंत्रित करने के लिए नीतियों में सुधार करना चाहिए।
3. सरकार को ब्लैक मार्केटिंग को रोकने के लिए नीतियों में सुधार करना चाहिए ।

- **कमाई में वृद्धिः**

1. सरकार को वेतन में वृद्धि करने के लिए नीतियों में सुधार करना चाहिए ।
2. सरकार को रोजगार के अवसरों में वृद्धि करने के लिए नीतियों में सुधार करना चाहिए।

ये सब कुछ समाधान है जिससे बढ़ती हुई महंगाई कम हो सकती है और घटती हुई कमाई बढ़ सकती है ।
ऐसे ही हमारा देश अच्छा और मजबूत देश बनेगा

Magan Bhatia
B.Sc. (Computer Science 4th Sem.)

JOB ORIENTED SECTION

प्राध्यापक – सम्पादक
डॉ. प्रदीप कुमार

छात्रा – सम्पादक
आरती (बीएएमसी)

अनुक्रमणिका

क्रम सं.	रचना	रचयिता	पृष्ठ संख्या
1.	संपादकीय	डॉ. प्रदीप कुमार (असिस्टेंट प्रोफेसर, जनसंचार विभाग)	2
2.	यूट्यूब पर पत्रकारिता	आरती – छात्रा सम्पादक, सिमरन (बीएएमसी – द्वितीय वर्ष)	3
3.	पत्रकारिता के क्षेत्र में सफलता के लिए क्रिएटिव होना जरूरी	सिमरन, मिनाक्षी (बीएएमसी – प्रथम वर्ष)	3
4.	मीडिया एवं समाज	आरती, काजल (बीएएमसी – द्वितीय वर्ष)	4
5.	पत्रकारिता: पारिभाषिक शब्दावली	राशि (बीएएमसी – द्वितीय वर्ष)	4
6.	सोशल मीडिया के फायदे और दुष्प्रभाव	निष्ठा (बीएएमसी – द्वितीय वर्ष)	4
7.	ओटीटी प्लेटफॉर्म से विस्तृत हुआ सिनेमा का दायरा	दिव्यांशी, गायत्री (बीएएमसी – द्वितीय वर्ष)	5
8.	मीडिया कानून	अमन कश्यप, जियालाल दहिया (बीएएमसी – द्वितीय वर्ष)	5
9.	तीर्थ यात्रा पर्यटन	प्रियंका (बीटीएम – द्वितीय वर्ष)	6
10.	हरियाणा में राजमार्ग पर्यटन	मोहम्मद विषाल (बीटीएम – सेकंड ईयर)	6
11.	सेलफोन	कल्पना देवी (बीएएमसी – फर्स्ट ईयर)	6

सम्पादकीय

नमस्कार

बड़े हर्ष का विषय है कि महाविद्यालय की वार्षिक पत्रिका **रवि तेज** के सत्र 2023 – 24 व 2024 – 25 के अंक का प्रकाशन हो रहा है। खास बात यह है कि इस पत्रिका में पहली बार रोजगारपरक विषयों के विद्यार्थियों के लिए अलग से अनुभाग (Section) बनाया गया है। इस अनुभाग के माध्यम से बीएएमसी, बीटीएम, बीसीए, और पीजी डिप्लोमा इन गाइडेंस, काउंसलिंग एंड साइकोथेरेपी कक्षाओं के विद्यार्थियों को अपनी सृजनात्मकता दिखाने का सुअवसर प्राप्त हुआ है।

महान दार्शनिक एवं विचारक स्वामी विवेकानन्द जी ने कहा है – "उठो, जागो और तब तक न रुको जब तक लक्ष्य की प्राप्ति न हो जाए।" स्वामी जी की ये पंक्तियां हम सभी में उत्साह का संचार करती हैं और पूरे जोश, जुनून व जज्बे के साथ हम अपनी मंजिल की ओर अग्रसर हो जाते हैं। हम बड़े सौभाग्यशाली हैं कि हमारे देश की कुल आबादी का आधे से ज्यादा हिस्सा युवाओं का है और युवाओं में गजब की क्षमता है।

युवा कई क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य कर रहे हैं और न केवल अपने देश में बल्कि विदेशों में भी उनकी प्रतिभा की धूम मची हुई है। लेकिन युवाओं का एक तबका ऐसा भी है जो नशे की गिरफ्त में है, जिसे कोई भी हिंसा के लिए उकसा सकता है, जो सोशल मीडिया पर किसी संदेश की विश्वसनीयता जाने बगैर उसे हजारों लोगों को फॉरवर्ड कर देता है और अपने जरूरी काम छोड़कर मोबाइल पर समय बर्बाद करता है। इन युवाओं को न केवल खुद से संवाद करना होगा बल्कि सिविल सोसायटी को भी चाहिए कि वो इन युवाओं से बातचीत कर उन्हें समाज की मुख्यधारा में लाने के लिए निरंतर प्रयासरत रहे।

हमें युवा पीढ़ी के लिए रोजगार के नए अवसर पैदा करने होंगें। सरकारी नौकरी के अवसर बढ़ाने के साथ – साथ उनमें स्वरोजगार का कौशल भी विकसित करना होगा। देशभर के विभिन्न महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालयों में शुरू किए गए रोजगारपरक कोर्स भी इसी दिशा में उठाया गया सही कदम है। बस इस बात का ध्यान रखा जाए कि युवा पीढ़ी को रोजगार के काबिल बनाने के साथ – साथ उनमें इन्सानियत के गुणों का भी सृजन किया जाए ताकि वे केवल पैसे कमाने की मशीन न बनें बल्कि अपनी सामाजिक जिम्मेदारियों का निर्वाह करते हुए एक सजग एवं सतर्क नागरिक के तौर पर राष्ट्र – निर्माण में अपना योगदान दे सकें ।

डॉ. प्रदीप कुमार

असिस्टेंट प्रोफेसर, जनसंचार विभाग

यूट्यूब पर पत्रकारिता

आज यूट्यूब के बारे में कौन नहीं जानता है। इंटरनेट के इस जमाने में यूट्यूब न केवल भारत बल्कि सारी दुनिया की सबसे लोकप्रिय और प्रमुख वीडियो शेयरिंग वेबसाइट है जिसे 2005 में बनाया गया था। यूट्यूब का मुख्य उद्देश्य है वीडियो कंटेंट को आम लोगों तक पहुँचाना। पत्रकारिता के लिए यूट्यूब एक महत्वपूर्ण प्लेटफॉर्म है। इस प्लेटफॉर्म के जरिए जर्नलिस्ट्स अपने आर्टिकल्स को वीडियो फॉर्मेट में ट्रांसफॉर्म करके आम जनता तक पहुँचा सकते हैं। यूट्यूब के इस्तेमाल से जर्नलिस्ट्स अपने आर्टिकल्स और रिपोर्ट को ऑडियो और विजुअल एलिमेंट्स के साथ बढ़ा सकते हैं और आम जनता को एक अलग से अनुभव प्रदान कर सकते हैं।

जैसे हर सिक्के के दो पहलू होते हैं उसी प्रकार यूट्यूब के भी फायदे और नुकसान दोनों ही हैं।

यूट्यूब के जरिए पत्रकार अपने कंटेंट को दुनिया भर के दर्शकों तक पहुँचा सकते हैं। यूट्यूब की बहुत बड़ी ऑडियंस है और आपको पूरी दुनिया में लाखों व्यूज मिल सकते हैं। यूट्यूब के लिए वीडियो बनाने के लिए, आपको किसी महंगे उपकरण या स्टूडियो की जरूरत नहीं है। आप अपने स्मार्टफोन या पर्सनल कंप्यूटर से ही वीडियो बना सकते हैं।

यूट्यूब के जरिए जर्नलिस्ट्स अपने कंटेंट को कुछ अलग तरीके से प्रेजेंट कर सकते हैं। वीडियो में ऑडियो, विजुअल और टेक्स्ट के साथ-साथ ह्यूमर या स्टोरी टेलिंग भी इस्तेमाल किया जा सकता है।

नुकसान :– यूट्यूब की मोनेटाइजेशन पॉलिसी के मुताबिक, आपको कम से कम 1000 सब्सक्राइबर और 4000 घंटे देखने की जरूरत है जिससे आप अपने वीडियो से पैसा कमा सकते हैं। ये टारगेट बहुत मुश्किल है, खासकर नए चैनलों के लिए।

पत्रकारिता के लिए इसकी शिक्षा लेना भी आवश्यक है। मगर कुछ बिना किसी ज्ञान के, सबकी देखा-देखी पत्रकारिता के पेशे में आ गए हैं जिससे इस पेशे में गिरावट आई है।

यूट्यूब के मंच पर प्रतियोगिता बहुत ज्यादा बढ़ गई है। अगर आपकी वीडियो क्वालिटी अच्छी नहीं है, तो आपको व्यूज नहीं मिलेंगे और आपके चैनल को ग्रो करने में दिक्कत होगी।

यूट्यूब के कुछ नियम प्रतिबंध होते हैं जिससे आपके वीडियो की सामग्री की निगरानी की जाती है। अगर आपकी वीडियो का कंटेंट यूट्यूब की पॉलिसी के खिलाफ है, तो आपका चैनल सस्पेंड या टर्मिनेट हो सकता है।

अंत में हम कह सकते हैं कि यूट्यूब एक बहुत ही उपयोगी टूल है पत्रकारिता के लिए। अगर आप एक पत्रकार हैं, तो आपको यूट्यूब को अपने कंटेंट को प्रमोट करने के लिए जरूर इस्तेमाल करना चाहिए।

आरती – छात्रा सम्पादक

सिमरन (बीएएमसी – द्वितीय वर्ष)

पत्रकारिता के क्षेत्र में सफलता के लिए क्रिएटिव होना जरूरी

बदलते दौर में पत्रकारिता का क्षेत्र काफी विस्तृत होता जा रहा है और इसमें रोजगार के अवसर लगातार बढ़ रहे हैं। लेकिन पत्रकारिता के क्षेत्र में सुनहरे भविष्य का निर्माण करने के लिए क्रिएटिव यानि सृजनात्मक होना बेहद जरूरी है। अगर लोगों को आपका लिखा हुआ या बोला गया पसंद आ गया तो आप रातों-रात स्टार बन जाएंगे। अगर आप में ख़बरों की गहरी सूझबूझ है और तथ्यों को खोज कर लाने का जुनून है तो निश्चित रूप से आप पत्रकारिता के क्षेत्र के लिए बने हैं।

अगर बात भारत की करें तो हमारे देश में जहां एक ओर हजारों समाचार पत्र-पत्रिकाएं प्रकाशित होते हैं तो वहीं सैंकड़ों राष्ट्रीय एवं क्षेत्रीय समाचार चैनल भी हैं। वर्तमान समय में तो सोशल मीडिया के मंच पर भी आप पत्रकारिता के हुनर की बानगी पेश कर सकते हैं। मीडिया शिक्षा का दायरा भी लगातार व्यापक होता जा रहा है और स्कूल, कॉलेज से लेकर विश्वविद्यालयों तक मीडिया स्कूल खुल चुके हैं। ऐसे में बतौर मीडिया टीचर भी अपने करियर की नींव रख सकते हैं ।

समाचार-पत्रों की बात की जाए तो न्यूज़ रिपोर्टर, सब एडिटर, कार्टूनिस्ट, फोटो जर्नलिस्ट, समाचार चैनलों में वीडियो जर्नलिस्ट न्यूज़ रिपोर्टर, न्यूज़ एंकर, वॉयस ओवर आर्टिस्ट और वीडियो एडिटर समेत विभिन्न पदों पर आप नौकरी कर सकते हैं। विज्ञापन के क्षेत्र में क्रिएटिव लोगों की बहुत मांग है और कॉपी राइटर से लेकर एनिमेशन के क्षेत्र में भविष्य सुनहरा है। सोशल मीडिया पर आप स्वतंत्र-पत्रकार के रूप में इस क्षेत्र को समृद्ध करने में अपना योगदान दे सकते हैं।

सिमरन, मीनाक्षी (बीएएमसी – प्रथम वर्ष)

मीडिया एवं समाज

भारतीय समाज में मीडिया की एक अहम भूमिका है। मीडिया न केवल लोगों को नजरिया प्रदान करती है अपितु फैसले लेने में भी सहायता करती है। आज के युग में इन्सान को जानकारी होनी अनिवार्य है और अपने आसपास हो रही घटनाओं के बारे में उसका जागरूक रहना जरूरी है। मीडिया समाज की रीढ़ की हड्डी है जो उसे मज़बूती से खड़े होने में मदद प्रदान करती है। ज्ञान हमें शोषण से मुक्त करता है और ज्ञान ही व्यक्ति को समाज में इज्जत और प्रतिष्ठा दिलवाता है।

मीडिया अभिव्यक्ति की आज़ादी को मंच प्रदान करता है। समाज मीडिया पर भरोसा करता है और इस विश्वास को कायम रखने के लिए मीडिया को समाज की अपेक्षाओं पर खरा उतरने की जरूरत है। लेकिन समाचार संस्थान घटनाओं को सनसनी बनाकर पेश करते हैं और तथ्यों से खिलवाड़ करना इनका पेशा बन गया है। कई बार तो मुख्यधारा का मीडिया ही फेक न्यूज के प्रचार-प्रसार में शामिल होता है। ऐसे में कई बार मीडिया दुष्प्रचार का एक माध्यम भी बन जाता है। इसलिए यह जरूरी हो जाता है कि समाज में मीडिया साक्षरता को बढ़ाया जाए। दर्शक या पाठक में इतना विवेक होना चाहिए कि वह सही ओर गलत की पहचान कर सके। अगर ऐसा होगा तो ही मीडिया समाज को सशक्त बनाने में अपनी सकारात्मक भूमिका निभा पाएगा और भारतीय लोकतंत्र को और मज़बूती मिलेगी।

आरती, काजल (बीएएमसी – द्वितीय वर्ष)

पत्रकारिता: पारिभाषिक शब्दावली

अंक: नियमित रूप से प्रकाशित होने वाले समाचार-पत्र या पत्रिका के प्रत्येक अंतराल की प्रति को अंक कहते हैं ।

बीट : संवाददाता को समाचार संकलन के लिए एक निश्चित विषय अथवा क्षेत्र सौंपा जाता है, जिसे अंग्रेजी में बीट कहते हैं ।

घोस्ट राइटर या छद्म लेखक : जो लेखक अपने नाम के अलावा किसी काल्पनिक या छद्म नाम से कुछ लिखता या छपवाता है, तो ऐसे लेखक को घोस्ट राइटर कहा जाता है ।

डेटलाइन: समाचार-पत्र में प्रकाशित किसी भी समाचार में समाचार के आमुख से भी पहले उस दिन की तारीख, समाचार लिखे जाने का स्थान व स्त्रोत का उल्लेख किया जाता है । इस विवरण को डेटलाइन कहते हैं। हालांकि कुछेक समाचार-पत्रों में तारीख नहीं लिखी जाती है।

पीत पत्रकारिता : कुछ समाचार-पत्र, पत्रिकाएं एवं समाचार चैनल अपनी प्रसार संख्या एवं दर्शक संख्या बढ़ाने के लिए समाचार में तथ्यों के साथ छेड़छाड़ करते हैं और इसे सनसनी बनाकर पेश करते हैं। साथ ही लोगों के निजी जीवन के बारे में भी अपुष्ट खबरें प्रकाशित एवं प्रसारित करते हैं और इसे विवाद का स्वरूप दे देते हैं। इसे पीत पत्रकारिता कहते हैं ।

राशि (बीएएमसी – द्वितीय वर्ष)

सोशल मीडिया के फायदे और दुष्प्रभाव

आज कल के नए जमाने में सोशल मीडिया का अहम रोल है। या ये कहें कि सोशल मीडिया आज कल के नए जमाने में अहम रोल निभाता है। ऐसा लगता है मानो सोशल मीडिया के बिना आज दुनिया में कुछ भी संभव नहीं है। हम सोशल मीडिया को नहीं बल्कि सोशल मीडिया हमें चला रहा हैं। ऐसा ही मानना है कुछ विशेषज्ञों का। देश में जो आजकल तनातनी का माहौल चल रहा है उसमें सोशल मीडिया मानो आग में घी का काम कर रहा है।

हालाँकि ऐसा नहीं है कि इसके दुष्प्रभाव ही हैं इसके कुछ फायदे भी हैं जैसे की देश दुनिया की हर ख़बर से परिचित रहना, आस पास की घटना का आंकलन करना, अपने विचार व्यक्त करना और बाजार में क्या नया फैशन चल रहा है आदि चीजें जो मनुष्य की रुचि की होती हैं। इस सब के बावजूद सोशल मीडिया के कई दुष्प्रभाव हैं। सोशल मीडिया के द्वारा कई तरह की अफवाह फैलाई जाती हैं जों युवाओं को भड़काती हैं और उनसे कई तरह के अपराध भी कराती हैं। आज कल के लोग जो सोशल मीडिया में दिखाया जाता है उसी को सच मान लेते हैं बाकी सब मानो उनके लिए झूठ हो । सोशल मीडिया का सही या गलत इस्तेमाल करना हमारे हाथो में है फिर चाहे वो हमारा फायदा करे या नुक़सान ।

निष्ठा (बीएएमसी – द्वितीय वर्ष)

ओटीटी प्लेटफॉर्म से विस्तृत हुआ सिनेमा का दायरा

ओटीटी प्लेटफॉर्म के आने से सिनेमा का दायरा काफी विस्तृत हो गया है। ओटीटी प्लेटफॉर्म पर न केवल नई प्रतिभाओं को मंच मिला है बल्कि सिनेमा की विषयवस्तु में भी काफी विविधता देखने को मिल रही है। ओटीटी पर ऐसी कई अद्भुत वेब सीरीज या फिल्में देखने को मिलती हैं जो मुख्यधारा के सिनेमा में कभी देखने को नहीं मिली। ओटीटी की वजह से हमें वैश्विक स्तर का सिनेमा देखने को मिल रहा है और इस क्षेत्र में भी ग्लोबल विलेज की अवधारणा सही साबित हुई है।

ओटीटी के माध्यम से महिला सशक्तिकरण, प्रेस फ्रीडम, अपराध जगत की विभिन्न कहानियां और बहुत से सामाजिक, सांस्कृतिक एवं मनोवैज्ञानिक विषयों को प्रमुखता से उठाया गया है। बहुत से ऐसे मुद्दे भी हैं जो समाज के लिए सेंसिटिव साबित हो सकते हैं या कुछ लोग उन्हें देखने से बचते हैं ऐसे मुद्दों को भी ओटीटी ने जगह दी है। ओटीटी प्लेटफॉर्म से सिनेमा का स्वरूप वैश्विक हो गया है और इस मंच पर विभिन्न संस्कृतियों का संगम देखने को मिलता है। ओटीटी के आने से भारतीय सिनेमा तकनीकी रूप से मजबूत हुआ है और कॉस्ट्यूम डिजाइन, अभिनय, निर्देशन, पटकथा लेखन समेत तमाम क्षेत्रों में व्यापक बदलाव देखने को मिल रहा है।

लेकिन जिस तरह हर चीज के कई पहलू होते हैं ठीक उसी तरह ओटीटी के भी सकारात्मक और नकारात्मक दोनों पहलू हैं। ओटीटी के आने से सिनेमा का फलक विस्तृत हुआ है लेकिन कई बार इस मंच पर उपलब्ध विषय-सामग्री पर विवाद भी हो जाता है। कई वेब सीरीज और फिल्मों में दिखाए जा रहे हिसंक दृश्य, मादक पदार्थो का सेवन और अश्लील दृश्यों से समाज पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। विशेष रूप से युवा पीढ़ी पर इसका सबसे ज्यादा असर होता है। खास बात यह है कि युवा वर्ग ही ओटीटी प्लेटफॉर्म से ज्यादा जुड़ा हुआ है। ऐसे में जरूरत इस बात की है कि ओटीटी प्लेटफॉर्म के संचालक व फिल्म तथा वेब सीरीज के प्रोडयूसर एवं डायरेक्टर विषय सामग्री तैयार करते वक्त परिपक्वता का परिचय दें। उनकी फिल्में ऐसी होनी चाहिए जो समाज को सही दिशा में अग्रसर करें और युवा पीढ़ी उनसे प्रेरित हो सके। इसलिए बेहतर यही होगा कि सेल्फ रेगुलेशन यानी स्व-नियमन के सिद्धांत का अनुकरण करते हुए आमजन एवं समाज के हित को सर्वोपरि रखा जाए। अगर ऐसा होता है तो यह माध्यम सामाजिक क्रांति का सूत्रधार साबित हो सकता है।

दिव्यांशी, गायत्री (बीएएमसी-द्वितीय वर्ष)

मीडिया कानून

आज हम बात करेंगे कि पत्रकारों, पत्रकारिता से जुड़े विद्यार्थी और आम जनता को मीडिया कानूनों की समझ या जानकारी होना क्यों आवश्यक है।

मीडिया को समाज का चौथा स्तंभ माना जाता है और मीडिया की समाज के प्रति अपनी कुछ जिम्मेदारी होती है क्योंकि आज भारत में मीडिया का काफी बड़ा दायरा विकसित हो गया है आज के समय में हजारों समाचार पत्र-पत्रिकाएं, न्यूज चैनल, समाचार के सोशल मीडिया पेज मौजूद हैं। इन सभी पर काम करने वाले पत्रकारों को मीडिया कानूनों की समझ ना होने के कारण अनेक बार काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। इसलिए इन परेशानियों से बचने के लिए पत्रकारों को मीडिया कानूनों की जानकारी प्राप्त करनी चाहिए।

कुछ प्रमुख मीडिया कानून हैं जैसे- मानहानि, कॉपीराइट, अदालत की अवमानना, भारतीय सरकारी रहस्य अधिनियम, प्रेस परिषद अधिनियम इन सभी कानूनों की जानकारी होनी चाहिए। ताकि वे किसी परेशानी में आने से बच सकें और अपनी पत्रकारिता को सुधार सकें ।

पत्रकारों के साथ-साथ आम जनता को भी इन सभी कानूनों की समझ होनी चाहिए। ताकि पत्रकार अपनी बातों की अवहेलना ना कर सकें। जब आम जनता को इन सभी मीडिया कानूनों की समझ होगी तो पत्रकार कुछ गलत छाप या बोल नहीं सकते हैं। इसलिए आम जनता को भी मीडिया कानूनों की समझ होना चाहिए।

आज के दौर में सोशल मीडिया का चलन काफी बढ़ गया है, हर व्यक्ति पत्रकार बन चुका है चाहे उसे मीडिया कानूनों की समझ हो या नहीं। जिसके चलते उसे काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है कि जो सोशल मीडिया पर स्वतंत्र पत्रकारिता करते हैं चाहे वह यूट्यूब, फेसबुक, ट्विटर आदि प्लेटफॉर्म पर पत्रकारिता करते हैं उन सभी को मीडिया कानूनों की जानकारी होना बहुत जरूरी होती है ताकि वे भविष्य में किसी बड़ी परेशानी के आने से बच सकें और अपनी पत्रकारिता में सुधार ला सकें।

अमन कश्यप, जियालाल दहिया

(बीएएमसी, द्वितीय वर्ष)

तीर्थ यात्रा पर्यटन

भारत जैसे विविध संस्कृति वाले देश में तीर्थ यात्रा पर्यटन का भविष्य सुनहरा है। देश में अनेक धार्मिक स्थल हैं और इनमें वर्ष भर अनेक लोग पहुंचते हैं। दुनियाभर में तीर्थयात्रियों की संख्या में वृद्धि के कारण पर्यटन तीर्थयात्रा के लिए एक महत्वपूर्ण सामाजिक-आर्थिक गतिविधि है। तीर्थ यात्रा पर्यटन के बढ़ने से लोगों को रोजगार मिलता है और अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलती है। भारत के प्रसिद्ध तीर्थ यात्रा स्थल अमरनाथ, माता वैष्णो देवी, ज्वाला जी, अमृतसर, केदारनाथ, बद्रीनाथ, मथुरा, वृंदावन, काशी, प्रयागराज, गया, नालंदा, उज्जैन, रामेश्वरम, द्वारका, अजमेर हैं जहां वर्ष भर लाखों पर्यटक पहुंचते हैं। इन पर्यटन स्थलों पर वर्ष भर विभिन्न धार्मिक आयोजन होते हैं और परिवेश शानदार रहता है। अगर तीर्थ स्थलों पर सुरक्षा व्यवस्थाएं साफ-सफाई, यात्रियों के खानपान एवं ठहरने की समुचित व्यवस्था को योजनाबद्ध तरीके से आगे बढ़ाया जाए तो तीर्थ यात्रा पर्यटन को और भी विस्तृत रूप दिया जा सकता है ।

प्रियंका (बीटीएम-द्वितीय वर्ष)

हरियाणा में राजमार्ग पर्यटन

यात्रा विराम और अनुभव की एक श्रृंखला है। सफर को और दिलचस्प बना रहे गंतव्य हरियाणा में सावधानी से तैयार किए गए राजमार्ग पर्यटन के पीछे का दर्शन है। अनादिकाल से वे हमारे देश की जीवन रेखा रहे हैं। राजा अशोक का 7 वां स्तंभ शिलालेख दिल्ली-टोपरा स्तंभों पर उत्कीर्ण, वर्तमान में कोटला फिरोज शाह में खड़ा है।

बाद में मध्ययुगीन काल में शेरशाह सूरी ने ग्रैंड ट्रंक रोड का निर्माण किया। सराय और इस सड़क का रख-रखाव किया। आजादी के समय में यह भारत की एकमात्र पक्की सड़क थी। यह अमृतसर से शुरू होती है और हरियाणा से होकर गुजरती है, उत्तर-पश्चिम से उत्तर-पूर्व। प्रारंभ में इस राजमार्ग पर राजमार्ग पर्यटन की संभावनाएं देखी गई। वर्तमान में यदि किसी को जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, पंजाब और चंडीगढ़ जाना पड़ता है, हरियाणा से गुजरें। हरियाणा पर्यटन विभाग ने राजमार्ग की क्षमता की कल्पना की और पर्यटन प्रमुख राजमार्गो के किनारे मोटल, पर्यटक परिसर और ढाबे बनाए। समय के साथ विशेष रूप से 90 के दशक के बाद छोटे उद्यमियों ने राजमार्ग के साथ-साथ ढ़ाबों को विकसित करना शुरू कर दिया।

मुरथल के ढ़ाबों ने कई अपस्केल ढ़ाबों के अलावा देश भर में लोकप्रियता हासिल की है । हवेली, झिलमिल ढ़ाबा, धरम गरम ढाबा खली जैसे राष्ट्रीय राजमार्गो पर चेन उभर आई है। चोखी ढ़ाणी जैसे गंतव्य अपने आप में एक पहचान बना चुके हैं। राजमार्ग पर्यटन कई मिलियन डॉलर का उद्योग बन गया है और कई उद्यमी इस व्यवसाय में निवेश कर रहे हैं। इस प्रकार हम देखते हैं कि पंजाब के साथ-साथ हरियाणा में राजमार्ग पर्यटन की अपार संभावनाएँ हैं। भविष्य में नए हाईवे और सुपर हाईवे पर और भी होटल, रिसॉर्ट और ढ़ाबे आने की संभावना है।

मोहम्मद विषाल (बीटीएम-सेकंड ईयर)

सेलफोन

मम्मी-पापा ने दिलवाया मुझको सेलफोन एक प्यारा सा
मेरे मन को भाने वाला तोहफा एक प्यारा सा
जब भी बैठी हूँ मैं अकेली मेरे समझ में
ना आए प्रश्नों की ये पहेली
इंटरनेट का है जमाना झट से
इसने प्रश्न का हल ढूंढ निकाला
मम्मी-पापा ने दिलवाया.....

जब भी बैठा हो कोई दूर मुझसे बात करनी हो जरूरी
समय भी नहीं लगता बात हो जाती है झट से जरूरी
मम्मी-पापा ने दिलवाया.....
सेलफोन से हो गए अब सारे काम आसान
हम हो गए अब इस पर निर्भर नहीं करते कोई काम
कोरोना काल में इंटरनेट का हमने खूब किया इस्तेमाल
अब हो गई आदत इसकी बैठे रहते हैं
भरोसे इसके कि हो जाएंगे सारे काम
मम्मी-पापा ने दिलवाया.....
सेलफोन का भी करो उपयोग पर
किताबों से बड़ा ज्ञान का कोई समंदर नहीं
संभलकर करो इसका इस्तेमाल
वरना होगा तुम्हारा भविष्य खराब
क्योंकि इसकी आदत डालती
हमारे शरीर पर प्रभाव
मम्मी-पापा ने दिलवाया.....

कल्पना देवी (बीएएमसी-फर्स्ट ईयर)

COLLEGE IN NEWS

पं. चिरंजीलाल शर्मा राजकीय महाविद्यालय में फहराया तिरंगा

शिक्षकों ने लिया विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का संकल्प

पीटीएससी: करनाल की कैडेट हिमांशी ने बेस्ट इन फ्लाइंग में जीता मेडल

आर्मी कैडेट समीर कुमार ने रॉक क्लाइंबिंग प्रतियोगिता में गोल्ड मेडल जीता

एयरो माडलिंग में चेतना को पदक ओवरआल रोहतक ग्रुप रहा प्रथम

गायन में शिवम, नृत्य में हिमानी व मिमिक्री में रोहित रहा अव्वल

पंडित चिरंजीलाल शर्मा राजकीय महाविद्यालय में वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का शानदार समापन

पंडित चिरंजीलाल शर्मा राजकीय महाविद्यालय के स्टार्टअप निशांत सिंह का जागृति यात्रा में हुआ चयन

राजकीय कॉलेज के खिलाड़ियों ने जीते पदक

रिट में आने वाले तीन छात्रों को किया सम्मानित

पंडित चिरंजीलाल शर्मा राजकीय महाविद्यालय में रक्तदान शिविर लगाया, 59 ने किया रक्तदान

विद्यार्थियों ने नृत्य में दिखाई हरियाणा की संस्कृति, परिधानों में दिखा संस्कार

पिया जी तेरी एक ना मानूंगी फिल्म चंद्रावल देखूंगी गीत पर लाजवाब नृत्य से मोहा मन

स्टार्टअप आइडिया प्रतियोगिता में हर्षिका और लोविश रहे प्रथम

दो विद्यार्थियों ने राज्य स्तरीय बिज़नेस प्लान 'आई टू इनोवेशन' प्रतियोगिता में पाया तीसरा स्थान

इमर्जिंग ट्रैंड्स इन कॉमर्स एंड मैनेजमेंट विषय पर हुआ सैमीनार

पंडित चिरंजीलाल शर्मा कॉलेज के विद्यार्थियों ने नैशनल मीडिया फैस्ट में जीते पुरस्कार

पंडित चिरंजी लाल शर्मा कॉलेज के दो विद्यार्थियों ने इंटर जोनल यूथ फेस्टिवल में पाया दूसरा स्थान

स्वामी विवेकानंद मानव सेवा व युवा चेतना के प्रतीक : डा. रेखा त्यागी

फ्रैंडली क्रिकेट मैच में पंडित चिरंजीलाल शर्मा कॉलेज की टीम विजयी

राजकीय महाविद्यालय की टीम ने करीबी मुकाबले में 10 रन से हासिल की जीत

राजकीय महाविद्यालय में 3 दिवसीय आर्ट और क्राफ्ट वर्कशॉप

विद्यार्थियों को विकसित भारत 2047 के बारे में किया जागरूक

Press & Registration of Central Act, 1956

Form-IV (Rule 8)

RAVI-TEJ

Statement about ownership and other particulars about **'RAVI-TEJ'**

1.	Place of Publication	:	Karnal (Haryana)
2.	Periodicity	:	Annual
3.	Printer's Name	:	ABC Computers and Printers
4.	Nationality	:	Indian
5.	Address	:	Ibrahim Mandi, Near Raghunath Mandir Chowk, Karnal
6.	Publisher's Name	:	Dr. Rekha Tyagi
7.	Nationality	:	Indian
8.	Address	:	Pt. C.L. Sharma Govt. College, Sector-14, Karnal
9.	Editor's Name	:	Dr. Sarita Arya
10.	Nationality	:	Indian
11.	Address	:	Pt. C.L. Sharma Govt. College, Sector-14, Karnal
12.	The Name and Address of the owner	:	Pt. C.L. Sharma Govt. College, Sector-14, Karnal

I, Dr. Rekha Tyagi hereby declare that the particulars given above are true to the best of my knowledge and belief.

Sd/-
Dr. Rekha Tyagi

ABC COMPUTERS & PRINTERS
Ibrahim Mandi, Near Raghunath Mandir Chowk, Karnal
Ph. : 92155-08638
E-mail : abcdesignstudio8@gmail.com

PROUD MOMENTS

OUR PROUD ACHIEVERS

Shallu (NET)
June 2024 Economics

Vikas Kumar (NET)
October 2024 History

Preeti (NET)
Dec, 2023 Commerce

Pooja Khurana (NET)
Dec, 2023 Commerce

Shubham (JRF NET)
Dec, 2023 Commerce

Umesh Kumar (JRF NET)
Dec, 2023 Commerce

Minakshi (NET)
June 2023 Economics

Kamal (NET)
December, 2023 History

Jyoti Sharma (JRF)
History

Snheha Gupta, B.Sc
(IT) 3th Sem
2nd Position in KUK

Vishvjeet, B.Sc.
(IT) 6th Sem
3rd Position in KUK (2023)

Kushi, B.Sc
(IT) 6th Sem
5th Position in KUK

Ravi Kumar, B.Sc
(IT) 4thSem
7th Position in KUK

Himani, B.Sc
(IT) 4thSem
8th Position in KUK

Renu, B.Sc.
IT (6th Sem)
9th Position in KUK

Devyani, B.Sc
(IT) 4thSem
9th Position in KUK

Palak, B.Sc
(IT) 4thSem
10th Position in KUK

Sahil, B.Sc.
(IT) 6th Sem
10th Position in KUK

Tanisha Ahuja, B.Sc
(IT) 4thSem
11th Position in KUK

Paras, B.Sc
(IT) 4thSem
12th Position in KUK.

Mohan Kumar, B.Sc
(IT) 4thSem
13th Position in KUK

Seema B.Sc.,
(IT) 6th Sem
13rd Position in KUK

Deepa, B.Sc.
(IT) 6th Sem
3rd Position in KUK

Neha, B.Sc Home Science
(4thSem) Ist Position in
KUK (2023-24)

Bharti, B.Sc Home Sc.
(4thSem) 3rd Position in
KUK. (2023-24)

Suruchi, B.Sc Home Sc.
(5thSem) 3rd Position in
KUK (2023-24)

Divyanshi Srivastava
(BAMC) 4thSem
10th Position in KUK

Saima (BAMC)
4th Sem
10th Position in KUK

Palak (BAMC)
4th Sem
10th Position in KUK

Aarti (BAMC)
6th Sem
8th Position in KUK

Neha (BAMC)
4th Sem
6th Position in KUK